अगहन मास, कृष्ण पक्ष 20 वर्ष, अंक 328 पृष्ठ 8 मूल्य 1.00

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज से प्रकाशित

www.akhandbharatsandesh.net

नगर संस्करण प्रयागराज | मंगलवार 23 नवम्बर 2021 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

क्रियायोग संदेश
क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान
प्रयागराज

क्रिया योगः साँच (सच Truth) को आँच नहीं। आँच अज्ञानता (अविद्या Ignorance) समय, दूरी व सापेक्षता की अनुभूति है जो समस्त दुःखों का कारण है। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने यह सिद्ध कर दिया है कि सामान्य तरीके से जीवन जीने पर सच की अनुभूति के लिए व्याधि रहित लगभग दस लाख वर्ष की आवश्यकता होती है, लेकिन क्रियायोग अभ्यास से सच की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

1. प्राचीन उच्च मानव सभ्यता मे वर्णित यज्ञ, वर्तमान में विश्व विख्यात 'क्रियायोग' है।
2. क्रियायोग अभ्यास वेदपाठ है, पूर्ण ज्ञान की अनुभूति है।
3. क्रियायोग अभ्यास ईश्वर अनुभूति है।
4. क्रियायोग अभ्यास अतीत, वर्तमान व भविष्य से जुड़ना है।
5. क्रियायोग अभ्यास जीवन मृत्यु पर विजय है।

क्रियायोग से सभी प्रकार की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित।

10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास

मुकुल रॉय की जाएगी सदस्यता? सुप्रीम कोर्ट ने अयोग्यता मामले में जल्द फैसला करने को कहा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल विधानसभा के अध्यक्ष से सांसद मुकुल रॉय के भाजपा से तृणमूल में शामिल होने के बाद उन्हें अयोग्य ठहराने की मांग वाली याचिकाओं पर तेजी से फैसला करने के लिए कहा है। शीर्ष अदालत ने कहा कि विधानसभा अध्यक्षों की यह प्रवृत्ति दिखाई देती है कि वे अयोग्यता की मांग वाली याचिकाओं पर निर्णय लेने में देरी करते हैं। सुनवाई के दौरान जस्टिस नागेश्वर राव ने कहा, ह्यहम अभी नवंबर में हैं। उच्च न्यायालय का फैसला सितंबर में आया था। तब से क्या हुआ है? क्या स्पीकर ने फैसला दे दिया कलकत्ता उच्च न्यायालय ने सात अक्तूबर तक स्पीकर से आदेश पारित करने को कहा था। पिछले 20-25 वर्षों से ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जहां अयोग्यता से जुड़ी याचिकाओं पर स्पीकर की ओर से फैसला लेने में देरी हुई है।

शीर्ष अदालत ने कहा, ह्यहमें उम्मीद है कि विधानसभा अध्यक्ष 21 दिसंबर को सुनवाई करेंगे।

किसान महापंचायत में संयुक्त किसान मोर्चा का ऐलान

सिर्फ कृषि कानून वापस होने से खत्म नहीं होगा आंदोलन

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तीन कृषि कानूनों को वापस लेने का ऐलान कर चुके हैं लेकिन, संयुक्त किसान मोर्चा इतने भर से ही आंदोलन खत्म करने को तैयार नहीं है। लखनऊ की महापंचायत में किसानों नेताओं ने एक स्वर से आंदोलन जारी रखन की घोषणा की है। उनका कहना है कि सिर्फ तीन कानून वापस लेने से आंदोलन खत्म नहीं होगा और भी ज्वलंत मुद्दे हैं उनका निस्तारण जरूरी है। इसमें न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को कानून बनाने की मांग सबसे अहम है।

लखनऊ स्थित ईको गार्डेन पार्क में सोमवार को आयोजित किसान महापंचायत में भाकियू नेता राकेश टिकैत ने प्रधानमंत्री मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि सरकार को अपनी भाषा में समझाने में एक साल लग गया। अब सरकार को ये समझ आया कि तीन कृषि कानून किसान, मजदूर विरोधी हैं। उन्होंने कहा कि आंदोलन में रंग-बिरंगे झंडे लहराते रहे, जो अलग संगठनों के हैं लेकिन उन सभी की कृषि कानून के विरोध में भाषा एक थी, सिर्फ कोठी में बैठे लोगों को समझने में वक्त लगा, क्योंकि सरकार किसानों को बांटने का प्रयास करती रही।भाकियू नेता राकेश टिकैत ने कहा कि सरकार ने संघर्ष विराम की घोषणा की है, जबकि किसान सिर्फ तीन कानूनों की वापसी भर से मानने वाला नहीं है। आंदोलन चरणवार जारी रहेगा। टिकैत ने यह भी कहा कि गांव की सरकारी जमीनें बेची जा रही हैं, सरकार कह रही है कि मंडी के बाहर सामान बेचो, ताकि ये मंडियां भी खत्म कर दें। किसानों को हिंदू, मुस्लिम, सिख और जिन्ना के नाम पर उलझाया जा रहा है। सबसे महंगी बिजली उत्तर प्रदेश की है। खाद मिल नहीं रही, गन्ने का चार हजार करोड़ रुपया बकाया है। उन्होंने कहा कि सरकार बातचीत करे तभी हल निकलेगा। जीत का जश्न है और आगे जंग का जज्बा भी : संयुक्त किसान मोर्चा के नेता योगेंद्र यादव ने कहा है कि यूपी में आंदोलन से पहले ही सरकार ने तीन कृषि कानून को वापस लेने का ऐलान कर दिया है, इसलिए जीत का जश्न है और किसानों में आगे की जंग का जज्बा भी है। उन्होंने कहा कि वह तो पहले से कह रहे थे कि कृषि कानून मर चुके हैं, अब उन्हें डेथ सर्टिफिकेट चाहिए। पीएम ने उसकी भी घोषणा कर दी है। यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री को अहंकार की बीमारी लगी है, जनता एक साल से दवाई कर रही थी लेकिन, उसका असर नहीं हुआ। पश्चिम बंगाल चुनाव ने छोटा इंजेक्शन दिया और यूपी विधानसभा चुनाव में बड़ा इंजेक्शन लगाने से पहले ही बड़ा असर हो गया है। ये जीत किसानों की है, 70 साल में पहली बार उनकी मांगे मानी गई। उन्होंने कहा कि किसानों को दान नहीं चाहिए, फसल का सही दाम चाहिए। ये दाम एमएसपी से मिलेगा। आंदोलन कैसा होगा ये 27 नवंबर को मोर्चा तय करेगा। निशाने पर गृह राज्यमंत्री बर्खास्त करके गिरफ्तारी की मांग : महापंचायत में किसान नेताओं के निशाने पर गृह राज्यमंत्री अजय मिश्र टेनी रहे।

माफी मांगने से किसानों का भला होने वाला नहीं : राकेश टिकैत

उनका भला एमएसपी कानून बनाने से होगा। इस कानून को लेकर केंद्र सरकार झूठ बोल रही है कि कमेटी बना रहे हैं, जबकि 2011 में जब मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तब उनकी अध्यक्षता में गठित कमेटी ने तत्कालीन मनमोहन सिंह सरकार को रिपोर्ट सौंपी थी कि किसानों के लिए एमएसपी लागू करें। ये रिपोर्ट पीएमओ में रखी है, उसे ही लागू कर दें। उन्होंने कहा कि सरकार ने स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट लागू करने का वादा चुनाव में किया था, उस पर अमल नहीं हुआ। दो करोड़ नौकरियों का वादा किया और काम प्राइवेट कंपनियों को दिया जा रहा है, देश प्राइवेट सेक्टर की मंडी बनता जा रहा है।

न्यूनतम समर्थन मूल्य नहीं, लागत का लाभकारी मूल्य मिले : अतुल अंजान

भारतीय किसान सभा के नेता अतुल अंजान ने कहा कि दुनिया में कहीं इतने दिन आंदोलन नहीं चला, इस दौरान 700 किसानों ने कुबार्नी दी। सरकार अब फिर दांव-पेंच कर रही है, अब किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य नहीं, लागत का लाभकारी मूल्य चाहिए। उन्होंने कहा कि जनता 2022 में यूपी और 2024 में केंद्र की सरकारों में बदलाव करे, नई सरकार उनके हितों के खिलाफ काम नहीं कर सकेगी। अगला आंदोलन पूर्वांचल व वाराणसी में किया जाना चाहिए।

कैबिनेट विस्तार के बाद भी कई विधायक नाराज, सीएम गहलोत अपनाएंगे ये तरीका !

जयपुर। राजस्थान में अशोक गहलोत की सरकार में कैबिनेट फेरबदल के बाद भी कांग्रेस पार्टी में असंतोष लगातार बढ़ता जा रहा है। इसी असंतोष को कम करने के लिए गहलोत संसदीय सचिवों की नियुक्ति की जल्द ही घोषणा कर सकते हैं। रविवार को अशोक गहलोत की नई कैबिनेट में सभी लोगों को साथ में रखने की कोशिश की गई। हालांकि इसके बाद भी कई विधायकों की नाराजगी सामने आई थी। खिलाड़ी लाल बैरवा ने प्रदेश कांग्रेस प्रभारी अजय माकन से मुलाकात की तो विधायक दयाराम ने गहलोत को खत लिख डाला। दयाराम ने तंज कसते हुए पूछा कि ऐसी कौन सी योग्यताएं हैं जो उन्हें मंत्री बनाएंगी ताकि वे भविष्य में मंत्री बन सकें। सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री अशोक गहलोत मंत्री पद नहीं पाने वाले कांग्रेस विधायकों के बीच असंतोष को दूर करने के लिए संसदीय सचिवों की नियुक्ति की घोषणा कर सकते हैं। इससे पहले बीते रोज अशोक गहलोत ने कुछ संतुष्ट विधायकों को शांत करने के लिए अपना सलाहकार नियुक्त किया। बाबूलाल नागर, डॉ. जितेंद्र सिंह, रामकेश मीणा, संयम लोढ़ा, दानिश अबरार और राजकुमार शर्मा को गहलोत का सलाहकार नियुक्त किया गया है। गहलोत सरकार के कैबिनेट फेरबदल पर कांग्रेस विधायक साफिया जुबैर खान ने असंतोष जताया है। रविवार को अलवर के रामगढ़ से कांग्रेस विधायक साफिया जुबैर खान ने पार्टी पर महिलाओं और अल्पसंख्यकों को पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं देने का आरोप लगाया। उन्होंने कांग्रेस पर डबल स्पीच का आरोप लगाते हुए कैबिनेट फेरबदल पर अपना असंतोष व्यक्त किया। साफिया ने इंडिया टुडे को बताया, ₹कांग्रेस की दोहरी बात बेनकाब हो गई है। प्रियंका गांधी यूपी में 40% महिलाओं के प्रतिनिधित्व की बात करती हैं, लेकिन राजस्थान में केवल 10% महिलाएं ही कैबिनेट में होंगी।₹ साफिया ने कहा, ₹कैबिनेट से कई सक्षम लोग छूट गए हैं।

पीएम मोदी ने कृषि कानून वापसी पर जो कहा, वह आहत कर गया : उमा भारती ने ट्वीट कर कही यह बात

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा तीन कृषि कानूनों के वापस लिए जाने पर उमा भारती ने हैरानी जताई है। उमा भारती ने आज ट्वीट किया कि जब पीएम ने कृषि कानूनों की वापसी की घोषणा की तो मैं अवाक रह गई। वैसे तो पीएम की घोषणा के बाद तमाम भाजपा नेताओं की टिप्पणियां आई हैं। लेकिन यह पहली बार है जब किसी भाजपा नेता ने सोशल मीडिया पर इस फैसले पर इस तरह से टिप्पणी की है। उमा भारती ने ट्विटर पर दो थ्रेड पोस्ट की हैं। उन्होंने लिखा है कि मैं पिछले 4 दिनों से वाराणसी में गंगा किनारे हूं। 19 नवम्बर 2021 को हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब तीनों कृषि कानूनों की वापसी की घोषणा की तो मैं अवाक रह गई। इसलिए 3 दिन बाद प्रतिक्रिया दे रही हूं। उमा भारती ने आगे लिखा कि प्रधानमंत्री ने कानूनों की वापसी करते समय जो कहा वह मेरे जैसे लोगों को बहुत व्यथित कर गया ।

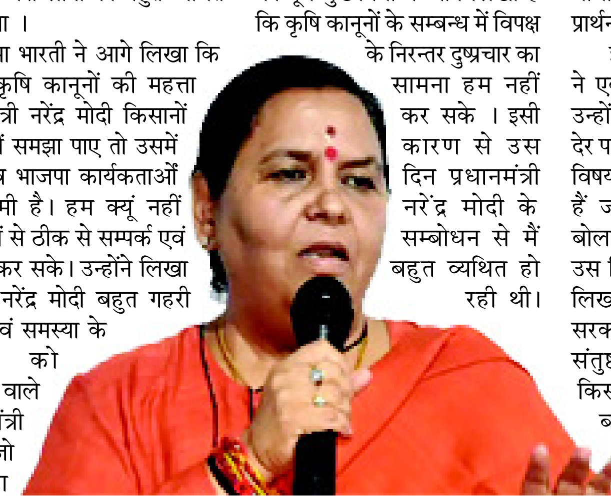

उमा भारती ने आगे लिखा कि अगर कृषि कानूनों की महत्ता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसानों को नहीं समझा पाए तो उसमें हम सब भाजपा कार्यकताओं की कमी है। हम क्यूं नहीं किसानों से ठीक से सम्पर्क एवं संवाद कर सके। उन्होंने लिखा है कि नरेंद्र मोदी बहुत गहरी सोच एवं समस्या के जड़ को समझने वाले प्रधानमंत्री हैं । जो समस्या की जड़ समझता है वह समाधान भी पूर्णता से करता है। भारत की जनता और पीएम मोदी का आपस का समन्वय, विश्व के राजनीतिक, लोकतांत्रिक इतिहास में अभूतपूर्व है। मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने आगे लिखा है कि कृषि कानूनों के सम्बन्ध में विपक्ष के निरन्तर दुष्प्रचार का सामना हम नहीं कर सके । इसी कारण से उस दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सम्बोधन से मैं बहुत व्यथित हो रही थी। उन्होंने लिखा कि मेरे नेता नरेंद्र मोदी ने तो कानूनों को वापस लेते हुए भी अपनी महानता स्थापित की। हमारे देश का ऐसा अनोखा नेता युग युग जीये , सफल रहे यही मैं बाबा विश्वनाथ एवं मांग गंगा से प्रार्थना करती हूं।

इसके कुछ देर बाद उमा भारती ने एक और थ्रेड ट्वीट किया है। उन्होंने लिखा कि मैंने अभी कुछ देर पहले कुछ ट्वीट्स किए हैं। उसी विषय से सम्बन्धित कुछ और बातें हैं जो मैं एक अंतराल के बाद बोलना चाहती थी, इसलिए अब उस विषय पर बोल रही हूं। उमा ने लिखा कि आज तक किसी भी सरकारी प्रयास से भारत के किसान संतुष्ट नहीं हुए । मैं स्वयं एक किसान परिवार से हूं। मेरे दो सगे बड़े भाई आज भी खेती पर आश्रित हैं। मेरा उनसे निरंतर संवाद होता है। मेरी जन्मभूमि के गांव से मेरा जीवंत सम्पर्क है। मैंने देखा है की गेहूं और धान की बालियां, सोयाबीन की पत्तियां, चने के पेड़ तथा रसीले गन्ने कितने भी हरे-भरे रहें और लहरायें, मेरे भाई की चिंता कम नहीं होती । उमा ने आगे ट्वीट किया है कि मेरे बड़े भाई श्री अमृतसिंह लोधी मुझसे हमेशा कहते हैं कि खेत एक अचल सम्पत्ति एवं खेती एक अखण्ड समृद्धि की धारा हैं किन्तु किसान कभी रईस नहीं हो पाता है। मेरे भाई अमृतसिंह लोधी की जिंदगी को मैं अपने जन्म से देख रही हूं। उमा आगे लिखती हैं कि मुझे जो समझ में आया वह यह है। खाद , बीज और बिजली समय पर मिले तथा अनाज को अपनी मर्जी के मुताबिक बेचने का अधिकार यह खुशहाली का सूत्र हो सकता है। खेती किसान की, तालाब मछुआरों के, मंदिर पुजारी का , जंगल आदिवासियों के और दुनिया भगवान की। बस बीच में और कोई ना आवे तो सबकुछ ठीक रहेगा इन्हीं बातों को कभी विस्तार से और कहूंगी।

त्रिपुरा हिंसा पर ळटउ सांसदों से मिले अमित शाह, बिप्लब देव से मांगी रिपोर्ट

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसदों के एक प्रतिनिधिमंडल ने राज्य में निकाय चुनावों से पहले त्रिपुरा इकाई के कार्यकताओं पर कथित पुलिस बर्बरता और हमलों के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराने के लिए सोमवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। शाह ने त्रिपुरा के मुख्यमंत्री बिप्लब देव से राजनीतिक हिंसा की घटनाओं की जानकारी मांगी है। इस दौरान तृणमूल सांसदों ने यानी घोष की गिरफ्तारी के खिलाफ भी एक ज्ञापन भी सौंपा। तृणमूल सांसदों ने रविवार को कहा कि वे पूर्वोत्तर राज्य में चुनाव प्रचार के दौरान भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं द्वारा कथित रूप से बाधित किए जाने का विरोध करेंगे। राज्य में निकाय चुनाव से पहले पिछले एक महीने में दोनों गुटों के कार्यकताओं के बीच कई झड़पें हुई हैं। आपको बता दें कि आज तृणमूल कांग्रेस सांसदों के एक प्रतिनिधिमंडल ने त्रिपुरा में राजनीतिक हिंसा की घटनाओं और तृणमूल की युवा नेता सयानी घोष पर पुलिस की कथित बर्बरता और गिरफ्तारी के विरोधस्वरूप दिल्ली में गृह मंत्रालय के बाहर धरना दिया। तृणमूल सांसदों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ नारेबाजी की और शाह से मिलने का समय मांगा। तृणमूल के नेता सौगत रॉय ने यूनीवार्ता से कहा, हम चाहते हैं कि गृह मंत्री हमारी बात सुनें। त्रिपुरा में हो रही हिंसा के लिए शाह और ढट मोदी दोनों को जवाब देना चाहिए। रॉय ने त्रिपुरा में तृणमूल की युवा नेता सुश्री घोष की गिरफ्तारी की निंदा करते हुए आरोप लगाया, भारतीय जनता पार्टी शासित त्रिपुरा में अव्यवस्था और अराजकता की स्थिति है।

गोवा में ममता बनर्जी को धोखा दे रहे हैं प्रशांत किशोर... कांग्रेस का बड़ा हमला

पणजी। गोवा में अगले साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अपनी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (ळटउ) के विस्तार में जुटी है। यही वजह है कि कांग्रेस ने टीएमसी और प्रशांत किशोर की आईपीएसी को निशाने पर लिया है। कांग्रेस की गोवा इकाई ने इस तटीय राज्य में भाजपा पर ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की चुप्पी पर सोमवार को सवाल उठाया और आरोप लगाया कि टीएमसी का एजेंडा राज्य में सत्तारूढ़ दल की मदद करना हो सकता है। गोवा में विधानसभा चुनाव अगले साल फरवरी में होने की संभावना है और इस चुनाव में तृणमूल कांग्रेस के साथ ही आम आदमी पार्टी (आप) भी चुनाव लड़ने की योजना बना रही है।

त्रिपुराः टीएमसी नेता सायोनी घोष को मिली जमानत, बिप्लब देव की रैली में लगाई थी खेला होबे का नारा

अगरतला। त्रिपुरा की एक स्थानीय अदालत ने सोमवार को तृणमूल कांग्रेस की युवा शाखा की नेता और अभिनेत्री सायोनी घोष को जमानत दे दी। उन्हें एक दिन पहले मुख्यमंत्री बिप्लब देब की जनसभा को कथित रूप से ₹परेशान₹ करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। त्रिपुरा में पुलिस ने घोष पर कथित तौर पर लोगों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने, हत्या के प्रयास, आपराधिक धमकी और आपराधिक साजिश रचने के अलावा शनिवार को बिप्लब देब के नेतृत्व में एक निकाय चुनाव रैली को बाधित करने के आरोप भी लगाए हैं।

पुलिस का हवाला देते हुए कई रिपोर्टों के अनुसार, घोष ने मुख्यमंत्री द्वारा संबोधित एक बैठक में तृणमूल कांग्रेस के खेला होबे के नारे लगाए। इसके तुरंत बाद, भारतीय जनता पार्टी ने पूर्वी अगरतला महिला पुलिस स्टेशन में उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई। हालांकि, तृणमूल कांग्रेस के महासचिव कुणाल घोष ने दावा किया कि बिप्लब देब की रैली में शामिल होने वाले किसी व्यक्ति ने सायोनी घोष को एक वाहन में देखा और ₹दीदी, खेला होबे₹ ??के साथ उनका अभिवादन किया। युवा नेता ने ₹हां, खेला होबे₹ ??के साथ जवाब दिया। घोष की गिरफ्तारी तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के अगरतला में निर्धारित रोड शो से एक दिन पहले हुई है।

तृणमूल कांग्रेस की राज्यसभा सांसद सुष्मिता देव ने दावा किया कि कथित हत्या के प्रयास मामले में घोष की गिरफ्तारी के पीछे का मकसद अभिषेक बनर्जी की रैली को बाधित करना था। त्रिपुरा में 25 नवंबर को होने वाले निकाय चुनावों से पहले राजनीतिक जंग का मैदान गर्म हो रहा है। पूर्व केंद्रीय मंत्री और बाबुल सुप्रियो, जिन्होंने हाल ही में भाजपा से तृणमूल कांग्रेस में प्रवेश किया है, ने शनिवार को दावा किया कि चुनावी तैयारियों का आकलन करते समय भाजपा कार्यकताओं द्वारा उन्हें परेशान किया गया था। इससे पहले तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी त्रिपुरा में अपनी पार्टी के कार्यकताओं के साथ खड़ी रहीं और कहा कि वह इस सप्ताह के अंत में नई दिल्ली में उनके साथ प्रस्तावित बैठक के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ हिंसा के मुद्दे पर चर्चा करेंगी।बनर्जी ने त्रिपुरा के अपने समकक्ष बिप्लब देब की आलोचना की और उन पर राज्य में ₹अराजकता का माहौल बनाने का आरोप लगाया।

ससुराल जा रहे युवक की साथी समेत सड़क हादसे में मौत

दो युवकों की मौत के बाद ट्रैक्टर चालक की गिरफ्तारी को लेकर ग्रामीणों ने पूरामुफ्ती थाना का किया घेराव

टैक्टर चालक की गिरफ्तारी को लेकर ग्रामीणों का प्रदर्शन

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। पूरामुफ्ती थाना क्षेत्र के टिकरी गांव के समीप साथी के साथ बाइक से ससुराल जा रहे युवक सड़क हादसे के शिकार हो गए हैं हादसे में दोनो युवकों की मौत हो गई है सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतकों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है हादसे के बाद ग्रामीणों ने ट्रैक्टर चालक की गिरफ्तारी को लेकर थाने का घेराव कर दिया है। जानकारी के मुताबिक कोखराज थाना क्षेत्र के बदलेपुर गांव निवासी महेंद्र कुमार उम्र लगभग 32 वर्ष पुत्र रामशुमेर अपने मित्र कुलदीप उम्र लगभग 30 वर्ष पुत्र मुन्नीलाल को साथ लेकर बाइक से टिकरी गांव ससुराल जा रहा था, लेकिन टिकरी गांव के नजदीक पहुंचते ही तेज रफ्तार से आ रहा ट्रैक्टर उनके लिए काल बन गया और जोरदार टक्कर मारकर बाइक सवार दोनों युवकों को रौंद दिया आस पास मौजूद लोग जब तक कुछ समझ पाते ट्रैक्टर चालक घटनास्थल पर ट्रैक्टर छोड़कर फरार हो गया। मौके पर पहुंची पूरामुफ्ती पुलिस ने ट्रैक्टर और लाश को अपने कब्जे में ले लिया। सैकड़ों की तादात में ग्रामीणों ने पूरामुफ्ती थाना पहुंचकर ट्रैक्टर चालक की गिरफ्तारी को लेकर पूरामुफ्ती थाना का घेराव किया। थाना प्रभारी ने गिरफ्तारी का आश्वासन देकर ग्रामीणों को शांत कराया घटनास्थल पर ग्रामीणों परिजनों की भीड़ लग गई मौके में कोहराम मचा हुआ है काफी देर बाद पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया है हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक मौके से फरार है जिसकी तलाश पुलिस कर रही है।

खबर संक्षेप

कार डिवाइडर से टकराई, अधेड़ की हुई मौत

नैनी। औद्योगिक क्षेत्र के डेज मेडिकल तिराहे के समीप बीती देर रात एक कार अनियंत्रित होकर सड़क के बीच में बने डिवाइडर से जा टकराई। जिससे कार चला रहे अधेड़ की मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाउस भेज दिए।

जानकारी के मुताबिक मुंगारी गांव के रहने वाले उदय प्रताप (57) पुत्र सूर्य बली सिंह बीती देर रात शादी समारोह से वापस अपने घर की ओर कार द्वारा लौट रहे थे। जैसे ही औद्योगिक क्षेत्र के डेज मेडिकल तिराहे के समीप पहुंचे, अचानक कार अनियंत्रित हो गई। इससे पहले वह कुछ कर पाते तब तक सड़क के बीच में बने डिवाइडर से जोरदार टकरा गई। आनन-फानन में आसपास के लोगों ने उन्हें कार से गंभीर हालत में बाहर निकाला और इलाज के लिए बाई की बाग स्थित एक प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान उदय प्रताप सिंह की मौत हो गई। जिससे परिजनों में कोहराम मचा रहा।

तेज रफ्तार कार की जोरदार टक्कर

तेज रफ्तार कार ने मारी जोरदार टक्कर तीन गंभीर रूप से घायल

हंडिया। वाराणसी से प्रयागराज की ओर जा रही तेज रफ्तार कार ने हंडिया थाना क्षेत्र के भेस्की पेट्रोल पंप के पास अनियंत्रित होकर एक पेड़ में जोरदार टक्कर मार दी। वही टक्कर इतनी तेज थी कि अंदर सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। वाराणसी की तरफ से आ रहे तेज रफ्तार कार जैसे ही हंडिया थाना क्षेत्र के भेस्की पेट्रोल पंप के पास पहुंचा ही था कि अचानक कार अनियंत्रित हो गई।कार तेज रफ्तार होने के कारण हाईवे के किनारे एक पेड़ में जोरदार टक्कर मार दी। वही टक्कर में कार के अंदर सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। तेज आवाज सुन स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। घायलों के परिजन को पुलिस ने सूचना दी। वही कार पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त हो गई।

कंटेनर की टक्कर से तीन की मौके पर ही मौत

सहसों। थाना सराय इनायत के पुलिस चौकी सहसों क्षेत्र के जगबन्धनपुर गांव के सामने हरिया कोखराज नेशनल हाईवे पर कंटेनर गाड़ी की टक्कर से तीन लोगों की मौत हो गई। घटना से घर के परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची सहसों पुलिस एंबुलेंस में लादकर सभी को एसआरएन अस्पताल भेज दिया। सोरांव थाना क्षेत्र के वजीराबाद गांव निवासी हरिश्चंद्र (49) पुत्र हीरालाल की पत्नी कुसुम देवी (45) के साथ बुआ की शादी थरवई थाना क्षेत्र के कादीपुर गांव में हुआ है। हरिश्चंद्र अपनी पत्नी कुसुम देवी (45) वर्ष के साथ बुआ के यहां आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आया था। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद सोमवार को दोपहर में वह अपनी पत्नी कुसुम देवी और सास मोना देवी (62) पत्नी मुकुंद लाल के साथ अपनी ससुराल सरायइनायत थाना क्षेत्र के बगई कला गांव जा रहा था। थाना क्षेत्र के जगबंधनपुर गांव के सामने हंडिया कोखराज नेशनल हाईवे पर कंटेनर गाड़ी ने टक्कर मार दिया। जिसमें पत्नी कुसुम देवी व सास मोना देवी की मौके पर ही मौत हो गई। हरिश्चंद्र की हालत गंभीर थी। जिसकी मौत एसआरएन अस्पताल पहुंचते ही हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही सहसों पुलिस चौकी इंचार्ज दयाराम पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। सभी घायल लोगों को एंबुलेंस से एसआरएरन अस्पताल भेज दिया। जानकारी मिलने पर परिजन रोते बिलखते एसआरएन अस्पताल में पहुंच गए। एक साथ तीन मौत होने से घर में कोहराम मचा हुआ है। कंटेनर चालक गाड़ी छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने गाड़ी को अपने कब्जे में ले लिया है।

शिक्षक संघ नें पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह का मनाया जन्म दिन

पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह का जन्म दिन मनाते शिक्षक संघ

अखंड भारत संदेस

करछना। समाजवादी पार्टी जनपद प्रयागराज की ओर से सपा संरक्षक व पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के साथ कंधा से कंधा मिलाकर चलने वाले समाजवादी पार्टी के पुरोधाओं को जिला अध्यक्ष योगेश चंद यादव ने उनके जन्मदिन पर संघर्षों के साथी रहे समाजवादियों को अंगवस्त्रमृ व पार्टी की ओर से स्मृति चिन्ह प्रदान कर उन्हें माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया।समाजवादियों से खचा खच भरे पार्टी कार्यालय के सभागार में एक -एक कर सम्मानित किया जनपद प्रयागराज के उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ वित्तविहीन गुट के जिलाध्यक्ष ननकेश बाबू को उनके द्वारा समाजवाद के प्रति निष्ठा व सत्याग्रह में जेल सहित अनेक आंदोलनों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने तथा उनके द्वारा एक दल के प्रति अटूट विश्वास एवं लगन से प्रेरित होकर उक्त सम्मान प्रदान किया गया।करछना विधानसभा क्षेत्र के रामपुर सेमरहा क्षेत्र पंचायत करछना के उप प्रमुख रहे वरिष्ठ पत्रकार ननकेश बाबू को पार्टी द्वारा सम्मानित किए जाने पर खुशी की लहर छा गई। माध्यमिक शिक्षक संघ के जिला मीडिया प्रभारी जेपी यादव ने पार्टी के संरक्षक व पूर्व मुख्यमंत्री के ८२वे जन्मदिन पर संघ की ओर से उन्हें स्वस्थ एवं दीघार्यु होने की कामना की गयी है।संघ की जिला इकाई की बैठक एच०डी० भगत इंटर कॉलेज रामपुर में संपन्न हुई। जिसमें संघ के पदाधिकारियों ने सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव के जन्मदिन पर फल एवं मिष्ठान वितरण कर दीघार्यु की कामना की गई।बैठक में अभय राज सिंह यादव फूलचंद कनौजिया,सीता शरण सिंह ,बुधराम यादव ,अमर बहादुर यादव गोविंद प्रसाद मूर्तियां मान सिंह पटेल, बालेन्दु गौतम, कमल चंद यादव, कमला शंकर यादव, मदन मुरारी, प्रेमचंद यादव, सीबी यादव आदि लोग उपस्थित रहे।

विकास पुरुष के रूप में याद किए जाते है नेता जी : सोमदत्त सिंह

कोरांव। समाजवादी पार्टी के संरक्षक और देश के पूर्व रक्षामंत्री मुलायम सिंह यादव का 83वा जन्मदिन नगर पंचायत कोरांव में चौराहे पर मेहताब खान नगर अध्यक्ष समाजवादी पार्टी कोरांव के नेतृत्व में सैकड़ों सपा कार्यकताओं ने केक काटकर मनाया इस दौरान कार्यकताओं ने ढोल ताशे के साथ जमकर नारेबाजी भी किया।कार्यक्रम का आयोजन सुमन कोल जिला पंचायत सदस्य ने किया। इस मौके उपस्थित पर सोमदत्त सिंह पटेल जिला पंचायत सदस्य एवम विधानसभा प्रभारी समाजवादी पार्टी कोरांव ने कहा की मुलायम सिंह यादव को देश की जनता जननायक और विकास पुरुष के रूप में याद करती है और उन्होंने अपने कार्यकाल में ऐसे कार्य किए है की देश की जनता उन्हें आजीवन याद करेंगी सपा नेता ने नेता जी के जीवन संघर्ष पर प्रकाश डालते हुए कहा की एक समय था जब देश का जवान सरहद पर शहीद होता था तो उस वक्त जवान के घर उसका पार्थिव शरीर नही आता था किंतु जब देश के रक्षा मंत्री के रूप में नेता जी पदभार ग्रहण किया तब उन्होंने एक ऐसा नियम बनाया की शहीद जवान का शव उसके घर पर भेजना अनिवार्य किया और साथ ही साथ शहीद के सम्मान हेतु एक प्रोटोकाल भी बनाया। इस मौके पर मुख्य रूप से ओम प्रकाश कुशवाहा विधानसभा अध्यक्ष दिनेश पटेल ब्लाक अध्यक्ष राजेश पांडे जिला सचिव राधेश्याम यादव लल्लन सिंह पटेल पवन सिंघाल महासचिव नौशाद अंसारी दीपांशु कोल ओम सहाय रामदेव निडर लाल जी पाल निराला शहादत अली हरि प्रसाद पाल अनिता शुक्ला प्रशांत पटेल अंजली देवी कमला गौतम आदि लोग उपस्थित रहे।

ओम सहाय के नेतृत्व में मनाया गया मुलायम सिंह का 83 वा जन्मदिन

कोरांव। आज समाजवादी पार्टी विधानसभा कोरांव में समाजवादी पार्टी के संरक्षक पूर्व रक्षा मंत्री पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव का जन्मदिन पार्टी कार्यालय कोरांव में धूमधाम से मनाया गया। जिसमें 20 पाउंड का केक काटकर और 1 कुन्तल लड्डू व माननीय मुलायम सिंह यादव की दीर्घ आयु के लिए हवन करके बनाया गया। सभी समाजवादी के कार्यकर्ता व नेताओं ने पूरे बाजार कोरांव में ढोल तासे के साथ लड्डू बाट कर मुलायम सिंह यादव की दीर्घ आयु की कामना की। शहादत अली प्रदेश सचिव समाजवादी पार्टी लोहिया वाहिनी ने कहाँ की समाजवादी पार्टी गरीब मजदूर दलित अल्पसंख्यको के हित की लड़ाई हमेशा लड़ती आयी है। माननीय मुलायम सिंह यादव की तरह जब तक हर गरीब दलित अल्पसंख्यक का जन्मदिन नही मनाया जाएगा तब तक समाजवाद की परिकल्पना अधूरी है। समाजवादी पार्टी के जिलासचिव व विधानसभा प्रभारी सोमदत्त सिंह पटेल ने कहा कि 1992 से पहले जब हमारे देश के जवान शहीद हो जाते थे तब उनका सिर्फ कपड़े व जूते ही शहीद के घर आते थे लेकिन जब मुलायम सिंह यादव रक्षामंत्री बने तो उन्होंने सबसे पहले शहीदों के शव को ससम्मान घर पर भेजने की योजना लागू की और उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी ही किसानों और दलितों की सच्ची हितैसी है। वहाँ पर मुख्य रूप से संभावित प्रत्याशी रामदेव निडर,दीपांशु कोल, लाल जी पाल धनगर, सुमन कोल व समाजवादी पार्टी के विधानसभा अध्यक्ष ओम प्रकाश कुशवाहा पवन सिंघाल दिनेश पटेल मेहताब खान नौशाद अंसारी प्रशांत सिंह ललन पटेल अवध नारायण पटेल सफात अली यादवेंद्र यादव महिला नेता अनिता शुक्ला कमला देवी अंजली कोल व समाजवादी संघटन व समाजवादी विचारधारा के तमाम लोग उपस्थित रहे और समाजवादी पार्टी के संरक्षक नेता जी को जन्मदिन की बधाई दी।

न्यूज झरोखा

दीन दुखियों की सेवा करना सबसे बड़ा धर्म : रामचंद्र पांडेय

जंघई। जलालपुर जंघई निवासी वरिष्ठ समाजसेवी उद्योगपति रामचंद्र पांडेय ने अपने 75 वें जन्मदिन पर जरुरतमंदों के मध्य 201 कंबल वितरण करके अपना जन्मदिन मनाया। इस अवसर पर रामचंद्र पांडेय ने कहा कि मानवता उस भाव का नाम है जब कोई व्यक्ति दूसरे को दर्द में देखकर दुखी हो जाता है और दूसरों को सुखी देखकर खुश हो जाता है। मानवता ही एक ऐसा भाव है जिसके कारण मनुष्य दूसरे के हित में कार्य करता है। इस अवसर पर इंजीनियर घनश्याम पांडेय, शारदा प्रसाद त्रिपाठी शास्त्री, रमेशचंद्र पांडेय भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश सचिव, मुन्ना सिंह, सतीश चंद्र त्रिपाठी, अभयराज मिश्रा, प्रधान जलालपुर रमेशचंद्र पांडेय, विजय शंकर पांडेय, सुभाष चंद्र यादव, छोटे लाल यादव, इंदिल पांडेय, विजयशंकर तिवारी, त्रिभुवननाथ पांडेय, सूर्यमणि पांडेय, लालमणि पांडेय, प्रेमचन्द्रपाण्डेय, सचिन तिवारी, रामसजीवन पांडेय, विनय पांडेय, मोनू पांडेय, मंगला हरिजन, गुड्डू हरिजन डाक्टर, बीडीसी राजा सरोज सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

मुलायम सिंह के जन्मदिन पर केक काटकर कार्यालय का किया उद्घाटन

सिरसा। मेजा विधानसभा नगरपंचायत सिरसा दशमी बाग में सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव के जन्मदिन पर समाजवादी पार्टी कार्यालय का किया गया उद्घाटन किया गया। इस मौके पर सपाइयों ने केक काटकर उनकी दीघार्यु की कामना की साथ ही आदमी विधानसभा चुनाव में सपा का विजय पताका फहराने का संकल्प लिया। इसके बाद एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी के दौरान चेरमैन नगरपंचायत सिरसा श्याम कृष्ण सिंह (पप्पू यादव) ने कहा कि धरतीपुत्र कहे जाने वाले मुलायम सिंह यादव को ही सिर्फ लोग नेता जी के नाम से जानते हैं। इसके अलावा कोई भी ऐसा जनप्रतिनिधि नहीं है। लल्लन सिंह जिला सचिव ने कहा कि रक्षा मंत्री के पद पर आसीन रहते हुए उन्होंने कई अच्छे काम किये जिससे देश की सीमा पर तैनात जवान को खुसी मिली। पूर्व विधायक राम सेवक सिंह पटेल ने कहा कि मुलायम सिंह यादव सबसे वरिष्ठ और अनुभवी नेताओ में से एक है जो कृषि और ग्रामीण विकास पर जोर देते हैं। सपा संस्थापक के जन्मदिन पर लोकगीत और बिरहा का आयोजन किया गया। कलाकार भगवान दास यादव ने सोहर गीत और जन्मदिन गीत गाकर लोगो मे शमा बाध दिया। गोष्ठी में कहा गया की सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव की मेहनत और लगन से समाजवादी पार्टी इस मुकाम तक पहुंची है। उन्होंने अपनी विरासत पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश सिंह यादव को सौपी है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से अभिषेक सिंह अंशु राष्ट्रीय सचिव लोहिया वाहनी,सभासद मनीष मिश्रा मोनु युवजन अध्यक्ष,, भीम शंकर पांडेय,पांचू निषाद, अनिल कुमार यादव, शिव कैलाश यादव, विनोद यादव, शिवम पांडेय, शिवम यादव युवा नेता, रामजी यादव, गुड्डू यादव, शिवम पांडेय, भगवान दास यादव,दिलावर सिंह, देशराज सिंह, दीपू सिंह,दिनेश पासी,वीरेंद्र यादव, जय शंकर यादव बबलू क्षेत्र पंचायत सदस्य, दीवाकर यादव विमल यादव, खन्ना जी, दिलीप विश्वकर्मा बड़े संख्या में सपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जसरा में मनाया गया जन्मदिन, काटा केक, बांटे कम्बल

जसरामें जन्मदिन के अवसर पर कम्बल वितरित करते

जसरा। जसरा बाजार में समाजवादी पार्टी के संरक्षक व प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव का 82 वां जन्म दिवस मनाया गया। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के लोग उपस्थित रहे। सोमवार को जसरा के रामलीला मैदान में मुलायम सिंह यादव के जन्म दिवस कार्यक्रम का आयोजन पूर्व सांसद राम निहोर राकेश के पुत्र विमलेश राकेश ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि देश में अघोषित इमरजेंसी जैसी स्थित है लोगों को बोलने की आजादी नहीं है। जो विरोध में बोलता है उनको फर्जी मुकदमों में फंसा दिया जाता है। उन्होंने कहा कि कहा कि कृषि कानून बनाकर किसको फायदा पहुंचाया जा रहा था तथा किसानों को धरना प्रदर्शन करने तथा मौसम की मार झेलने को विवश किया गया। विमलेश राकेश ने मांग की कि धरना प्रदर्शन के दौरान जिन किसानों की मौत हुई उनको मुआवजा दिया जाए तथा उनको शहीद का दर्जा भी दिया जाए। उन्होंने कहा कि आज लोग अपने बच्चों की शिक्षा के लिए पेट काटकर खर्च करते हैं लेकिन रोजगार के साधन कम होते जा रहे हैं जिससे बेरोजगारों की संख्या बढ़ती जा रही है । उन्होंने कहा कि रोजगार देने वाली कंपनियों को बेचा जा रहा है तथा मोदी के दो दोस्त इन कंपनियों को खरीदने के लिए बेताब दिखाई देते हैं। उन्होंने कहा कि मोदी जी कहते हैं कि पकौड़े बेचना भी एक रोजगार है। श्री राकेश ने कहा कि लोग बच्चों को पढ़ाकर लायक बनाते हैं तो पेट काटकर अपने बच्चों को क्या पकौड़े बेचने के लिए पढ़ाया जाता है। उन्होंने कहा कि महंगाई इस समय अपने चरम सीमा पर पहुंच चुकी है । लोगों के थाली से दाल गायब हो रही है । इन सब का जिम्मेदार कौन है । उन्होंने कहा कि इस समय भारत वर्ष में राहुकाल चल रहा है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित प्रमुख कौंधियारा इंद्र नाथ मिश्र ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता लल्लन सिंह परिहार ने किया तथा कार्यक्रम का संचालन रतन केसरवानी ने किया। कार्यक्रम में आयोजक विमलेश राकेश ने समाजवादी संरक्षक के जन्म दिन पर 250 गरीबों को कम्बल का वितरण किया। इस अवसर पर ब्यापार सभा के जिलाध्यक्ष सुरेंद्र केसरवानी, जिलापंचायत सदस्य बृजेश यादव,अर्जुन तिवारी,शिव नारायण मिश्र, पूर्व प्रमुख गुलाब कली, श्रीकांत यादव, रमाकांत यादव, रघु सोनकर, विपिन यादव, हरिकेश यादव, मोहम्मद अली, विजय कुशवाहा, कमलाकर सिंह, भोला यादव, मुकेश सिंहबबलू यादव सहित कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मंडलीय नेतृत्व परिवर्तन के बाद बसपा ने पकड़ी चुनावी रफ्तार

मण्डल के सभी प्रत्याशी नवम्बर तक होंगे घोषित

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। विधान सभा आम चुनाव 2022 निकट आते ही बसपा प्रमुख ने जैसे ही मण्डल प्रयागराज के संगठन ढांचे में नेतृत्व परिवर्तन किया, नेतृत्व परिवर्तन होते ही बसपा ने चुनावी रफ्तार पकड़ ली है। बसपा प्रमुख के निर्देशन व मार्गदर्शन की तर्ज पर प्रयागराज मण्डल के मुख्य सेक्टर प्रभारियों द्वारा मण्डल प्रयागराज में एक ओर जहां संगठन में सक्रिय कार्यकताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देना शुरू कर दिया है वही दूसरी ओर संगठन के पदों पर कुंडली मार कर बैठे निष्क्रिय पदाधिकारियों को चिन्हित कर उन्हें संगठन के पद से छुट्टी दी जा रही है साथ ही साथ जो संगठन विरोधी गतिविधियों में लिप्त है उन्हें बाहर का रास्ता भी दिखाया जा रहा है। विधान सभा आम चुनाव 2022 के पहले मण्डल प्रयागराज में बसपा ऑपरेशन क्लीन के तहत सेक्टर प्रभारी भोला चौधरी को संगठन विरोधी गतिविधियों में लिप्त पाए जाने के कारण श्री चौधरी को पार्टी ने न केवल बसपा के महत्वपूर्ण पद मण्डल सेक्टर प्रभारी से हटाया गया अपितु बसपा ने उन्हें बीती पांच नवम्बर को निष्कासित भी कर दिया। श्री चौधरी के निष्कासन के साथ ही साथ सेक्टर प्रभारी कृष्णा पासी, सतीश जाटव, श्याम नारायण वर्मा एवं आनन्द जैसल को संगठन के सेक्टर प्रभारी पद से छुट्टी कर दी गयी वही संगठन को चुस्तदुरुस्त बनाये रखने के उद्देश्य से पूर्व जिलाध्यक्ष हरिश्चंद्र कुरील, प्रेम नारायण सरोज, तिलक राज बौद्ध, वीरेन्द्र पासी, एड रामचन्द्र वर्मा तथा एड अनुज गौतम को मण्डल सेक्टर प्रभारी बनाया गया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार प्रयागराज मण्डल के बसपा संगठन में अभी और भी परिवर्तन किए जा सकते है। जिसके तहत कुछ पदाधिकारियों को उनके गुण दोष के आधार पर छंटनी कर के साइड लाइन में पड़े सक्रिय कार्यकताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौपी जा सकती है अथवा उनकी योग्यता व क्षमता के अनुरूप पार्टी हित मे पदोन्नति की जा सकती है। मौजूदा समय बसपा मुख्य सेक्टर प्रभारियों के सामने एक महत्वपूर्ण चुनौती है कि यथाशीघ्र प्रयागराज मण्डल के सभी विधानसभा क्षेत्रो के प्रत्याशियों को चयनित कर उनके नामो की घोषणा करना क्योंकि समय बहुत कम है, जितनी जल्दी बसपा प्रत्याशी घोषित करने में सफल होगी उतना अधिक समय घोषित प्रत्याशियों को प्रचार प्रसार का समय मिलेगा। मण्डल प्रयागराज के सभी सीटों पर बसपा कब तक प्रत्यासियों की घोषणा करेगी इस सवाल पर प्रयागराज, मिजार्पुर मण्डल बसपा के मुख्य सेक्टर प्रभारी अशोक गौतम ने बताया कि प्रयागराज मण्डल की सभी 28 विधानसभा की सीटों के लिए नवम्बर के अंतिम सप्ताह के पूर्व सभी प्रत्याशियों को चयनित कर उनकी घोषणा कर दी जाएगी। श्री गौतम ने कहा कि भाजपा की नाकामी व असफल शासन से जनता त्रस्त है। मंहगाई व भ्ष्टाचार का बोलबाला है। प्रदेश की जनता आगामी चुनाव में मतदान के जरिये वर्तमान सरकार के खिलाफ अपना जनादेश देगी उन्होंने कहा कि प्रयागराज मण्डल की सभी 28 सीटों पर बसपा अपना परचम लहरायेगी और एकबार फिर बहन मायावती के नेतृत्व में बसपा 2007 के इतिहास को दोहराते हुए प्रदेश में सर्वजन की सरकार बनाएगी।

भाजपा शिक्षक प्रकोष्ठ विधान सभा की हुई बैठक

सहसों। भाजर्पा गंगा पार शिक्षक प्रकोष्ठ की आगामी 2022 विधानसभा चुनाव के संबंध में विधानसभा फूलपुर की बैठक रविवार को सहसों स्थित छत्रपति शिवाजी डिग्री कॉलेज में जिला संयोजक रमेश कुमार द्विवेदी की अध्यक्षता में हुई। जिसमें उपस्थित मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में क्षेत्रीय विधायक प्रवीण पटेल ने प्रदेश सरकार की उपलब्धियों के बारे में बताते हुए संगठन द्वारा दिए दिशा निर्देश के बारे में जानकारी दी। विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर डॉ मनीष कुमार श्रीवास्तव प्रभारी शिक्षक प्रकोष्ठ ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में हम लोगों को तत्परता के साथ अपने अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना है। बैठक में उपस्थित शिव प्रकाश तिवारी प्रधानाचार्य, अनिरुद्ध सिंह पटेल जिला उपाध्यक्ष भाजपा गंगापार एवं पांचों मंडल के संयोजक तथा शिक्षकों ने अपने-अपने विचार रखें। बैठक का संचालन चिंतामणि तिवारी प्रभारी फूलपुर विधानसभा ने किया। उपस्थित सभी लोगों को के प्रति रमेश कुमार द्विवेदी ने आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

बेरोजगारों दलितों, पिछड़ो व अल्पसंख्यकों का हक दिलाएंगे : शिवराम पासी

अखंड भारत संदेश

मेजा रोड। निर्दलीय प्रत्याशी 259 विधानसभा मेजा शिवराम पासी निवासी केवटाही औता एक जनसंपर्क मिशन चलों गांव की तरफ सोमवार को विधानसभा मेजा के मोनाई ,औता ,तेरा,ओनौर, कांनिगड़ा ,शुकुलपुर ,सोनार का तारा ,ऊंचडीह बाजार, जेवनिया, रामनगर ,माण्डा खास,भरारी, में बैठक में संपन्न हुई। बैठक में समाजसेवी शिवराम पासी ने कहा कि हम निर्दलीय प्रत्याशी मेजा 259 विधानसभा से चुनाव लड़ेंगे और पिछड़ों दलितों अल्पसंख्यकों को हक और अधिकार दिलाएंगे। अभी तक जो भी सरकार आई उसमे गरीबों का दलितों व पिछड़ो वर्ग का अल्पसंख्यकों का शोषण हुआ है अब हम हक की लड़ाई लड़ेंगे और सभी का अधिकार दिलाएंगे। समाजसेवी शिवराम पासी ने कहा कि जो भाजपा कर रही है वह प्रदेश हित में नहीं है प्रदेश की सारी संस्थाएं प्राइवेट करने से बेरोजगारी दूर नहीं बल्कि भुखमरी के कगार पर लोग आकर खड़े हो रहे हैं। डीजल पेट्रोल के बढ़ते हुए दामों ने मध्यम वर्ग के लोगों की कमर तोड़ कर रख दिया है। हम सब को एकजुट ऐसी सरकार को 2022 में उखाड़ फेंकना होगा। समाजसेवी अमित कुमार ने कहा मेजा 259 विधानसभा से निर्दलीय प्रत्याशी शिवराम पासी को मेजा से विधायक बनाइए गरीबों दलितों पिछड़ो वर्ग को हम उनका हक दिलाएंगे ।और प्रदेश में गरीब हो या धनवान सबको शिक्षा शिक्षा एक समान की प्रणाली लागू किया जाएगा स्वास्थ्य व्यवस्था की अच्छी सुविधा की जाएगी, बिजली पानी खाद बीज की पूरा हक की लड़ाई निर्दलीय प्रत्याशी 259 मेजा विधानसभा से शिवराम पासी दिलाएंगे।

खबर संक्षेप

महीनों से निलंबित लेख पाल नहीं दे रहा चार्ज

कोरांव। तहसील कोरांव के देवघाट में एक महिला को जिंदा होते हुए मृतक दिखा कर उसकी संपत्ति दूसरे के नाम ट्रांसफर करने वाले लेखपाल को जिला प्रशासन ने निलंबित कर दिया है किंतु माह भर से वो दूसरे लेखपाल को चार्ज नहीं दे रहा। जिससे किसानों को दिक्कतें आ रही हैं। बता दें कि लेखपाल देवघाट ने मालती देवी नामक महिला की भूमि को पिछले साल अलहवा ग्राम निवासी सुखलाल पटेल के नाम दर्ज कर दिया था। जिसकी जानकारी होते ही मालती देवी पाल पत्नी सुखलाल पाल निवासी महुली हाल मुकाम देवघाट ने जिलाधिकारी प्रयागराज संजय कुमार खत्री के सामने पेश हुई और अपने को जिंदा साबित किया। जिस पर कार्यवाही की गई। उसी दिन से लेखपाल के मित्र भू माफिया आदि ने केस वापिस लेने की धमकियां दे रहे हैं। शिकायत के बावजूद पुलिस ने केस नहीं दर्ज किया। आरोप है कि लेखपाल निलंबित उसके रिश्तेदार भू माफिया और मिडियेटर मालती पाल का रिश्तेदार जान से मरवाने और उसके सहयोग करने वाले ग्राम प्रधान को भी तरह तरह कि धमकियां दे रहे हैं। जिससे ग्राम प्रधान लोग क्षुब्ध हैं और डीएम का ध्यान आकृष्ट किया है। साथ ही प्रमुख सचिव राजस्व लखनऊ से शिकायत की है।

चाचा ने भतीजे को मारी गोली एक की मौत दूसरे की हालत गंभीर

करछना थाना क्षेत्र के सेमरी गांव में बच्चों के रास्ते में बाथरूम करने को लेकर चाचा भतीजे में विवाद बढ़ने पर चलाई गोली

अखंड भारत संदेश

करछना। थाना क्षेत्र के सेमरी गांव में सोमवार सुबह बच्चों के रास्ते में बाथरूम करने को लेकर चाचा भतीजे में विवाद हो गया जिस पर तैश में आकर चाचा ने लाइसेंसी बंदूक से भतीजे दीपक शुक्ला एवं वैभल शुक्ला को गोली मार दी जिसमें दीपक शुक्ला को अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। दोनों भाई एल आई सी एजेंट का काम करते थे ।सेमरी गांव निवासी नीलकमल शुक्ला प्राइवेट सिक्योरिटी गार्ड था इस समय घर पर ही रहता है । सोमवार सुबह भतीजे दीपक शुक्ला उम्र 34 वर्ष एवं वैभव शुक्ला उम्र 27 वर्ष को अपने लाइसेंसी बंदूक से गोली मार दिया जिससे दीपक शुक्ला को हॉस्पिटल ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई वैभव शुक्ला गंभीर हालत में एसआरएम हॉस्पिटल में भर्ती किए गए हैं। दीपक शुक्ला के दो छोटे पुत्र अंश 10 वर्ष एवं प्रिंस नौ वर्ष के हैं एवं पत्नी अंजली शुक्ला हैं जिनका रो रोकर बुरा हाल है। मृतक दीपक शुक्ला के बच्चे अंश एवं प्रिंस रास्ते में बाथरूम कर रहे थे जिसे लेकर नीलकमल शुक्ला गाली गलौज करने लगे भतीजे दीपक शुक्ला एवं वैभव शुक्ला ने भी विरोध किया तो तैश में आकर नील कमल शुक्ला ने अपने घर से एक नली लाइसेंसी बंदूक लेआकर पहले छोटे भतीजे वैभव शुक्ला को गोली मारी उसे बचाने दीपक शुक्ला पहुंचे तो उसे भी सर एवं कन्धे में गोली मार दी ।करछना इस्पेक्टर टीका राम वर्मा ने आरोपी नीलकमल शुक्ला को बंदूक के साथ हिरासत में ले लिया है । हत्या करने के बाद आरोपी नीलकमल शुक्ला गांव के बाहर धान के खेत में छुप गया था जहां से ग्रामीणों ने पुलिस को बताया जहां से पुलिस ने उसे हिरासत में लिया हिरासत में लिए जाने के बाद आरोपी नीलकमल ने कहा कि बंदूक होने के बाद लोगों ने मेरी बेइज्जती कर दी थी इसलिए मैंने गोली मारी । करछना सीओ राजेश यादव ने बताया कि हत्या करने के आरोपी नीलकमल शुक्ला को हिरासत में ले लिया गया है बंदूक जप्त कर ली गई है।

मृतक के घर पर महिलाओं को समझाती पुलिस व मृतक के घर पर जुटी भीड एवं पुलिस प्रशासन

हाईकोर्ट ने अमरोहा के डीपीएम की बर्खास्तगी को किया निरस्त

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अमरोहा के जिला कार्यक्रम समन्वयक (डीपीएम) की बर्खास्तगी को निरस्त कर दिया है। इसके साथ डीपीएम को सेवा से जुड़े सभी लाभ भी दिए जाने का निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति सरल श्रीवास्तव ने याची के अधिवक्ता ओपीएस राठौर की जिरह को सुनने के बाद दिया है। डीपीएम को घूस लेने के आरोप में अमरोहा के सीएमओ के द्वारा निलंबित कर दिया गया था। इस कार्रवाई को डीपीएम ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी डीपीएम राजू यादव के अधिवक्ता का तर्क था कि उनकी नियुक्ति संविदा पर 2015 में हुई थी। तबसे वह अपने पद पर लगातार काम कर रहे हैं। सोशल मीडिया में घूस के मामले में दो वीडियो वायरल हुए थे, जांच समिति की संस्तुति पर सीएमओ अमरोहा ने बिना उनका पक्ष जाने उन्हें बर्खास्त कर दिया। वीडियो में दो पदों पर लैब तकनीशियन की भर्ती के लिए पैसे के लेनदेन की बात की गई है। याची के अधिवक्ता का कहना था कि वायरल वीडियो में बात करने वाला किसी तरह का लाभ उठाने वाला नहीं था।उसने न तो लैब तकनीशियन पद पर भर्ती होने के लिए आवेदन किया था और न ही साक्षात्कार में शामिल हुआ था। ऐसे में याची के खिलाफ कार्रवाई किया जाना गलत है।

19 जिला जज व दो अपर जिला जजों का किया स्थानांतरण नलिन इलाहाबाद के नए जिला जज बने

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रदेश के 19 जिला जज व दो अपर जिला जज स्तर के न्यायिक अधिकारियों की स्थानांतरण सूची जारी की है। यह आदेश 21 नवंबर 2021 को हाईकोर्ट के महानिबंधक ने जारी की है। इसके साथ ही पूर्व में आठ अक्तूबर 2021 को हुए न्यायिक अधिकारियों की स्थानांतरण सूची को निरस्त करने की अधिसूचना की गई हैं। जारी अधिसूचना के मुताबिक इलाहाबाद में आगरा से स्थानांतरित नलिन कुमार श्रीवास्तव नए जिला जज होंगे। इसी प्रकार कानपुर में मयंक कुमार जैन, लखनऊ में राम मनोहर नारायण मिश्रा, मेरठ में रजत सिंह जैन की नए जज के रूप में तैनाती की गई है। इलाहाबाद में एमपी/एमएलए स्पेशल कोर्ट के जज अब डॉ, दिनेश चंद्र शुक्ला होंगे।

इसी क्रम में जिला जज विकार हमद अंसारी को हमीरपुर से बलिया, शिवशंकर प्रसाद चेयरमैन लैंड एक्विजिशन गौतमबुद्धनगर को वहीं पर जिला व सत्र न्यायाधीश फरुर्खाबाद बनाया गया है। रामपाल सिंह द्वितीय को लखनऊ में कमर्शियल कोर्ट का पीठासीन अधिकारी, विवेक संगल जिला जज मथुरा को आगरा का जिला जज बनाया गया है।अनुपम गोयल पीठासीन अधिकारी मोटर एक्सीडेंट क्लेम बलरामपुर को जिला जज हमीरपुर, डॉ अजय कुमार द्वितीय को जिला जज मुरादाबाद, चवन प्रकाश डिस्ट्रिक्ट जिला जज फरुर्खाबाद को इसी पद पर मुजफ्फरनगर भेजा गया है ।रामेश्वर पीठासीन अधिकारी कमर्शियल कोर्ट लखनऊ को जिला जज मऊ, हापुड़ के जिला जज राजीव भारती को जिला जज मथुरा बनाया गया है। सुशील कुमार रस्तोगी पीठासीन अधिकारी कमर्शियल कोर्ट बरेली को जिला व सत्र न्यायाधीश शाहजहांपुर बनाया गया है । डॉक्टर दीपक स्वरूप सक्सेना पीठासीन अधिकारी लैंड एक्विजिशन बरेली को गोंडा का जिला जज बनाया गया है। अशोक कुमार यादव प्रथम पीठासीन अधिकारी कमर्शियल कोर्ट फैजाबाद को सोनभद्र का जिला जज बनाया गया है। गिरीश कुमार पीठासीन अधिकारी बस्ती को जिला जज शामली बन गया है। बृजेंद्र मणि त्रिपाठी पीठासीन अधिकारी लैंड एक्विजिशन इलाहाबाद को हापुड़ का जिला जज बनाया गया। डॉक्टर दिनेश चंद्र शुक्ला अपर जिला व सत्र न्यायाधीश इलाहाबाद को पीठासीन अधिकारी स्पेशल कोर्ट एमपी एमएलए इलाहाबाद बनाया गया है, वही इसी पद पर तैनात को अपर जिला व सत्र न्यायाधीश इलाहाबाद के पद पर बनाया गया है। हरिवंश नारायण अपाचे अपर जिला व सत्र न्यायाधीश चित्रकूट को स्थानांतरित कर इसी पद पर लखनऊ भेजा गया है।

एक्युप्रेशर विधि से हर मर्ज का उपचार है संभव : डॉ. महेंद्र सिंह

अखंड भारत संदेश

झूंसी। जल शक्ति मंत्री डॉ. महेंद्र सिंह ने कहा है कि एक्युप्रेशर विधि से हर मर्ज का उपचार संभव है। मंत्री डॉ. सिंह ने यह बातें सोमवार को झूंसी के छतनाग गांव स्थित माता खेमका प्रसाद एक्युप्रेशर संस्थान के 23 वें राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन के मौके पर कहीं। कहा कि कोई भी व्यक्ति त्याग, सेवा और समर्पण के भाव से कार्य करता है तो उसका कल्याण निश्चित है। मंत्री ने कोरोना काल में अच्छा कार्य करने वालों को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित भी किया। जल शक्ति मंत्री डॉ. महेंद्र सिंह ने माता प्रसाद खेमका की मूर्ति का भी अनावरण किया। कहा कि गंगा के दर्शन मात्र से ही मुक्ति हो जाती है। गंगा के तट पर अगर यह संस्थान स्थित न होता तो यहां पर अविरलता, स्वच्छता, निर्मलता, पारदर्शिता, समर्पण, सेवा, त्याग एवं बलिदान की भावना आ नहीं सकती थी। कहा कि एक्युप्रेशर से हर मर्ज का उपचार संभव है। उन्होंने एक्युपेशर के बारे में बताते हुए कहा कि पहले के व्यक्ति या घरों की महिलाओं को इतना कार्य करना पड़ता था कि एक्युप्रेशर की कोई जरूरत ही नहीं पड़ती थी।महापौर अभिलाषा गुप्ता नंदी ने कहा कि मुझे एक बार माइग्रेन की समस्या हुई थी जिसका इलाज हाथो के द्वारा ही किया गया। चलती फिरती दुनिया में बहुत सी ऐसी बीमारी है जिसका एक्युप्रेशर में ही उपचार संभव है। मंत्री डॉ. सिंह और महापौर ने विभिन्न पुस्तकों का भी विमोचन किया। कोरोना काल में योगदान देने वालों का भी सम्मान किया गया। इस मौके पर भाजपा गंगापार अध्यक्ष अश्वनी द्विवेदी, ब्लाक प्रमुख अरुणेंद्र यादव डब्बू आदि मौजूद रहे।

कार्यालय ग्राम पंचायत बराँव, वि.ख. करछना प्रयागराज

टेण्डर/कोटेशन

मनरेगा/चतुर्थ राज्य वित्त/14वां/15वां वित्त योजनाअन्तर्गत ग्राम पंचायत बराँव विकास खण्ड करछना में अद्योलिखित कार्यो के आगणन /प्राकलन के अनुसार यथा आवश्यक मात्रा में सामग्री कार्य स्थल पर आपूर्ति भाड़ा सहित पहुंचाकर आपूर्ति हेतु आपूर्तिकर्ता से सील बन्द लिफाफे में टेन्डर/कोटेशन अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय में दिनांक 22–11–2021 से दिनांक 27–11–2021 को अपराह्न 3 बजे तक आमंत्रित किया जाता है। उक्त तिथि के बाद प्राप्त किसी भी टेन्डर/कोटेशन पर विचार नहीं किया जायेगा आपूर्तिकर्ता अपना कोटेशन/टेन्डर उक्त तिथि तक जमा कर सकते हैं नियम व शर्ते किसी भी समय कार्यालय कार्यदिवस में देखी जा सकती है तथा टेन्डर फार्म की बिक्री उक्त अवधि में कार्यालय समय 10 से 12 बजे तक प्रत्येक कार्यदिवस पर की जायेगी। किसी एक व समस्त टेन्डर/कोटेशन को निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत बराँव में निहित होगा। टेन्डर/कोटेशन दिनांक 30–11–2021 को अपराह्न 4 बजे पूर्व निर्धारित कमेटी के समक्ष खोला जायेगा। टेन्डर/कोटेशन फार्म कार्यालय में ग्राम पंचायत विकास अधिकारी के पास दिनांक 30–11–2021 कार्यालय अवधि में समय 3.30 अपराह्न तक जमा किया जा सकता है। निम्नलिखित कार्य पर पर जिस–जिस सामग्री की आवश्यकता है उसका विवरण कार्यलय/नोटिस बोर्ड पर चस्पा है उत्त्र प्रदेश माल एवं सेवाकर अधिनियम के अन्तर्गत अनुमन्य जी.एस.टी. का भुगतान किया जायेगा। जिसके जमा करने का दायित्व आपूर्तिकर्ता का होगा साथ ही जी.एस.टी जमा चालान की आपूर्तिकर्ता द्वारा स्वप्रमाणित प्रति भुगतान के एक माह के अन्दर अपरिहार्य रूप से जमा करना होगा उसके उपरान्त ही अगला भुगतान किया जायेगा उस भुगतान पर ही उक्त नियम व शर्ते लागू रहेगी। इसके विपरीत स्थिति पाने पर भविष्य के उक्त फर्म को काली सूची में डालने हेतु यथोचित विधिक कार्यवाही कर दी जायेगी।

क्र0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में) सामग्री अंश	सामग्री अंश आपूर्ति की अवधि
1.	काली रोड से गिरिजा के खेत तक इण्टरलाकिंग कार्य	5 लाख	10 दिन
2.	रोगई के खेत से राममूरत के घर तक इण्टरलाकिंग कार्य	5 लाख	10 दिन
3.	काली रोड से भोला के खेत तक इण्टरलाकिंग कार्य	5 लाख	10 दिन
4.	राम भारत के खेत से अजीत के खेत तक इण्टरलाकिंग कार्य	5 लाख	10 दिन
5.	लल्लन के खेत से प्रेम के घर तक इण्टरलाकिंग कार्य	2.5 लाख	10 दिन

बजरंगी
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत बराँव
वि0 ख0 करछना प्रयागराज

पत्रांकः मेमो/ग्रा.पं.वि.अ./टेण्डर/कोटेशन/2020–21/ दिनांक

अमित यादव
ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत बराँव
वि0 ख0 करछना प्रयागराज

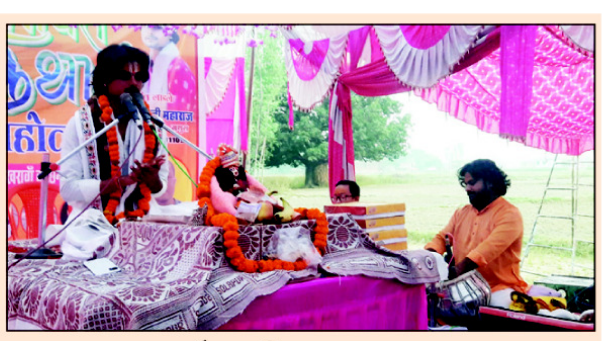

लखरावा में श्रीमद् भागवत कथा में जूटी भक्तों की भारी भीड़

करछना। तहसील क्षेत्र के गांव लखनवा में काली माता के मंदिर प्रांगण में चल रही नव दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा के तीसरे दिन बड़ी संख्या में भक्त जनों की भीड़ जुटी गांव की महिलाओं एवं पुरुषों ने भागवत कथा में बढ़–चढ़कर संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा रशावादन किया कार्यक्रम के संयोजक महेंद्र कुमार यादव अध्यक्ष रोजगार संघ विकासखंड करछना के सौजन्य से संचालित कथा में वृंदावन से पधारे हर्षवर्धन महाराज श्री आचार्य विश्वनाथ यस जी महाराज की संगीत मय कथा से भक्ति भाव वर्णन कर ज्ञान संदर्भित किया । इस अवसर पर रवि यादव आशीष पाण्डेय के सहयोग से के योगदान से श्रीमद् भागवत कथा कथा के तीसरे दिन वृंदावन से पधारे हर्षवर्धन महाराज की कथा को बड़े हर्ष उल्लास के साथ भक्त जनों के बीच कहीं, इस मौके पर आशीष पांडेय प्रधान लखरावा महेंद्र यादव अमृतलाल अशोक भारतीय, अमृत लाल, रोहिणी प्रसाद पांडेय, नंद केशव, विमित पाण्डेय, सत्य प्रकाश पान्डे, के अलावा बडी संख्या में भक्तों की भीड़ शामिल रहे।

आजाद पार्क में सेना ने लगाई प्रदर्शनी, हथियारों संग लोगों ने ली सेल्फी

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। स्वर्णिम विजय की 50 वीं वर्षगांठ के अवसर पर चंद्रशेखर आजाद पार्क (कंपनी बाग) में रविवार को सेना की ओर से प्रदर्शनी लगाई गई। इस दौरान सेना द्वारा प्रयोग किए जाने वाले हथियार एवं अन्य उपकरणों का यहां प्रदर्शन किया गया। इस दौरान आकर्षण का केंद्र कारगिल युद्ध के दौरान प्रयोग की गई बोफोर्स तोप रही।

प्रदर्शनी देखने आए शहरियों के साथ स्कूली बच्चों, एनसीसी कैडेट ने बोफोर्स के साथ जहां एक ओर अपनी सेल्फी ली तो वहीं दूसरी ओर वहां मौजूद जवानों से उसके प्रयोग और रेंज के बारे में पूछा। यहां मौजूद जवान ने बच्चों को निराश नहीं किया। यहां बताया गया कि यह 31 किलोमीटर तक की दूरी के टारगेट तक आसानी से पहुंच जाती है। सेना की प्रदर्शनी में उरी सर्जिकल स्ट्राइक के दौरान प्रयोग में लाए गए उपकरण भी दिखाए गए। इस दौरान नाइट विजन कैमरा देखने के लिए वहां खूब भीड़ रही। तमाम बच्चों ने नाइट विजन कैमरे को अपने हाथ में लेकर भी देखा। सर्विलांस राडर को लेकर भी लोगों ने जिज्ञासा रही। इसके अलावा एंटी टैंक मिसाइल, रॉकेट लांचर, मीडियम मशीन गन, ऑटोमैटिक ग्रैनेड लांचर, मोर्टार का भी लोगों ने दीदार किया। यहां गोरखा बटालियन द्वारा भी प्रदर्शन किया गया। गोरखा खुखरी नृत्य भी हुआ। इसके अलावा सेना में भर्ती की प्रक्रिया के बारे में भी जानकारी दी गई। इस मौके पर स्कूली बच्चों के लिए ड्राइंग प्रतियोगिता का भी आयोजन हुआ। इसमें तमाम स्कूली बच्चों ने शिरकत की। आजाद पार्क में सेना के बैंड का भी प्रदर्शन किया गया।

कार्यालय ग्राम पंचायत करछना, वि.ख. करछना प्रयागराज

टेण्डर/कोटेशन

मनरेगा/चतुर्थ राज्य वित्त/14वां/15वां वित्त योजनाअन्तर्गत ग्राम पंचायत करछना विकास खण्ड करछना में अद्योलिखित कार्यो के आगणन /प्राकलन के अनुसार यथा आवश्यक मात्रा में सामग्री कार्य स्थल पर आपूर्ति भाड़ा सहित पहुंचाकर आपूर्ति हेतु आपूर्तिकर्ता से सील बन्द लिफाफे में टेन्डर/कोटेशन अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय में दिनांक 22–11–2021 से दिनांक 27–11–2021 को अपराह्न 3 बजे तक आमंत्रित किया जाता है। उक्त तिथि के बाद प्राप्त किसी भी टेन्डर/कोटेशन पर विचार नहीं किया जायेगा आपूर्तिकर्ता अपना कोटेशन/टेन्डर उक्त तिथि तक जमा कर सकते हैं नियम व शर्ते किसी भी समय कार्यालय कार्यदिवस में देखी जा सकती है तथा टेन्डर फार्म की बिक्री उक्त अवधि में कार्यालय समय 10 से 12 बजे तक प्रत्येक कार्यदिवस पर की जायेगी। किसी एक व समस्त टेन्डर/कोटेशन को निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत करछना में निहित होगा। टेन्डर/कोटेशन दिनांक 05–12–2021 को अपराह्न 4 बजे पूर्व निर्धारित कमेटी के समक्ष खोला जायेगा। टेन्डर/कोटेशन फार्म कार्यालय में ग्राम पंचायत विकास अधिकारी के पास दिनांक 05–12–2021 कार्यालय अवधि में समय 3.30 अपराह्न तक जमा किया जा सकता है। निम्नलिखित कार्य पर पर जिस–जिस सामग्री की आवश्यकता है उसका विवरण कार्यलय/नोटिस बोर्ड पर चस्पा है उत्त्र प्रदेश माल एवं सेवाकर अधिनियम के अन्तर्गत अनुमन्य जी.एस.टी. का भुगतान किया जायेगा। जिसके जमा करने का दायित्व आपूर्तिकर्ता का होगा साथ ही जी.एस.टी जमा चालान की आपूर्तिकर्ता द्वारा स्वप्रमाणित प्रति भुगतान के एक माह के अन्दर अपरिहार्य रूप से जमा करना होगा उसके उपरान्त ही अगला भुगतान किया जायेगा उस भुगतान पर ही उक्त नियम व शर्ते लागू रहेगी। इसके विपरीत स्थिति पाने पर भविष्य के उक्त फर्म को काली सूची में डालने हेतु यथोचित विधिक कार्यवाही कर दी जायेगी।

क्र0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में) सामग्री अंश	सामग्री अंश आपूर्ति की अवधि
1.	पंचायत भवन मरम्मत, टाईल्स फ्लोरिंग एवं सौन्दर्यीकरण	390800	15 दिन
2.	पंचायत भवन करछना परिसर की बाउण्ड्रीवाल निर्माण कार्य	135000	15 दिन
3.	विजय प्रताप सिंह के बाउण्ड्रीवाल से हनुमान मंदिर तक पक्की नाली निर्माण व मरम्मत कार्य	107000	15 दिन
4.	लाल प्रभाकर सिंह के घर से धर्मेन्द्र प्रताप सिंह के घर तक नाली निर्माण	155100	15 दिन
5.	रंजीत हरिजन के घर से तालाब तक पक्की नाली निर्माण कार्य	5.07 लाख	15 दिन

आकृति सिंह
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत करछना
वि0 ख0 करछना प्रयागराज

पत्रांकः मेमो/ग्रा.पं.वि.अ./टेण्डर/कोटेशन/2020–21/ दिनांक

प्रीति शुक्ला
ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत करछना
वि0 ख0 करछना प्रयागराज

शुआट्स में 70वीं सीनियर जिला वॉलीबॉल चैंपियनशिप का उद्घाटन

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। तीन दिवसीय 70वीं सीनियर जिला वॉलीबॉल चैंपियनशिप (पुरुष/महिला) 2021 की शुरूआत सैम हिगिनबॉटम कृषि, प्रौद्योगिकी और विज्ञान विश्व विद्यालय शुआट्स नैनी, प्रयागराज में आयोजित हुई। मुख्य अतिथि कुलसचिव प्रोफेसर डॉ. रॉबिन एल प्रसाद ने चैंपियनशिप का उद्घाटन किया। डा. सी. जॉन वेस्ली, अध्यक्ष, एथलेटिक्स समिति, विभागाध्यक्ष डॉ. श्रीमती सुनीता बी जॉन ने मुख्य अतिथि को एक पौधा देकर सम्मानित किया। श्री प्रभात कुमार राय अध्यक्ष जिला वॉलीबॉल एसोसिएशन डीवीए ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि ने फीते काटकर खेल शुरू करने की घोषणा की। मुख्य अतिथि ने खिलाड़ियों को खेल भावना और लगन के साथ खेल खेलने के लिए प्रोत्साहित किया, उन्होंने उद्घाटन समारोह में खेल गतिविधियों में योगदान के लिए सभी को बधाई दी। मुख्य अतिथि ने विश्वविद्यालय की ओर से वॉलीबॉल खेल से जुड़े व्यक्तियों को सम्मानित किया। उन्होंने जिला वॉलीबॉल चैंपियनशिप के आयोजन के लिए शुआट्स एथलेटिक कमेटी और जिला वॉलीबॉल एसोसिएशन को धन्यवाद दिया। डीवीए व शुआट्स कोर कमेटी सदस्य के सभी अधिकारियों को बैज देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डॉ शामला मसीह, डॉ देवी सिंह, जॉर्डन एच नाथ, आरपी शुक्ला, पंकज शुक्ला, बीएच जैदी, केबीएल श्रीवास्तव, प्रमोद कुमार राय, ठाकुर प्रसाद यादव, आशीष मैसी, डॉ दीप्ति जोशी, श्री अशोक सिंह, श्री अचिंत टेरेंस, श्री राकेश साहू, मोहम्मद मजीद, श्री तनवीर अहमद, श्री नरेश कन्नोजिया, श्री बिपिन सिंह, श्री प्रवीण राय व अन्य उपस्थित थे। उद्घाटन मैच इलाहाबाद विश्व विद्यालय और देवघर अकादमी के बीच खेला गया। इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने यह मैच जीता जबकि दूसरा मैच सेंट्रल स्कूल छिवकी और लहरी क्लब बामपुर के बीच खेला गया। यह मैच लहरी क्लब ने वॉलीबॉल कोर्ट में पुरुष वर्ग में जीता। इस चैंपियनशिप में पुरुष और महिला दोनों वर्ग में 30 टीमें भाग ले रही हैं।

70 वीं सीनियर वॉलीबाल चैम्पियनशिप का फीता काटकर उद्घाटन करते मुख्य अतिथि

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा शुआट्स में सेफ डिजिटल बैंकिग पर सेमिनार आयोजित

नैनी। सैंम हिगिनबॉटम यूनिर्वर्सिटी आफ एग्रीकल्चर टेक्नालोजी एण्ड साइन्सेज शुआट्स प्रयागराज में भारतीय रिजर्व बैंक कानपुर डिवीजन द्वारा सेमिनार का आयोजन किया गया। आर बी आई और सैंम हिगिन बॉटम यूनिर्वर्सिटी आफ एग्रीकल्चर टेक्नालोजी एण्ड साइन्सेज शुआट्स के संयुक्त प्रयास से सेफ डिजिटल बैंकिंग एवं जागरूकता पर एक सेमिनार आयोजित किया गया। यह जानकारी डायरेक्ट्रेट आफ कैरियर प्लानिंग एण्ड काउन्सेलिंग के निदेशक डा. देवराज बडुगू ने दिया । डा. देवराज बडगू ने बताया कि इस प्रोग्राम में आर बी आई के रीजनल डायरेक्टर डा.श्रीमती तुली राय, आकाश सोलंकी, डी जीजीआर बीआई, अपूर्व कुमार, मैनेजर आरबीआई, हर्शुमीत सिंह, अमनदीप, मैनेजर आर बीआई आदि अधिकारियों ने बच्चो को संबोधित किया और सेफ डिजिटल बैकिग के बारे में बताया। शुआट्स से डा. आशीष नोयेल , निदेशक , एफ पीएम मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहें और बच्चो को संबोधित कर कार्यक्रम को जानने और समझने के लिये उत्साहित किया। इस कार्यक्रम में एमबीएऔर एमबीएएग्री बिजिनेस के छात्र और छात्राओं के साथ फेकैल्टी मेम्बर ने भाग लिया । प्रति कुलपति (शैक्षिक) प्रो. डा. ए.के.ए . लारेन्स तथा निदेशक कैरियर प्लानिंग एण्ड काउन्सेलिंग ने अतिथियों को धन्यवाद दिया।

पटेल समाज की भागीदारी व सम्मान भाजपा में सुरक्षितः रमाशंकर

रानीगंज विधान सभा में आयोजित सामाजिक संपर्क कार्यक्रम सम्पन्न

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। रानीगंज विधानसभा क्षेत्र के पूरे गोंसाई, रहेटुआ परशुरामपुर, रामापुर गोसेपुर व कहला, संसरियापुर, भागीपुर, जयरामपुर एवं पूरे भैया जी में सामाजिक संपर्क कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि सूबे के ऊर्जा राज्य मंत्री रमाशंकर सिंह पटेल शाामिल हुए।

उन्होंने कहा कि पटेल समाज की सही भागीदारी और सम्मान दोनों ही भाजपा में ही सुरक्षित है इसलिए समस्त पटेल समाज को राष्ट्र एवं समाज हित मे भाजपा के साथ हर कदम पर खड़ा रहना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि 2014 के पहले भारत एवं 2014 के पश्चात के भारत मे बहुत अंतर है। आज का नवीन भारत सम्पूर्ण विश्व के मार्गदर्शक की भूमिका में परिलक्षित हुआ है। रानीगंज विधायक धीरज ओझा ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय के सपने को आत्मसात करते हुए प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री की उत्कृष्ट एवं जन कल्याणकारी कार्य शैली देश एवं प्रदेश न केवल आर्थिक रूप से मजबूत हुआ है बल्कि लोगों की सामाजिक स्थिति में भी सुधार हुआ है। इस दौरान विधान सभा प्रभारी सतीश द्विवेदी, संयोजक संदीप तिवारी, प्रमुख शिवगढ़ सत्यम ओझा, पूर्व प्रमुख गौरा राकेश सरोज, मंडल अध्यक्ष बृजेश पटेल, विजय कौशल, कृपा शंकर गिरि व प्रशान्त श्रीवास्तव भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष अश्विनी शुक्ला, धर्मेंद्र पटेल, राकेश बिंद, राधेश्याम पटेल एवं पटेल समाज के लोग मौजूद रहे।

राज्य मंत्री रमाशंकर सिंह का स्वागत करते विधायक धीरज ओझा

बैंक ऑफ बड़ौदा का नेटवर्क फेल, परेशानी

पट्टी, प्रतापगढ़। सहालग में ग्राहक को कैश की जरूरत होती है लेकिन बैंक ऑफ बड़ौदा पट्टी शाखा में तीन दिन से नेटवर्क फेल होने के कारण ग्राहकों को निराश होकर लौटना पड़ रहा है इस समय शादी विवाह के समय कैश की जरूरत ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को पड़ रही है लेकिन तीन दिन से लगातार नेटवर्क फेल होने के कारण ग्राहक बैंक तो आते हैं ।

परीक्षा केन्द्रों पर 15 दिसम्बर तक निषेधाज्ञा लागू

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान द्वारा संचालित माध्यमिक तथा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की परीक्षाएं विभिन्न परीक्षा केन्द्रों पर 15 दिसम्बर 2021 तक आयोजित की जा रही है। परीक्षा में कोविड-19 के प्रोटोकॉल का अनुपालन करने के साथ ही परीक्षा के सफल एवं शान्तिपूर्ण संचालन व नकलविहीन, शांतिपूर्ण व शुचिता से सुनिश्चित कराने हेतु अपर जिला मजिस्टे्रट सुनील कुमार शुक्ल ने परीक्षा केन्द्रों पर 15 दिसम्बर तक दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा-144 के अन्तर्गत निषेधाज्ञा लागू कर दी है। उन्होने कहा कि जनपद के परीक्षा से सम्बन्धित क्षेत्र में समस्त स्टॉफ, अधिकारी, परीक्षार्थी, मजिस्ट्रेट एवं सुरक्षा बल के अतिरिक्त कोई भी व्यक्ति अथवा समूह परीक्षा केन्द्रों के 200 मीटर की परिधि में प्रवेश नही करेगा। कोई भी परीक्षार्थी बिना परीक्षा सम्पन्न हुये सक्षम अधिकारी की अनुमति के बिना परीक्षा कक्ष से बाहर नहीं जायेगा और न ही उत्तर पुस्तिका बाहर ले जायेगा। परीक्षा की समाप्ति तक किसी भी अभ्यर्थी अथवा प्रश्न पत्र को परीक्षा केन्द्र से बाहर नही जाने दिया जायेगा। कोई भी परीक्षार्थी परीक्षा स्थल की परिधि में किसी भी प्रकार के शस्त्रादि लेकर प्रवेश नही करेगा। परीक्षा केन्द्रों के आस-पास 200 मीटर की परिधि में ध्वनि विस्तारण यन्त्रों, मोबाइल फोन, ब्लूटूथ, कैलकुलेटर, पेजर, मोबाइल फोन एवं आई0टी0 गैजेट्स सहित इसी प्रकार के अन्य इलेक्ट्रानिक डिवाइस का प्रयोग पूर्णतया प्रतिबन्धित रहेगा। समस्त कक्ष निरीक्षक/स्टाफ अथवा परीक्षार्थी उक्त उपकरणों को लेकर परीक्षा केन्द्र में प्रवेश नही करेगें। परीक्षा केन्द्र के आस-पास एक किमी0 की परिधि में फोटो कापियर एवं स्कैनर का संचालन परीक्षा अवधि में पूर्णतया प्रतिबन्धित रहेगा। परीक्षा केन्द्रों पर कोविड-19 के प्रोटोकॉल का कदापि उल्लंघन नही किया जायेगा।

24 घंटे बाद पूरी तरह से बहाल हुआ ट्रेनों का संचालन

ब्लॉक न मिलने से नहीं शुरू हो सका ट्रैक फ्रैक्चर की मरम्मत का कार्य, अंतू इलाके में टूटी थी पटरी, टला था ट्रेन हादसा

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। पटरी टूटने की मरम्मत का कार्य फौरन न शुरू करके 24 घंटे बीत जाने के बाद शुरू हुआ। सोमवार को ट्रेनों का संचालन पूरी तरह से बहाल हो सका। इस बीच ट्रेनों को काशन पर लेकर गुजारा गया। जिसका असर इसके संचालन पर पड़ा। ऐसा ब्लाक न मिलने के कारण हुआ है।

बता दें कि रविवार को सुबह अंतू के निकट फ्रैक्चर हो गया था। कीमैन मोती की सूझबूझ से दिल्ली से प्रतापगढ़ आ रही पद्मावत एक्सप्रेस दुर्घटना का शिकार होने से बच गई थी। फ्रैक्चर को ठीक करने के लिये ट्रैक कर्मचारियों ने ब्लाक की डिमांड की लेकिन उन्हें नही मिला। ऐसा ट्रेनों की बंचिंग के कारण हुआ। जबकि घटना को 24 घंटे बीत गया था। ट्रेनों की गति पर अंकुश लगा था। सोमवार को पूर्वाह्न ब्लाक मिला तक जाकर टूटी पटरी को मजबूती से जोड़ने का कार्य तेजी से शुरू हुआ। इस बीच ट्रेनों को धीमी गति से चलाया गया। उधर पद्मावत को हादसे से बचाने वाले कीमैन मोती लाल को तो रेलवे की तरफ से अवार्ड मिलना चाहिए। यह मांग उठने लगी है। हालांकि अधिकारियों की तरफ से इस संबंध में पहल भी की गई है। लेकिन अभी इसको लेकर संशय बना हुआ है।

अफीम कोठी में हुआ ईवीएम का प्रशिक्षण

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2022 के परिप्रेक्ष्य में आयोजित दो दिवसीय मास्टर ट्रेनर सामान्य एवं ईवीएम का प्रशिक्षण सोमवार को अफीम कोठी प्रतापगढ़ में प्रारंभ हुआ। प्रशिक्षण कार्यशाला के उद्घाटन के अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ईशा प्रिया मौजूद रहीं। उन्होंने कहा कि सभी मास्टर ट्रेनर इस प्रशिक्षण को अच्छी तरह प्राप्त कर लें ताकि आने वाले समय में जनपद के सभी मतदान कार्मिकों को आप को प्रशिक्षित करना है। जितना अच्छा प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे उतना ही अच्छा प्रशिक्षण आप मतदान कार्मिकों को देंगे। उन्होंने मास्टर ट्रेनर्स से प्रशिक्षण संबंधित प्रश्न भी किए जिसके समुचित जवाब मास्टर ट्रेनर्स द्वारा दिए गए। इससे वह बहुत प्रसन्न हुई। इसके साथ सुनील कुमार शुक्ला अपर जिलाधिकारी प्रतापगढ़ एवं सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी प्रतापगढ़ ने प्रशिक्षण के विशेष टिप्स दिए। इस अवसर पर सुपर मास्टर ट्रेनर डॉ मोहम्मद अनीस ने सामान्य प्रशिक्षण से संबंधित महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा की जैसे पीठासीन अधिकारी एवं मतदान अधिकारी प्रथम द्वितीय एवं तृतीय अधिकारियों के कार्य को विस्तार पूर्वक बताया। प्राचार्य अफीम कोठी शिव प्रकाश ने पीपीटी के माध्यम से प्रशिक्षण के विशेष पहलुओं पर विस्तार पूर्वक चर्चा की। प्रशिक्षण में विशेष रुप से ओपी मिश्रा जिला विकास अधिकारी, सुधीर सिंह जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रतापगढ़, डॉक्टर विंध्याचल सिंह प्रधानाचार्य राजकीय बालिका इंटर कॉलेज राजा, धर्मेंद्र कुमार ओझा मास्टर ट्रेनर के सुपर मास्टर ट्रेनर अनिल कुमार सिंह एवं अशोक कुमार शुक्ला ने ईवीएम और वीवीपट का प्रदर्शन करके दिखाया और विस्तार पूर्वक उसके बारे में समझाया। इस अवसर पर बीएल सिंह प्राचार्य पॉलिटेक्निक प्रतापगढ़ एवं विकास अग्रवाल अधिशासी अभियंता नोडल प्रभारी ईवीएम, प्रशिक्षण से संबंधित सभी अधिकारी गण एवं कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

मास्टर ट्रेनर को टिप्स देतीं मुख्य विकास अधिकारी

वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। थाना रानीगंज से उ0नि0 राजेश कुमार यादव मय हमराह द्वारा देखभाल क्षेत्र/चेकिंग के दौरान मुखबिर खास की सूचना पर थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 606/21 धारा 272, 273 भादवि व 60/62 आबकारी अधिनियम से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त अनिल कुमार पाल पुत्र राम बहादुर पाल नि0 सिठोली थाना उतरांव जनपद प्रयागराज को उसके घर से गिरफ्तार किया गया तथा मौके से उक्त अभियोग से सम्बन्धित अवैध शराब की तस्करी में प्रयुक्त पिकअप नं0 यूपी 70 एफटी 3592 बरामद किया गया।

आधा दर्जन आरोपियों के खिलाफ बलवा तथा मारपीट की रिपोर्ट दर्ज

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। कोतवाली पुलिस ने आधा दर्जन आरोपियो के खिलाफ बलवा तथा मारपीट, गालीगलौज व जानलेवा धमकी का केस दर्ज किया है। कोतवाली के तिलौरी निवासी मो. हनीफ के पुत्र मो. फारूक ने दी गई तहरीर मे कहा है कि बीस नंवबर को शाम पांच बजे रंजिशन गांव के हामिद अली के पुत्र मो. अख्तर, सलमान पुत्र अख्तर, इसरार व इजहार पुत्रगण हामिद, तमसीद पुत्र मुख्तार व मो. अयूब की पत्नी जैबुन्निशा ने एकराय होकर उसे मारापीटा। आरोपियो ने पीड़ित तथा उसके परिवार के सदस्यो को लाठी डंडे से पीटकर चुटहिल कर दिया। शोर मचाने पर आरोपी गालीगलौज करते जानलेवा धमकी देते चले गये। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रविवार की सुबह आरोपी अख्तर समेत आधा दर्जन के खिलाफ बलवा तथा मारपीट व धमकी का केस दर्ज किया है।

बाइक चोरी की रिपोर्ट दर्ज

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। नगर के सरस्वती विद्या मंदिर इण्टर कालेज के समीप अज्ञात चोर पीड़ित की बाइक उडा ले गये। लालगंज कोतवाली के मादामई निवासी बृजलाल कोरी ने पुलिस को दी गई तहरीर मे कहा है कि बीती उन्नींस नवंबर को वह सरस्वती विद्या मंदिर के बगल बारात मे गया हुआ था। देर रात अज्ञात चोरो ने उसकी बाइक चोरी कर ली। तहरीर के आधार पर पुलिस ने शनिवार की रात अज्ञात के खिलाफ चोरी का केस दर्ज किया है।

राष्ट्रीय लोक अदालत के सम्बन्ध में बैंक ऋण अदायगी की बैठक सम्पन्न

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। राष्ट्रीय लोक अदालत दिनांक 11 दिसम्बर 2021 के सफल आयोजन के सम्बन्ध में जनपद न्यायालय के सभागार कक्ष में जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण संजय शंकर पाण्डेय के निर्देशन में बैंक ऋण अदायगी से सम्बन्धित बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नीरज कुमार त्रिपाठी ने निर्देशित किया कि सभी बैंकों के समुचित अधिकारियों की बैठक लीड बैंक द्वारा की जाये तथा उन्हें अधिक से अधिक मामले चिन्हित करने के लिये निर्देशित किया जाये ताकि आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत 11 दिसम्बर को बैंक से सम्बन्धित अधिक से अधिक मामलों का निस्तारण कराया जा सके। बैठक में सचिव ने बैंक प्रबन्धकों को निर्देशित किया कि बैंक ऋण अदायगी से सम्बन्धित अधिक से अधिक मामलों को राष्ट्रीय लोक अदालत में चिन्हित किया जाये तथा चिन्हित मामलों का विवरण प्रस्तुत किया जाये। बैठक में इण्डिया बैंक के अनूप तिवारी, यूनियन बैंक से प्रशान्त सिंह, बड़ौदा उ0प्र0 ग्रामीण बैंक से अभिजीत एवं बैंक ऑफ बड़ौदा से सौरभ सांगी एवं विश्वनाथ प्रसाद त्रिपाठी एडवोकेट उपस्थित रहे।

प्राइवेट आदमी बांट रहा परियावां की डाक सामग्री

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। कुंडा तहसील से जुड़ा परियावां डाकघर अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। डाक वितरण व्यवस्था अभी तक विभाग का संग्रामगढ़ का कर्मचारी देख रहा था जिसको विभाग ने परियावा से हटा दिया और उसकी जगह प्राइवेट ब्यक्ति को दे दिया, जो ग्रामीण क्षेत्र में डाक वितरण लेट लतीफ करता है। इतना ही नहीं, डाक रजिस्ट्री आने पर लोगो से पैसा भी वसूलने का ग्रामीण लोग आरोप लगा रहे है। समय से डाक वितरण न होने से लोगो को डाक सामग्री नही मिल पा रही है। विभाग के कार्यरत पोस्टमैन का कुछ अता पता नही है। यदा कदा ही दिखाई देते हैं। वह भी डाकखाने में नहीं, इष्ट मित्रो के पास अपनी उपस्थिति दशार्ते हैं। परियावां डाकघर के न खुलने से स्टेट बैंक की डाक सामग्री रजिस्ट्री करने के लिए पांच किलोमीटर दूर कालाकांकर डाकघर जाना पड़ता है। जब कि परियावां डाकघर होते हुए भी लोगों को डाकघर की योजनाओं का लाभ नही मिल पा रहा है। प्राइवेट ब्यक्ति द्वारा डाक वितरण में रजिस्टर्ड डाक 15 दिन में मिल रही है जब कि दो दिन में डाक कालाकांकर डाकघर पहुँच जाती है डाक वितरण व्यवस्था से स्थानीय लोगों में आक्रोश दिखाई दे रहा है। स्थानीय लोगों ने विभाग के उच्च अधिकारियों का ध्यान इस ओर आकृष्ट कराया है।

धूमधाम से सपाईयों ने मनाया मुलायम सिंह यादव का जन्मदिन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। समाजवादी पार्टी के संरक्षक, पूर्व रक्षामंत्री व पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव का जन्मदिन समाजवादी पार्टी कार्यालय मीराभवन पर जिला महासचिव अब्दुल कादिर जिलानी की अगुवाई व समाजवादी पार्टी के नेताओं, कार्यकर्ता की मौजूदगी में केक काटकर एक दूसरे को केक खिलाकर धूमधाम से मनाया गया।

तत्पश्चात जिला अस्पताल में मरीजों को फल वितरिण किया गय और मुलायम सिंह यादव की लम्बी उम्र की कामना की गयी। इस दौरान उनके जन्मदिन पर समाजवादी पार्टी के सभी पदाधिकारीगण, नेतागण व कार्यकत्ताओं ने 2022 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर पूर्व विधायक राम सिंह पटेल, पूर्व विधायक नागेंद्र सिंह मुन्ना यादव, पूर्व विधायक श्याद अली, शकील अहमद, पूर्व जिला पंचायत सदस्य सुषमा पाल, पूर्व प्रमुख शांति सिंह, महिमा गुप्ता, आशा सरोज, शबनम बानो, अश्वनी सोनी, इंद्रदेव तिवारी, विजय यादव, रमाशंकर यादव, गुलफाम खान, रामसुंदर शास्त्री, इरशाद सिद्दीकी, जगदीश मौर्या, इरफान खान, समीम खान, बृजेश यादव, संतोष यादव, राहुल सिंह, विनोद यादव, रमेश सरोज, प्रदीप सरोज, डा.रामबहादुर पटेल, रामबचन यादव, पूर्व मीडिया प्रभारी मनीष पाल, पारसनाथ यादव, शफात अली, मुन्ना ककरहा, संजीव पटेल, दीपक यादव सहित अन्य नेतागण उपस्थित रहे।

जिला अस्पताल में मरीजों को बांटा गया फल

जिला अस्पताल में मरीजों को फल बांटते सपा के पदाधिकारी

रजत जयंती मे जुटेंगे देश के नामचीन साहित्यकार

लालगंज, प्रतापगढ़। क्षेत्र के वर्मा नगर स्थित यमुना प्रसाद यादव उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के रजत जयंती समारोह मे देश के नामचीन साहित्यकारों का जमावड़ा होगा। कार्यक्रम के संयोजक ओजकवि लवलेश यदुवंशी ने बताया कि आगामी उन्तींस नवंबर को पूर्वान्ह ग्यारह बजे से रजत जयंती समारोह पर कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया है। इसमें जानी-मानी कवयित्री डा. अनामिका जैन अम्बर तथा मध्य प्रदेश के शशिकांत यादव एवं बिहार के हास्य कवि शम्भू शिखर समेत कई नामचीन साहित्यकार जुटेंगे। कार्यक्रम को लेकर रविवार को विद्यालय परिसर मे हुई बैठक मे तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। बैठक की अध्यक्षता यमुना प्रसाद यादव व संचालन प्रधानाचार्य पारसनाथ वर्मा ने किया।

मांगों को लेकर क्रमिक अनशन पर रहे कर्मचारी

मांगें पूरी न होने पर भूख हड़ताल की चेतावनी

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। अपनी मांगों को लेकर राज्य विद्युत परिषद प्राविधिक कर्मचारी संघ प्रतापगढ़ इकाई द्वारा जिला मुख्यालय पर तकनीकी कर्मचारियों ने 48 घंटे का क्रमिक अनशन सोमवार से शुरू कर दिया। इस दौरान मांगें पूरी न होने पर जेल भरो आंदोलन की चेतावनी भी दी गई। संघ के संरक्षक अनिल सिंह ने कहा कि संघ द्वारा जारी क्रमिक अनशन प्रदेशव्यापी है। उन्होंने कहा कि मांगों को लेकर प्रदेश भर के 20 हजार टेक्नीशियन कर्मी आर-पार की लड़ाई के लिये लामबंद हो गये हैं। उन्होंने कहा कि ऊर्जा प्रबंधन द्वारा मांगों के सापेक्ष परिणामी आदेश न जारी किये जाने पर 29 नवम्बर से शक्ति भवन लखनऊ में आमरण अनशन, भूख हड़ताल शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा कि समस्याओ का समाधान न होने पर सम्पूर्ण कार्य बहिष्कार व जेल भरो आंदोलन पर विचार किया जाएगा। इस मौके पर संघ के कोषाध्यक्ष विनोद कुमार सरोज, जिला अध्यक्ष अमर बहादुर यादव ने भी अपने विचार रखे। इस अवसर पर विवेक पाण्डेय, अनिल यादव, करुण बहादुर सिंह, सतीश यादव, अरविन्द यादव, विजय यादव, मनोज कुमार पाल, अजय मिश्र, अंजनी मिश्र, शोभनाथ आदि लोग मौजूद रहे।

मांग पूरी न होने पर क्रमिक अनशन करते कर्मचारी संघ के पदाधिकारी

जमीनी विवाद में महिला की हुई पिटाई

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। पट्टी कोतवाली क्षेत्र के सरसतपुर रामनगर गांव की रहने वाली सुनीता देवी ने आरोप लगाया कि उसकी आबादी की जमीन के विवाद को लेकर पड़ोसी रंजिश रखते हैं। बीते 18 नवंबर को पड़ोसी विमला, आरती और सूर्य प्रकाश उसे मारपीट करने लगे पीड़िता जब अपनी जान बचाने के लिए घर में भागी तो आरोपीगढ़ उसे घर में घुसकर मारपीट किया आरोपियों ने घर में रखा हुआ सामान भी तोड़ दिया और मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने सभी आरोपियों पर संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया।

मच्छरों का प्रकोप रोकने के लिये नपा ने किया एंटी लार्वा का छिड़काव

विस्तारित क्षेत्र में साफ-सफाई करते सफाई कर्मचारी

विस्तारित क्षेत्र रंजीतपुर चिलबिला में हुई साफ-सफाई

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। शासन द्वारा संचारी रोग अभियान के समाप्त होने के बाद भी नगर पालिका अध्यक्षा प्रेमलता सिंह व अधिशाषी अधिकारी मुदित सिंह के निर्देशन में शहर में नियमित रुप से साफ-सफाई, एंटी लार्वा का छिड़काव व फागिंग का कार्य कर रही है।

यह जानकारी देते हुए नगर पालिका के सफाई निरीक्षक संतोष कुमार सिंह ने बताया कि सोमवार को नगर पालिका के विस्तारित क्षेत्र रंजीतपुर चिलबिला में नाले-नालियों की सफाई व कूड़ों की सफाई करने के बाद पूरे क्षेत्र में झाड़ू लगाई गई। इसके अलावा शहर में चिलबिला पूर्वी, चिलबिला पश्चिमी व महुली में साफ-सफाई के साथ एंटी लार्वा का छिड़काव किया गया। सफाई निरीक्षक ने आगे बताया कि हल्की ठंड में भी मच्छरों का प्रकोप बना रहता है जो स्वास्थ्य के लिये हानिकारक है। इनका प्रभाव कम करने के लिये तथा इनका प्रजजन रोकने के लिये नगर में रोस्टर के अनुसार एंटी लार्वा का छिड़काव किया जा रहा है, जिससे लोग मच्छर जनित रोगों से बच सकें।

खबर संक्षेप

अभियुक्त को सुनाई गई आजीवन कारावास की सजा

कौशाम्बी। थाना पिपरी पुलिस बल द्वारा पॉक्सो एक्ट के अभियुक्तों अरविन्द उर्फ नाटे भारतीया पुत्र ओमप्रकाश उर्फ वीरेन्द्र भारतीया निवासी नीवा थाना धूमनगंज जनपद प्रयागराज व अजय कुमार भारतीया पुत्र चेतराम भारतीया निवासी काठगांव थाना पिपरी को न्यायालय स्पेसल जज पॉक्सो एक्ट द्वारा शासन की प्राथमिकता के आधार पर गम्भीर एवं जघन्य अपराधों में मिशन शक्ति के तहत पैरवी कर अभियुक्तों को सजा दिलाने के क्रम में पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन में प्रभावी पैरवी कराते हुए मानिटरिंग सेल के माध्यम से अरविन्द को 10 वर्ष सश्रम कारावास व चालीस हजार रुपए के अर्थदण्ड व अजय कुमार को आजीवन कारावास व चालीस हजार रुपए के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।

24 नवम्बर को विकास कार्यों की समीक्षा करेंगे प्रभारी मंत्री

कौशाम्बी। जनपद के प्रभारी मंत्री राज्यमंत्री लोक निर्माण विभाग उत्तर प्रदेश चन्द्रिका प्रसाद उपाध्याय 24 नवम्बर 2021 को पूर्वान्ह 11 बजे कलेक्ट्रेट स्थित सम्राट उदयन सभागार में जिला योजना समिति की बैठक एवं विकास कार्यों की समीक्षा करेंगे।

डिप्टी सीएम के घर पर ही हरायेंगे सपा के सिपाही : इन्द्रजीत

किसानों को छुट्टा पशुओं से मिलेगी निजात किसान होंगे खुशहॉल भाजपा सरकार के छुट्टा जानवर ने कटरी के किसान को पटक कर मार डाला यह निकम्मी सरकार है

अखंड भारत संदेश

समाजवादी के कार्यक्रम में उपस्थित जनता को संबोधित करते इंद्रजीत सरोज साथ में खड़े कैलाश केसरवानी वा अन्यन समाजवादी

कौशाम्बी। सिराथू तहसील क्षेत्र के ककोढा ग्राम में सपा नेता इंद्रजीत सरोज का काफिला रुका और सपा संस्थापक मुलायम सिंह के जन्म दिन को मनाया गया इस मौके पर उपस्थित लोगों को संबोधित कर इंद्रजीत सरोज ने भाजपा सरकार पर जमकर भड़ास निकाली रैली निकाल कर क्षेत्रीय सपाइयों व जनता से मिलकर सपाइयों में उत्साह पैदा किया व जनता को अश्वासन दिया कि हम अहंकारी सरकार को उखाड़ कर नयी समाजवादी की सरकार बनायेंगे और किसानों को जानवरों से मुक्ति दिला कर उन्हें खुशहाल किया जाएगा पत्रकारों के पूछने पर सरकार के निकम्मे पन को बताया उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार ने पासी समाज ब्राह्मण, यादव व अन्य समाज के घरों में बोल्डोजर चलवाया, ब्राम्हणों की हत्या करवाया पूर्व मंत्री ने अश्वासन दिया कि सरकार आने पर छुटटा जानवरों से निजात दिलाने के लिए पक्की दिवाल बनवाने व महगाई पर कंट्रोल कर, किसानों के सहयोग में कार्य कर पहले की तरह जनता के विश्वास को टूटने नहीं दिया जायेगा और दुबारा अखिलेश की सरकार बनाना सपाइयों का लक्ष्य है कौशांबी की तीनों सीट जीत कर सरकार का घमंड जनता तोड़ देगी इस मौके पर पप्पू उर्फ वरुण शुक्ला जिला सचिव,सीता राम कुशवाहा,लल्ला पांडेय,मधुकर पांडेय,सुरेश दुबे प्रदीप शुक्ला भीम सोनी,राजेश कुशवाहा, नेमराज पांडेय,रिंकू शुक्ला नीरज मिश्रा सैकडों लोगो ने पांच पाण्डव होटल के पास माला पहना कर बसपा सरकार के कबीना मंत्री सपा नेता इंद्रजीत सरोज का स्वागत किया और भाजपा को हटाने व सपा सरकार बनाने का संकल्प लिया।

आने दीजिए सपा सरकार कराएंगे जांच तक चलेगा पता : इंद्रजीत सरोज

कौशांबी। सिराथू विधानसभा क्षेत्र के सायरा के पास एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए बसपा सरकार के पूर्व काबीना मंत्री सपा नेता इंद्रजीत सरोज ने कहा कि कौशांबी जिले में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्या ने विकास नहीं किया है विकास के लिए जनता तरस रही है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार अपराध मुक्त की बात करनी सत्ता में आई भाजपा अपराध और भ्रष्टाचार मुक्त नहीं कर सकी है उन्होंने अखिलेश सरकार के कार्यकाल ओं का गुणगान कर जनता का मन जीतने का प्रयास किया है उन्होंने कहा कि चायल क्षेत्र के एक भाजपा नेता ने गरीबों की जमीन कब्जा कर लिया है दूर-दूर तक भाजपा नेता की जमीन दिखाई देती है उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में आने दीजिए समाजवादी पार्टी की सरकार भाजपा नेता के काली कमाई की जांच कराएंगे तब इन्हें पता चलेगा कि कितना बड़ा घोटाला किया है उन्होंने कहा कि भाजपाइयों द्वारा अपना विकास किया जा रहा हैं उन्होंने कहा कि जिले का विकास नहीं हो सका है इस मौके पर पूर्व चेयरमैन कैलाश चंद केसरवानी सहित तमाम समाजवादी पार्टी के नेता मौजूद रहे।

न्यूज झरोखा

सड़क पर सावधानी पूर्वक चलाये वाहन : रविन्द्र त्रिपाठी

स्पीड ब्रेकर के ऊपर मोटी सफेद फ्लोरोसेंट लाइन का कराएं निर्माण : यातायात प्रभारी

कौशाम्बी। यातायात माह नवंबर के तहत पुलिस अधीक्षक के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी यातायात के द्वारा प्रवर्तन की कार्यवाही के क्रम में ओसा चौराहा मंडी गेट टेवा तिराहा भरसवां सरसावा भरवारी एवं सैनी क्षेत्र में वाहनों की चेकिंग की गई एंव वाहन चेकिंग के दौरान दो पहिया व चार पहिया वाहनों को चेक किया गया जिसमें 115 वाहन चालकों के विरुद्ध ई-चालान की कार्यवाही की गई तथा मौके पर 5000 रुपए का जुमार्ना वसूल गया साथ ही वाहन चालको को यातायात के नियमों से जागरूक कराते हुए सड़क पर सावधानी पूर्वक वाहनों के संचालन हेतु प्रेरित किया गया। इसी प्रकार सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जाने के चार स्तंभों में से एक इंजीनियरिंग के कार्य के तहत यातायात पुलिस की टीम द्वारा भरवारी महेवा राजमार्ग एनएच-94 में बनाई जा रही फ्लोरोसेंट साइडलाइंस एवं सेंटर लाइन के निर्माण कार्य में लगे कर्मियों से वार्ता की गई तथा उनको सुझाव दिए गए कि राजमार्ग में पड़ने वाले समस्त कटों संलग्न उपमार्गों एवं स्कूलों के सामने जेब्रा लाइन का निर्माण करें साथ ही साईनएज भी लगाएं जाएं तथा मार्ग में पूर्व से निर्मित स्पीड ब्रेकर के ऊपर मोटी सफेद फ्लोरोसेंट लाइन का निर्माण करें ताकि उनकी हृश्यता बढ़ सके अब तक करीब 40 किलोमीटर लंबे मार्ग पर साइड लाइनों का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है तथा सेंटर लाइन का निर्माण कार्य जारी है निर्माण कार्य में लगे कर्मियों द्वारा शीघ्र ही सेंटर लाइन जेब्रा लाइन एवं साइनेज लगाने के कार्य को पूर्ण कर लिए जाने का आश्वासन दिया गया है

पुलिस व आबकारी विभाग के संयुक्त अभियान में 10 कुंतल लहन कराया गया नष्ट

अझुवा कौशाम्बी। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अवैध रूप से निर्मित शराब के खिलाफ में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सैनी थाना क्षेत्र के धुमाई गाँव के खरका पर 10 कुंतल लहन व 20 लीटर शराब बरामद कर उसी समय नष्ट कराया गया। इस दौरान मौके पर ग्राम प्रधान और अन्य प्रबुद्ध व्यक्तियों और जनसामान्य को अवैध नकली,अपमिश्रित सस्ती शराब के सेवन से जनसामान्य को होने वाली हानियों तथा उक्त से संबंधित अपराध में आबकारी विभाग के अधिनियमों व प्राविधानित दंड के विषय में जागरूक किया गया इंस्पेक्टर तेजबहादुर ने कहा कि गांव में यदि कोई भी व्यक्ति अवैध शराब बनाने या बेचने का काम करता है तो इसकी गोपनीय सूचना तत्काल आबकारी विभाग और क्षेत्रीय पुलिस को दें कार्रवाई की जाएगी।

ट्रक में लोड़ सतरों के नीचे से अवैध शराब बरमाद

कौशाम्बी। जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना कोखराज पुलिस द्वारा रात्रि चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर रामजी होटल के पास खड़े सतरे से भरे एक ट्रक की जमा तलाशी लिए जाने के दौरान ट्रक में लोड़ सतरों के नीचे से अवैध शराब 70 पैकेटों में 180 एमएल की 3150 शीशी तथा 45 पैकेटों में 750 एमएल की 540 शीशी नाइट ब्लू मेट्रो लिकर सोनीपत हरियाण की निर्मित बरामद शराब व ट्रक को कब्जे में लेकर विधक कार्यवाही करते हुए बरामद ट्रक को अन्तर्गत धारा 207 एमवी एक्ट में सीज करने की कार्यवाही की गयी।

अवैध शराब के साथ दो अभियुक्त गिरफ्तार

कौशाम्बी। जिले में अवैध शराब के निर्माण एंव तस्करी के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में जिले में दो अभियुक्तो को गिरफ्तार कर 30 लीटर अवैध शराब बरमाद कर अभियुक्तो को न्यायालय भेज दिया है जानकारी के मुताबिक थाना मंझनपुर पुलिस बल द्वारा अभियुक्त बोल्ली पुत्र झाँझी निवासी नारा थाना मंझनपुर के कब्जे से 20 लीटर अवैध शराब बरामद होने पर अभियुक्त को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त का चालान न्यायालय कर दिया है। इसी प्रकार थाना सराय अकिल पुलिस उपनिरीक्षक मिश्रीलाल चौधरी मय हमराह पुलिस बल द्वारा अभियुक्त राजूलाल पुत्र सतन लाल निवासी कनैली थाना सराय अकिल के कब्जे से 10 लीटर अवैध शराब बरामद होने पर अभियुक्त को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त का चालान न्यायालय कर दिया है।

जिले के विभिन्न थानों से तीन वारण्टी अभियुक्त गिरफ्तार

कौशाम्बी। जिले में विभिन्न थानों द्वारा तीन वारण्टी अभियुक्तो को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया है जानकारी के मुताबिक थाना सैनी पुलिस बल द्वारा वारण्टी अभियुक्त भैय्या लाल उर्फ भैय्यन पुत्र श्री पासी निवासी धुमाई थाना सैनी को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेज दिया है। इसी प्रकार थाना मंझनपुर पुलिस बल द्वारा वारण्टी अभियुक्त एहसान पुत्र वाहिद खान निवासी सरीफपुर व सोनेलाल पुत्र शिवदास थाना मंझनपुर को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेज दिया है।

चेकिंग के दौरान की गई कार्यवाही

कौशाम्बी। जनपद मे सरकार द्वारा निर्गत निदेर्शों के अनुपालन के क्रम में पुलिस अधीक्षक के निदेर्शानुसार जनपद स्तर पर विभिन्न थानों द्वारा मास्क न लगाने एवं सोशल डिस्टेसिंग का पालन न करने वालों के विरुद्ध सघन चेकिंग की गई एंव चेकिंग के दौरान दो पहिया चार पहिया वाहनों को चेक किया गया जिनमें 328 वाहनों का ई चालान किया गया व 07 वाहनों से 3500 रुपए सम्मन शुल्क वसूला गया सार्वजनिक स्थानों पर बिना मास्क लगाकर घूमने वाले व्यक्तियों पर कार्यवाही करते हुये 13 व्यक्तियों से 1750 रुपए जुमार्ना वसूला गया।

सहकारिता का लक्ष्य 26% कैसे पूरी हो उर्वरक की उपलब्धता

मिलावट खोरी व उर्वरक की कालाबाजारी के आंड़ में करोड़ों की अवैध वसूली के चलते कृषि अधिकारियों ने खो दिया है किसानों की विश्वसनीयता

सुशील केशरवानी

कौशांबी। प्रत्येक वर्ष अक्टूबर-नवंबर दिसंबर के महीने में डीएपी उर्वरक की बड़ी मारामारी होती है किसान परेशान होते हैं जिससे उनकी फसलों में छिड़काव के लिए डीएपी उर्वरक नहीं मिल पाती है उर्वरक की कमी के चलते हो हल्ला होता है किसान नेता भी धरना प्रदर्शन आंदोलन करते हैं सरकार और अधिकारियों की छीछालेदर होती है लेकिन फिर मामला ठंडा हो जाता है यह प्रत्येक वर्ष व्यवस्था का हिस्सा बन चुका है लगातार धरना प्रदर्शन विरोध के बाद भी अधिकारियों को शर्मिंदगी नहीं महसूस होती है इसके जड़ में जाने की कोशिश अधिकारी नहीं करते हैं कि आखिर उर्वरक की समस्या का क्या कारण है जब इसकी पड़ताल की गई तो मालूम चला कि मिलावट खोरी और उर्वरक की कालाबाजारी के आड़ में करोड़ो की अवैध वसूली के चलते कृषि अधिकारियों द्वारा विश्वसनीयता खो दी गई है जिससे किसानों के सामने डीएपी उर्वरक की समस्या आती है और किसान हो हल्ला मचाते हैं आज किसानों के बीच विश्वनीयता खोने वाले इनअधिकारियों के कारनामों को बड़े अधिकारी और शासन क्यों नहीं संज्ञान लेते हैं यदि कृषि विभाग के विश्वसनीय खोने के मामले को आला अधिकारी संज्ञान ले लेते तो किसानों के सामने डीएपी उर्वरक की मारामारी उत्पन्न ना होती। बताते चलें कि डीएपी उर्वरक खपत के लिए 16900 मेट्रिक टन लक्ष्य निर्धारित किया गया है जिसमें साढ़े 26% उपलब्धता की जिम्मेदारी सहकारिता को सौंपी गई है और साढ़े 73% डीएपी उर्वरक उपलब्धता की जिम्मेदारी निजी व्यवसायियों को सौंपी गई है निजी व्यवसायियों के यहां की व्यवस्था बनाना कृषि अधिकारी की जिम्मेदारी सरकार ने निर्धारित कर रखी है लेकिन निजी क्षेत्र के उर्वरक व्यापारियों द्वारा लंबे समय से उर्वरक में मिलावट खोरी और उर्वरक का मूल्य अधिक वसूल करने का खेल चल रहा है जिससे उर्वरक व्यापारियों पर किसानों ने विश्वसनीयता खो दी है और सहकारिता से वह डीएपी उर्वरक प्राप्त करना चाहते हैं लेकिन सहकारी समितियों में डीएपी साढ़े 26 प्रतिशत उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी सौंपी गई है आखिर इस तरह से शत-प्रतिशत किसानों को सहकारी समितियां कैसे डीएपी उर्वरक उपलब्ध करा पाएंगी और जब सहकारी समितियों से किसानों को डीएपी नहीं मिलती है तो वह सरकार और अधिकारियों के खिलाफ लामबंद होने लगते हैं धरना प्रदर्शन आंदोलन होने लगता है विरोध प्रदर्शन होने लगता है किसानों के आंदोलन के चलते सरकार की भी जमकर छीछालेदर होती है लेकिन फिर भी मिलावट खोरी में लगे व्यापारियों की दुकानों में बड़ी कार्यवाही कर कृषि अधिकारी उर्वरक की व्यवस्था उपलब्धता नहीं कर पाते हैं व्यापारियों के यहां उर्वरक मौजूद रहती है फिर भी किसानों का विश्वास नहीं होता कि दुकानों में अच्छी उर्वरक मिलेगी लगातार दुकानों में मिलावट खोरी के खेल के पीछे कृषि अधिकारियों का बड़ा दोष है लेकिन किसानों की विश्वासनीयता खोने वाले कृषि अधिकारियों पर वर्षों बाद भी शासन ने कार्यवाही नहीं की है जो बड़ा सवाल है यही स्थिति है यूरिया उर्वरक की होती है जिले में 35000 मैट्रिक टन यूरिया उर्वरक का लक्ष्य निर्धारित किया गया है जिसमें 32% सहकारिता का हिस्सा है 11 हजार मैट्रिक टन यूरिया उपलब्ध करा कर सहकरिकता मुक्त हो जाएगा लेकिन किसानों के सामने समस्या बरकरार रहेगी खुले बाजार में 24000 मैट्रिक टन यूरिया उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी कृषि विभाग को दी गई है खुले बाजार में मिलावट खोरी उर्वरक की कीमतों में अधिक वसूली कालाबाजारी के चलते किसानों का विश्वास उर्वरक व्यवसाय पर नहीं कायम हो पा रहा हैं जिससे यूरिया उर्वरक के समय भी मारामारी होना स्वाभाविक है सहकारी समितिया अपनी विश्वासनीयता कायम रखे हैं सहकारी समितियों में मिलने वाली यूरिया डीएपी में किसानों को भरोसा है कि मिलावट खोरी नहीं होगी जिससे किसान सहकारी समितियों की ओर भागते हैं लेकिन लक्ष्य कम होने के चलते वह शत प्रतिशत किसानों को डीएपी और यूरिया नहीं पूर्ति कर पाते जिससे हो-हल्ला मचता है लेकिन जो इस समस्या के मूल जिम्मेदार कृषि अधिकारी हैं उन पर हो-हल्ला के बाद भी कार्यवाही नहीं हो पाती है आखिर उर्वरक की समस्या उत्पन्न करने वाले कृषि अधिकारियों की जिम्मेदारी पर कब तक उन्हें उनका बचाव किया जाता रहेगा सूत्रों की मानें तो उर्वरक व्यवसायियों के कालाबाजारी मिलावट खोरी के पीछे कृषि विभाग के अधिकारियों की करोड़ों अवैध वसूली का खेल चल रहा है जिससे उन्हें किसानों की विश्वसनीयता कम होने की चिंता नहीं है

72 हजार मैट्रिक टन धान खरीद का लक्ष्य निर्धारित

बीते वर्ष की तुलना में इस वर्ष हो रही है सरकारी केंद्रों में अधिक धान खरीद

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। सरकार द्वारा धान खरीद योजना में बीते वर्ष कोविड-19 की महामारी का असर दिखाई पड़ रहा था जिससे बीते वर्ष धान खरीद के मुकाबले इस वर्ष किसानों की सुविधाओं को ध्यान में रखकर भाजपा की योगी सरकार के अधिकारियों ने धान खरीद का लक्ष्य बढ़ा दिया है बीते वर्ष 63 हजार मैट्रिक टन धान खरीद किए जाने का लक्ष्य निर्धारित था लेकिन वर्ष 72 हजार मैट्रिक टन धान खरीद का लक्ष्य योगी सरकार के अधिकारियों ने निर्धारित किया है आंकड़े बताते हैं कि नवंबर के महीने में लक्ष्य के सापेक्ष 20% तक सरकारी धान खरीद केंद्रों में खरीद हो पाती है दिसम्बर और जनवरी के महीने में तीस तीस % लक्ष्य के सापेक्ष धान की खरीद होती है और फरवरी महीने में शेष 20% धान खरीद कर खरीद प्रभारी लक्ष्य की पूर्ति कर देते हैं इस वर्ष नवंबर के महीने में जिस तेजी से धान खरीद हो रही है 20% से अधिक नवंबर में धान खरीद हो जाने की उम्मीद बताई जाती है।

40 वर्षों में नहीं बढ़ा धान कुटाई का रेट

कौशांबी। सरकार द्वारा धान की खरीद किये जाने के बाद उसे मिलर को दे कर धान कुटाई कराकर चावल बनाया जाता है धान कुटाई के लिए 10 रुपये कुंटल 40 वर्ष पहले की सरकार ने निर्धारित किया था 40 वर्षों के दौरान मजदूरी में 30 गुना की महंगाई आ चुकी है लेकिन धान खरीद के बाद उसके कुटाई में सरकार का रेट नहीं बढ़ सका है जिससे मिल मालिकों को दिक्कतें होती हैं लेकिन सरकार के दबाव में मजबूर होकर मिल मालिक सरकारी धान की कुटाई करते हैं आखिर इन 40 वर्षों में धान कुटाई का रेट सरकार द्वारा ना बढ़ाकर क्या संदेश दिया गया है क्या मिल मालिकों का उत्पीड़न सरकार करना चाहती है या फिर मिल मालिकों से धान कुटाई करा कर उसकी मजदूरी का भुगतान सरकार वर्तमान परिस्थितियों से निर्धारित कर भुगतान करती है या फिर मिल मालिकों का उत्पीड़न होता रहेगा।

खेलकूद से विकसित होती है स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना

मंझनपुर विकासखंड में परिषदीय विद्यालयों की खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ

अखंड भारत संदेश

खेलकूद प्रतियोगिता में शामिल छात्र

कौशाम्बी। विकासखंड मंझनपुर के परिषदीय विद्यालयों की ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ सोमवार को जिला स्टेडियम टेवा में हुआ। दो दिवसीय प्रतियोगिता का शुभारंभ खंड शिक्षा अधिकारी मंझनपुर द्वारा 50 मीटर दौड़ में हरी झंडी दिखाकर किया गया।खंड शिक्षा अधिकारी चन्द्र मोहन सिंह ने कहा कि खेलकूद से स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना का विकास होता है।खेल में जीतने से ज्यादा प्रतिभाग करना महत्वपूर्ण है।प्रतियोगिता के पहले दिन संपन्न प्रतियोगिताओं में प्राथमिक बालक वर्ग 50 मीटर दौड़ में विकास कुमार प्रथम,रोहित कुमार द्वितीय व सूरज कुमार तृतीय स्थान प्राप्त किए।बालिका वर्ग में अंजली देवी प्रथम अनामिका देवी अंबावा पश्चिम की द्वितीय निराशा देवी चकथांबा की बालिका वर्ग में तृतीय स्थान प्राप्त किया। सौ मीटर दौड़ बालक वर्ग में सूरज कुमार प्रथम, रितिक कुमार द्वितीय, विकास कुमार तृतीय व बालिका वर्ग में अंजलि देवी प्रथम,सरिता देवी द्वितीय,रंजना देवी तृतीय रहे। 200 मीटर दौड़ में रितिक कुमार प्रथम,नीरज कुमार द्वितीय,नरेश कुमार तृतीय व बालिका वर्ग में मानकी कुमारी प्रथम,शालिनी देवी द्वितीय, रंजना देवी तृतीय स्थान पर रहे।इस मौके पर जूनियर संघ के अध्यक्ष विनोद कुमार श्रीवास्तव, राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के जिला संयोजक ओम दत्त त्रिपाठी, प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला मंत्री रामबाबू दिवाकर, मो0 हुसैन, प्रेमशंकर त्रिपाठी, उरिष्ट प्रसाद, मायापति त्रिपाठी, अतुल कुमार प्रजापति, राजेंद्र मिश्रा, इश्तियाक अहमद, भोला नाथ चौधरी, ज्ञानेश मिश्रा, हीरालाल एम कैथल, सोनी केसरवानी, शशिकला त्रिपाठी, राकेश अग्रहरि, अनूप कुमार वर्मा, कृष्णकांत तिवारी सहित ब्लॉक के खेलकूद प्रभारी और कोच मौजूद रहे।

अधिकारियों की चौखट पर 6 महीने से दौड़ रही युवती

आतंक का पर्याय चर्चित गैंगवारों के साथ क्या थाना पुलिस के पहले से है गहरे रिश्ते जिससे महिला को नही मिल रहा है न्याय

कौशांबी। कड़ा धाम कोतवाली क्षेत्र के देवीगंज गांव की एक युवती न्याय पाने के लिए थाना पुलिस क्षेत्राधिकारी पुलिस अधीक्षक कार्यालय से होते हुए आईजी कार्यालय तक न्याय की गुहार लगा चुकी है लेकिन थाना पुलिस आरोपियों का पक्ष ले रही हैं जिससे पुलिस आला अधिकारी से पीड़ित का मिलना बेकार हो जाता है जितनी भी बार पुलिस अधिकारियों से मिलकर युवती अपनी पीड़ा व्यथा बताती हैं आला अधिकारी जांच कर कार्रवाई का निर्देश देते है लेकिन थाना पुलिस गलत रिपोर्ट लगाकर आला अधिकारियों को लगातार गुमराह कर रही हैं आखिर कब तक आला अधिकारी थाना पुलिस की नजरों से पीड़ितों को न्याय देंगे। बताते चलें कि कड़ा धाम कोतवाली क्षेत्र के देवीगंज की रहने वाली एक युवती से निकाह का झांसा देकर अंबाई बुजुर्ग के मजरा निजाम के पूरा के एक युवक ने शारीरिक संबंध बनाए थे कई वर्षों तक युवती से संबंध बनाने के दौरान उसे तमाम तरह की योजनाएं बता कर समूह से युवती को कर्ज दिला कर डेढ़ लाख रुपए कर्ज की रकम भी युवक ने युवती से हड़प लिया एक तरफ आबरू लुट जाने दूसरी तरफ लाखो की रकम का शिकार हो चुकी युवती ने जब शादी का प्रस्ताव रखा तो इंकार कर दिया बताया जाता है कि युवक के पिता का लंबा आपराधिक इतिहास है इलाके में आतंक का पर्याय माने जाने वाले एक चर्चित गैंगवारो के साथ घटनाओं को अंजाम देना उनका पारिवारिक इतिहास है गैंगवारो से थाना पुलिस के पहले से गहरे रिश्ते हैं जिससे वह महिला के साथ जुल्म ज्यादती करने वालों के बचाव में उतर खड़ी हुई है मामले में आईजी के निर्देश पर क्षेत्राधिकारी कार्यालय में भी महिला का बयान हो चुका है लेकिन उसके बाद भी महिला का मुकदमा नहीं दर्ज हो सका है महिला की शिकायत पर जब आला अधिकारियों ने युवक पर मुकदमा दर्ज करने का निर्देश दिया तो युवक गांव छोड़कर बाहर भाग गया इसमें भी स्थानीय पुलिस की साजिश बताई जाती है आखिर कब तक गैंगवारो का साथ देकर थाना पुलिस अपराधियों का बचाव करते रहेंगे यह बड़ा सवाल है और युवती के मामले में पुलिस आलाधिकारियों ने थाना पुलिस के कारनामों की जांच कराई तो थाना पुलिस पर कठोर कार्यवाही तय है।

स्कूल संचालक ने बच्चे और उनके अभिभावक से की अभद्रता

करारी कौशांबी। करारी थाना क्षेत्र के कस्बा स्थित मदर इंडिया स्कूल के प्रबंधक सरफराज हुसैन ने स्कूल में पढ़ने वाले एक छोटे बच्चे के साथ गाली गलौज और मारपीट किया है। मामले ने तूल पकड़ लिया जब उसके चाचा उलाहना देने स्कूल गए थे उन्हें भी गाली गलौज कर अपमानित किया है । मामले की तहरीर लेकर बच्चे के चाचा पुलिस के पास पहुंच गए हैं। मदर इंडिया स्कूल में पढ़ने वाले बच्चे प्रतीक उम्र 4 वर्ष का गुनाह यह था कि वह अपने क्लास को छोड़कर अपनी बहन के क्लास में कुछ सामान मांगने बहन के पास चला गया था छात्र को दूसरे कक्षा में देख कर प्रबंधक बौखला गए और छात्र को गाली गलौज कर पीट दिया स्कूल की छुट्टी होने के बाद घर पहुंचने पर इस बात की जानकारी छात्र प्रतीक ने अपने परिजनों को दिया जिस पर छात्र के चाचा सुशील रैना स्कूल प्रबंधक के पास पहुंचे तो विवाद बढ़ गया। स्कूल प्रबंधक ने गाली गलौज जात सूचक शब्दों से अपमानित कर चाचा को भगा दिया। अपमानित होने के बाद सुशील रैना करारी थाने पहुंचे और थानेदार को तहरीर देकर स्कूल प्रबंधक पर कार्यवाही की मांग की है। तहरीर मिलते ही थानेदार ने स्कूल प्रबंधक को थाने बुला लिया है। करारी थाने में दोनों पक्षों के बीच वातार्लाप चल रही है।

यातायात : छात्र-छात्राओं को पढ़ाया अनुशासन का पाठ

छात्र-छात्राओं द्वारा सड़क सुरक्षा जागरूकता ही बचाव के पर किया गया निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

अखंड भारत संदेश

स्कूली छात्राओं को यातायात की जानकारी देती यातायात पुलिस

कौशाम्बी। महामाया राजकीय महा विद्यालय ,कौशांबी मे यातायात पुलिस एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान के अंतर्गत महाविद्यालय परिसर में यातायात माह 2021 का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा सड़क सुरक्षा जागरूकता ही बचाव के विषय पर एक निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । इस अवसर पर यातायात प्रभारी श्री रविंद्र त्रिपाठी ने छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण दिशा निदेर्शों से अवगत कराया महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ विनय कुमार सिंह की अध्यक्षता में प्रतियोगिता संपन्न कराई गई उन्होंने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा, कि भारत में एक वर्ष में लाखों व्यक्ति सड़क दुर्घटना में मारे जाते हैं,इन दुर्घटनाओं को कम करने का एक मुख्य उपाय ₹सड़क सुरक्षा से संबंधित जागरूकताहै इस प्रतियोगिता ने प्रथम पुरस्कार उपासना बीएससी तृतीय वर्ष , द्वितीय पुरस्कार मोहिनी केसरवानी बीएससी द्वितीय वर्ष एवं तृतीय पुरस्कार प्रीति त्रिपाठी बीए तृतीय वर्ष को प्राप्त हुआ इस प्रतियोगिता में राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डॉ अनिल कुमार ने छात्र-छात्राओं को यातायात के संबंध में अनुशासन का पाठ पढ़ाया। इस अवसर पर यातायात पुलिस आरक्षी अनिल यादव एवं सुश्री शिवानी शर्मा एवं महाविद्यालय के डॉ0 अरविंद कुमार , डॉ0 अजय कुमार डॉ0 नीलम बाजपेई, डॉ0 भावना केसरवानी, डॉ0 रीता दयाल, डॉ0 तरित अग्रवाल, डॉ0 पवन कुमार,डॉ0 नीरज कुमार,डॉ0 रमेश चंद्र, डॉ0 अमित शुक्ल ,डॉ0 संतोष कुमार आदि ने अपने अपने विचार व्यक्त किए।

प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों के विरुद्ध की गई कार्यवाही

वाहनों को समय से कराए सर्विस : यातायात प्रभारी

कौशाम्बी। यातायात माह नवंबर के तहत निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार यातायात निरीक्षक रविंद्र त्रिपाठी टीएसआई धीरज जायसवाल एवं यातायात टीम द्वारा मुख्य रूप से प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों के विरुद्ध चेकिंग की कार्यवाही करते हुए वाहनों के प्रदूषण प्रमाण पत्र चेक किए गए तथा ऐसे वाहन चालक जो प्रदूषण प्रमाण पत्र प्रस्तुत नहीं कर सके अथवा ज्यादा कार्बन का उत्सर्जन करते हुए प्रतीत हुए ऐसे वाहनों को प्रदूषण जांच केंद्र ले जाकर उनके कार्बन उत्सर्जन की जांच कराई गई तथा प्रदूषण प्रमाण पत्र प्राप्त कराए गए साथ ही ऐसे वाहन जो प्रदूषण जांच में उपयुक्त नहीं पाए गए उन्हें तत्काल वाहन की सर्विसिंग एवं डीजल एवं मोबिल फिल्टर चेंज करा कर पुनः जांच कराने एवं प्रदूषण प्रमाण पत्र प्राप्त करने हेतु निर्देशित किया गया। वाहन चालको एवं संचालकों को वायु प्रदूषण से होने वाले वातावरण में दुष्प्रभावों एवं मोटर वाहन अधिनियम में उल्लिखित दंड के प्रावधानों से अवगत कराते हुए समय-समय पर वाहनों की जांच हेतु प्रेरित किया गया तथा यातायात के नियमों से जागरूक किया गया। इसी क्रम में प्रवर्तन की कार्यवाही में शहरी क्षेत्र के पाल चौराहा मंझनपुर चौराहा समदा चौराहा ओसा चौराहा एवं टेवा तिराहा तथा ग्रामीण क्षेत्र में बैगवां, मढी तिराहा, रक्षराई, कौशांबी चौराहा तथा चंपहा आदि स्थानों पर प्रदूषण प्रमाण पत्र के साथ ही मोटर वाहन अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों के उल्लंघन पर 86 वाहन चालकों के विरुद्ध ई-चालान की कार्यवाही संपादित की गई तथा मौके पर 3000 रुपए का सम्मन शुल्क वसूल किया गया।

सम्पादकीय

एमएसपी गारंटी पर दुविधा

किसान संगठनों का कहना है कि एमएसपी पर लीगल गारंटी मिलने पर वह न्यूनतम कीमत बन जाएगी। तब सरकार के साथ निजी क्षेत्र को भी खरीदारी के लिए उस न्यूनतम मूल्य का भुगतान करना होगा। लेकिन यह इतना आसान नहीं है। इसे लागू करने में एक दिक्कत तो यह है कि न्यूनतम कीमत तय करने के साथ खरीदे जाने वाली फसल की गुणवत्ता का मानक भी तय करना होगा। केंद्र के तीनों कृषि कानून वापस लेने की घोषणा के बाद भी किसान आंदोलन के खत्म होने की सूरत नहीं दिख रही। इस आंदोलन का नेतृत्व करने वाले संयुक्त किसान मोर्चा ने कहा है कि वह सरकार से लंबित मांगों पर बातचीत शुरू करने की अपील करेगा। वह सभी फसलों की खरीदारी के लिए खासतौर पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की लीगल गारंटी, किसानों पर दर्ज एफआईआर खत्म करने, इलेक्ट्रिसिटी अमेंडमेंट बिल 2020 वापस लेने की भी मांग कर रहा है। आंदोलन के दौरान जिन 670 किसानों की मृत्यु हुई, उनके लिए मोर्चा ने मुआवजे की भी मांग की है। सरकार एमएसपी पर एक कमिटी बनाने का ऐलान कर चुकी है, लेकिन लगता नहीं कि यह मसला जल्द सुलझेगा। किसान संगठनों का कहना है कि एमएसपी पर लीगल गारंटी मिलने पर वह न्यूनतम कीमत बन जाएगी। तब सरकार के साथ निजी क्षेत्र को भी खरीदारी के लिए उस न्यूनतम मूल्य का भुगतान करना होगा। लेकिन यह इतना आसान नहीं है। इसे लागू करने में एक दिक्कत तो यह है कि न्यूनतम कीमत तय करने के साथ खरीदे जाने वाली फसल की गुणवत्ता का मानक भी तय करना होगा। अगर ऐसा हुआ तो इस मानक से नीचे अनाज के होने पर एमएसपी नहीं मिलेगी।

दूसरी बात यह है कि अभी यों तो 23 फसलों से एमएसपी का हर साल ऐलान होता है, लेकिन उनमें से खरीदारी पांच-छह फसलों की ही होती है। इसका फायदा भी खासतौर पर पंजाब, हरियाणा, पश्चिम यूपी, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना जैसे राज्यों के 10-12 प्रतिशत किसानों को मिलता है। इसलिए ज्यादातर किसानों को इससे कम दाम पर व्यापारियों को अनाज बेचना पड़ता है। इस मुश्किल को दूर करने के लिए मध्य प्रदेश, केरल और हरियाणा जैसे राज्यों ने कुछ फसलों के लिए भावांतर योजना लागू की थी। इसमें वे इन फसलों के लिए एक कीमत तय करते थे। किसान अगर उस कीमत से कम पर फसल बेचने को मजबूर होते तो उस अंतर की भरपाई राज्य करते। इन योजनाओं से राज्यों पर वित्तीय बोझ बढ़ता है, इसलिए लंबे वक्त तक उन्हें नहीं चलाया जा सकता। एमएसपी की लीगल गारंटी से खाद्यान्नों की महंगाई भी बढ़ सकती है, जिससे शहरी मध्यवर्ग नाराज हो सकता है। भारतीय रिजर्व बैंक भी इससे खुश नहीं होगा, जिस पर महंगाई दर को नियंत्रित रखने की जिम्मेदारी है। इसलिए इसका मौद्रिक नीति पर भी असर पड़ सकता है। यह भी ध्यान रखना होगा कि कृषि राज्य का विषय है। इसलिए इस मुद्दे पर उनके साथ भी विचार-विमर्श करना होगा। इस पूरे मामले में सभी पक्षों के हितों के बीच संतुलन साधन का काम एमएसपी कमिटी को करना होगा। उसे किसानों की आमदनी दोगुनी करने के सरकार के वादे, फसल की कम कीमत मिलने से किसानों की आमदनी घटने की शिकायत, एमएसपी व्यवस्था का लाभ बहुत कम किसानों को मिलने और कृषि उपज का निर्यात बढ़ाने जैसी जरूरतों के बीच तालमेल बिठाना होगा।

गुलाम कश्मीर से अवैध कब्जा हटाए पाकिस्तान

प्रमोद भार्गव

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में कश्मीर का मुद्दा उठाने पर भारत ने पाकिस्तान को ललकारते हुए, उसे गुलाम कश्मीर से अपना अवैध कब्जा तत्काल हटा लेने की चेतावनी दी है। न्यूयॉर्क में आयोजित बैठक में संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थाई मिशन में काउंसलर डॉ. काजल भट्ट ने कहा कि मैं भारत की स्थिति के बारे में स्पष्ट करना चाहूंगी कि संपूर्ण केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर और लद्दाख भारत के अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा थे, हैं और रहेंगे। इसमें वह क्षेत्र भी आते हैं, जो पाकिस्तान के अवैध कब्जे में हैं। अतएव हम पाकिस्तान का आवाहन करते हैं कि वह अपने अवैध कब्जे सभी भूखंडों से हटा ले, अन्यथा परिणाम भुगतने को तैयार रहे। दरअसल इस मंच से पाकिस्तान के प्रतिनिधि मुनीर अकरम ने अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा पर खुली बहस के दौरान जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाया था। इस मौके पर उठाए गए भ्रामक सवालों के जवाब में काजल भट्ट के राष्ट्र बोध ने अंगड़ाई ली और उन्होंने पाकिस्तान को जोरदार फटकार लगा दी। इसके बाद गुलाम कश्मीर का मुद्दा वैश्विक स्तर पर एक बार फिर से गरमा गया है। इसमें दो राय नहीं कि विभाजन की जिस अव्यावहारिक व अप्राकृतिक मांग के आगे नेहरू समेत हमारे तत्कालीन नेता जिस नतमस्तक होते चले गए, उससे न केवल जम्मू-कश्मीर, बल्कि पाक अधिकृत कश्मीर, भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश को भी विभाजन का दर्द झेलना पड़ा है। जबकि विभाजन के समय ही यह साफ लगने लगा था कि यह अखंड भारत की विरासत को खंडित करने की अंग्रेजी हुकूमत की कुटिल चाल है। बावजूद कांग्रेस नेता यह नहीं समझ पाए कि जो शेख अब्दुल्ला मुस्लिम कांफ्रेंस का गठन कर कश्मीर की सामंती सत्ता से मुठभेड़ कर रहा है, उसे शह मिलती रही तो वह भस्मासुर भी बन सकता है 1931-32 में शेख की मुलाकात नेहरू तथा खान अब्दुल गफ्फार खान से हुई। इन्हें सीमांत गांधी भी कहा जाता है।

इस गुफ्तगू से शेख को इतनी ताकत और दृष्टि मिली कि शेख ने स्वार्थपूर्ति के लिए मुस्लिम कांफ्रेंस से मुस्लिम शब्द हटा दिया और नेशनल जोड़ दिया। जिससे राष्ट्रीयता का भ्रम हो। इसी समय जिन्ना ने पृथकतावादी अभियान चला दिया। फिरंगी शासक तो चाहते भी यही थे कि भारत को आजादी धर्म के आधार पर बंटवारे की परिणति में हो। आमतौर से ऐसा माना जाता है कि कश्मीर समस्या 1947 के बाद पनपी व विकसित हुई। जबकि वास्तव में इसकी शुरुआत जम्मू-कश्मीर के महाराजा गुलाबसिंह के दरबार में आंग्रेज रेजिमेंट की नियुक्ति के साथ ही हो गई थी। किंतु अंग्रेज नाकाम रहे। इसी समय दुर्भाग्य से कश्मीर के गिलगिट क्षेत्र के राजा रणवीर सिंह का देहांत हो गया। अंग्रेजों ने शोक में डूबे राज-परिवार की इस कमजोरी को एक अवसर माना और सक्रियता बढ़ा दी। दरअसल अंग्रेजों ने 1885 में ही यह योजना बना ली थी कि किसी भी तरह जम्मू-कश्मीर के दुर्गम व सुरक्षित क्षेत्र गिलगिट व बाल्टिस्तान पर कब्जा करना है। जिससे अमेरिका की सैन्य गतिविधियों के लिए एक सुरक्षित स्थान मिल सके। अमेरिका इसे सोवियत संघ पर शिकंजा कसने की दृष्टि से उपयुक्त क्षेत्र मान रहा था। लिहाजा अंग्रेजों ने षड्यंत्रपूर्वक इस क्षेत्र को गिलगिट एजेंसी नाम देकर 1889 में अपने कब्जे में ले लिया। इसके अधीनता में आते ही सिंधु नदी के पूर्व और रावी नदी के पश्चिम तट तक समूचे पर्वतीय भू-भाग पर अंग्रेजों का नियंत्रण हो गया। इस समय गिलगिट में प्रतापसिंह, राजा रणवीर सिंह के उत्तराधिकारी के रूप में शासक थे। प्रतापसिंह अंग्रेजों की साजिश का शिकार हो गए। गुलाब सिंह की मृत्यु के बाद हरिसिंह जब राजा बने तो 1925 में उनकी आंखें खुलीं और गिलगिट की साजिश को समझा। तब हरिसिंह ने हिम्मत व सख्ती से काम लेते हुए अपनी सेना गिलगिट भेजकर अंग्रेजी सेना को गिलगिट छोड़ने को विवश कर दिया और यूनियन जैक उतारकर कश्मीरी झंडा किले पर फहरा दिया। यह अप्रत्याशित घटनाक्रम अंग्रेजों को एक शूल की तरह चुभता रहा। 1930 में जब स्वतंत्रता आंदोलन एक प्रखर राष्ट्रवाद के रूप में देशव्यापी हो गया तो इस राजनीतिक समस्या के हल के बहाने लंदन में गोलमेज सम्मेलन आहूत किया गया। भारतीय राजाओं के अधिकृत प्रतिनिधि के रूप में हरिसिंह ने इसमें हिस्सा लिया। यहां हरिसिंह ने गिलगिट बाल्टिस्तान समेत, संपूर्ण जम्मू-कश्मीर को संघीय राज्य बना देने की पुरजोर पैरवी की। किंतु यह मांग अंग्रेजों की मंशा के अनुकूल नहीं थी, इसलिए सिरे से खारिज कर दी। यहां अंग्रेजों ने गिलगिट क्षेत्र से हरिसिंह द्वारा अंग्रेज सेना की बेदखली की गई थी, उसके प्रतिकार स्वरूप साजिश तो रची ही, औपनिवेशिक कूटनीति व भारत को विभाजित करने की मंशा को फलीफूत देखने के नजरिए से शेख अब्दुल्ला को महत्व देकर उसे कश्मीरी शासक के विरुद्ध उकसाना शुरू कर दिया। नतीजतन शेख ने अलगाववादी संगठन मुस्लिम कांफ्रेंस की नींव डाल दी। इसी दौरान शेख की मुलाकात नेहरू से हुई, जो मित्रता में बदल गई। 1932 से ही शेख ने कश्मीर पर नाजायज कब्जे के लिए जंग छेड़ दी। इसके बाद से लेकर 1947 तक के कालखंड में 1942 की अगस्त क्रांति और दूसरे विश्व युद्ध की समाप्ति के बाद जब फिरंगी हुकूमत के खिलाफ जबरदस्त असंतोष और सशस्त्र संघर्ष की घटनाएं आम हो गईं तो अंग्रेजों ने अनुभव किया कि अब भारत पर नियंत्रण संभव नहीं है।

तब उन्होंने भारतीय रियासतों के विलीनीकरण के लिए धार्मिक व क्षेत्रीय उपराष्ट्रीयताओं को भी उकसाना शुरू कर दिया। फलतः शेख समेत अनेक हिंदू व मुस्लिम नरेशों में एक नए स्वतंत्र देश पर राज करने की मनोकामना अंगड़ाई लेने लगी। जबकि रियासतों का विलय भारतीय राष्ट्र को अखंड भारत का रूप देकर एक सशक्त व एकीकृत संविधान द्वारा संचालित राजनीतिक ईकाई का निर्माण करना था। इसी समय शेख ने स्वतंत्र कश्मीर का सुल्तान बनने का सपना देखना शुरू कर दिया। मुस्लिम लीग तो जिन्ना के नेतृत्व में पहले से ही मुसलमानों के लिए पृथक मुस्लिम देश बनाने की मांग कर रही थी। 1946 में शेख ने हरिसिंह के विरुद्ध महाराजा कश्मीर छोड़ो आंदोलन छेड़ दिया। 20 मई 1946 को शेख ने श्रीनगर की मस्जिदों का दुरुपयोग करते हुए सांप्रदायिक उन्माद फैलाने के ऐलान कराए। नतीजतन शेख की गिरफ्तारी हुई और उन्हें तीन साल की सजा सुनाई गई। इस गिरफ्तारी के बाद कश्मीर की स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में थी। किंतु यह गिरफ्तारी नेहरू को रास नहीं आई। नेहरू ने शेख की गिरफ्तारी को गलत ठहराते हुए दिल्ली के राजनीतिक हलकों में हरिसिंह को दोषी ठहराना शुरू कर दिया। नेहरू शेख को छुड़ाने के लिए इतने उतावले हो गए कि जब देश स्वतंत्रता संग्राम की निर्णायक लड़ाई लड़ रहा था, तब 19 जून 1946 को नेशनल ऐयरवेज के हवाई जहाज से लाहौर होकर रावलपिंडी पहुंचे और फिर रावलपिंडी से कार द्वारा श्रीनगर पहुंच गए। यहां के कश्मीरी पंडितों ने नेहरू को समझाइश दी कि आपको गुमराह किया जा रहा है, महाराजा अपनी जगह सही हैं। किंतु नेहरू को ये शब्द कानों में पिघले शीशे की तरह लगे। हरिसिंह ने नेहरू का कहना नहीं माना तो सत्याग्रह की घोषणा कर दी। मित्रता के भुलावे में नेहरू द्वारा की गई यह भूल और शेख को छुड़ाने की जिद व जुनून कालांतर में ऐतिहासिक भूल साबित हुए। हरिसिंह ने कठोरता बरतते हुए नेहरू के हठ को सर्वथा नकार दिया और उन्हें हिरासत में लेकर कश्मीर की सीमा से बाहर का रास्ता दिखाकर रिहा कर दिया। नेहरू ने इस आचरण को नितांत अव्यावहारिक माना और हरिसिंह से बदला लेने का संकल्प ले लिया। इसलिए देश की 562 रियासतों को विलय करने का जो दायित्व पटेल बड़ी चतुराई से संभाल रहे थे, उसमें एक जम्मू-कश्मीर का दायित्व नेहरू ने जबरदस्ती अपने हाथ ले लिया। इसी कालखंड में 24 अगस्त 1946 को नेहरू के नेतृत्व में अंतरिम सरकार बना दी गई। यह वह दौर था, जब पूरे भारत में सांप्रदायिक दंगों के साथ अनिश्चय, अविश्वास एवं अराजक वातावरण छाया हुआ था। इसी समय 20 फरवरी 1947 को ब्रिटेन के प्रधानमंत्री क्लीमेंट एटली ने ऐतिहासिक घोषणा की, कि जून 1948 तक भारत को स्वतंत्र कर दिया जाएगा। इस घोषणा के परिणाम की जिम्मेदारी एडमिरल लुइस माउंटबेटन को सौंपी गई।

24 मार्च 1947 को वायसराय के रूप में माउंटबेटन ने भारत के प्रशासनिक दायित्व अपने हाथ में ले लिए। माउंटबेटन ने अलग-अलग गोपनीय मुलाकातें लीगी व कांग्रेसी नेताओं से करके भारत विभाजन का संकल्प गांधी के विरोध के बावजूद ले लिया। अंततोगत्वा 4 जुलाई 1947 को ब्रिटेन की संसद के दोनों सदनों में भारतीय स्वतंत्रता विधेयक-1947 पेश कर दिया, जो मत-विभाजन से पारित हो गया। 18 जुलाई 1947 को ब्रितानी हुकूमत ने अनुमोदन भी कर दिया। इसी विधेयक के तहत भारत को धर्म के आधार पर दो स्वतंत्र औपनिवेशिक राज्यों में बांट दिया गया। जम्मू-कश्मीर रियासत का विलय नेहरू के हाथ में होने के कारण असमंजस में रहा। डोगरा राजा हरिसिंह जहां कश्मीर की स्वतंत्र राज्य की परिकल्पना कर रहे थे, वहीं उनके प्रधानमंत्री रामचंद्र काक पाकिस्तान के साथ विलय पर विचार कर रहे थे, क्योंकि उनकी पत्नी यूरोपियन थीं, इसलिए उनकी आंखें मुंद गईं थीं। इसी अनिश्चिता के दौर में 22 अक्टूबर 1947 को शेख की शह पर पाक फौज जीपों व ट्रकों पर सवार होकर कश्मीर में चढ़ी चली आई। इस संकट से मुक्ति के लिए हरिसिंह विवश हुए और उन्होंने 26 अक्टूबर 1947 को विलय-पत्र पर हस्ताक्षर कर दिए। इसके बाद 27 अक्टूबर 1947 को कबिलाइयों को बेदखल करने के लिए हवाई जहाज से सेना भेज दी गई। भारतीय सैनिकों ने कबिलाइयों को खदेड़ दिया, किंतु दुर्गम क्षेत्र होने के कारण मुजफ्फराबाद का पीओके, गिलगिट व बाल्टिस्तान क्षेत्र पाक के कब्जे में बना रहा। इस परिप्रेक्ष्य में नेहरू जल्दबाजी में संयुक्त राष्ट्र संघ चले गए। संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद् ने इसे विवादित क्षेत्र घोषित कर दिया। परिणामस्वरूप युद्धविराम तो हो गया, लेकिन कश्मीर की शासन व्यवस्था को लेकर नेहरू, हरिसिंह और शेख के बीच दिल्ली समझौता हुआ। इस समझौते के आधार पर ही नेहरू ने शेख के सुपुर्द जम्मू-कश्मीर की कमान सौंप दी। इसके बाद कश्मीर को विशेष दर्जा देने के लिए 370 का अनुच्छेद पटेल और अंबेडकर के विरोध के बावजूद जोड़ दिए गए, जो अलगाव की दरार मोटी करते चले गए। हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की दृढ़ इच्छाशक्ति और राष्ट्रबोध के चलते यह अनुच्छेद-370 खत्म कर दिया गया है, लेकिन अभी गुलाम कश्मीर से पाकिस्तान का अवैध कब्जा हटाया जाना शेष है।

तोड़-फोड़ विरोधी उत्तम कानून

अब मध्य प्रदेश में भी उ.प्र. और हरयाणा की तरह तोड़-फोड़ के विरुद्ध काफी सख्त कानून लाया जा रहा है। इस कानून का स्वागत इसलिए किया जाना चाहिए कि राजनीतिक प्रदर्शनकारी ही नहीं, कई असामाजिक और अपराधी लोग भी भयंकर तोड़-फोड़ कर देते हैं और फिर छुट्टे घूमते हैं। यही अपराध वे अकेले में करें तो वे जेल और जुमार्ना भुगतेंगे लेकिन भीड़ बनाकर जब वे सरकारी और निजी संपत्तियों को नष्ट करते हैं तो वे साफ-साफ बच निकलते हैं लेकिन अब यह कानून बन जाने पर वे भीड़ को अपने कवच की तरह इस्तेमाल नहीं कर सकेंगे। मप्र में इस कानून का जो मसविदा सामने आया है, वह काफी सख्त है। उसके मुताबिक जो भी व्यक्ति किसी सरकारी या निजी संपत्ति को नष्ट करते पाया जाएगा, उससे उस संपत्ति की दुगुनी कीमत वसूली जाएगी। उस व्यक्ति के विरुद्ध फैसला होने के बाद 15 दिन के अंदर-अंदर उसे हजार्ना भरना होगा और यदि उसने देर की तो उस राशि पर उसे ब्याज भी देना होगा। यदि वह स्वेच्छा से हजार्ना नहीं भरता है तो उसकी चल-अचल संपत्ति भी जब्त की जा सकती है। यदि कोई गैर-सरकारी व्यक्ति अपने नुकसान के विरुद्ध मुकदमा चलाता है तो उसका सारा खर्च भी अपराधी को देना होगा। इस अपराध के लिए वे लोग तो जिम्मेदार माने जाएंगे ही जो तोड़-फोड़ करते हैं लेकिन उन नेताओं, दादाओं और मजहबी ठेकेदारों को भी जुमार्ना भरना पड़ेगा, जो भीड़ को भड़काने का काम करते हैं।यदि यह कानून ज्यों का त्यों बन गया तो इसके लागू होने के पहले ही इसका असर होने लगेगा। इसके डर के मारे तोड़-फोड़ लगभग बंद हो जाएगी। यह कानून लोगों को सिखाएगा कि वे किसी भी मुद्दे पर अपना असंतोष, असहमति और क्रोध जरूर प्रकट करें लेकिन मयार्दा भंग न करें। वे प्राण और वस्तु, दोनों की हिंसा से खुद को मुक्त रखें। यही लोकतांत्रिक तरीका है। महात्मा गांधी का अहिंसक प्रतिकार भी इसी तरह का था। इस कानून को पास करने के पहले यह जरूरी है कि पक्ष और विपक्ष के विधायक इस पर गहन विचार-विमर्श करें और इसे सर्वसम्मति से पारित करें। इस कानून के लागू करने की प्रक्रिया पर कुछ मतभेद हो सकते हैं। जैसे कि इस कानून के अनुसार कुछ न्यायाधिकरण बनाए जाएंगे, जो दोषियों का निर्धारण करेंगे और उनसे जुमार्ना वसूल करने की जिम्मेदारी जिला-प्रशासन की होगी।

-डॉ. वेदप्रताप वैदिक

हिन्दी बने व्यवहार और ज्ञान की भाषा

गिरीश्वर मिश्र

अक्सर भाषा को संचार और अभिव्यक्ति के एक प्रतीकात्मक माध्यम के रूप ग्रहण किया जाता है। यह स्वाभाविक भी है। हम अपने विचार, सुख-दुख के भाव और दृष्टिकोण दूसरों तक मुख्यतः भाषा द्वारा ही पहुंचाते हैं और संवाद संभव होता है। निश्चय ही यह भाषा की बड़ी भूमिका है परंतु इससे भाषा की शक्ति का केवल आंशिक परिचय ही मिलता है क्योंकि शायद ही कुछ ऐसा अस्तित्व में हो जो भाषा से अनुप्राणित न हो। भाषा से जुड़ कर ही वस्तुओं की अर्थवत्ता का ग्रहण हो पाता है। यही सोच कर भाषा को जगत की सत्ता और उसके अनुभव की सीमा भी कहा जाता है। सचमुच जो कुछ अस्तित्व में है वह समग्रता में भाषा से अनुविद्ध है। सत्य तो यही है कि भाषा मनुष्य जाति की ऐसी रचना है जो स्वयं मनुष्य को रचती चलती है और अपनी सृजनात्मक शक्ति से नित्य नई नई संभावनाओं के द्वार खोलती चलती है। हम ज्ञान, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और कला आदि अर्थात सभ्यता और संस्कृति के अंतर्गत शामिल उन सभी तत्वों का अनुभव जिन पर हम गर्व करते हैं, भाषा के द्वारा ही कर पाते हैं। दूसरे शब्दों में भाषाई निपुणता मनुष्यता का पर्याय हो जाती है। ऐसे में भाषा अतुलनीय संपदा का रूप ले लेती है और तब यह सापेक्षिक वर्चस्व से जुड़ जाती है। राष्ट्र राज्य की अवधारणा से संबद्ध होकर स्वयं भाषा का अस्तित्व राज-सत्ता पर आश्रित होने लगता है।

सत्ता के समीकरण के साथ भाषाओं का दायरा संकुचित या विस्तृत होता रहता है। यह एक सुखद आश्चर्य है कि भाषा की दृष्टि से भारत विश्व का एक अत्यंत समृद्ध देश है जहां सहस्त्राब्दियों से कई भाषाओं का प्रयोग होता आया है। इस क्रम में अवाचिक चरण से होकर लिपि के आविष्कार और उपयोग के साथ कई भाषाओं के प्रचुर साहित्य की उपस्थिति दर्ज हुई है। सिर्फ संस्कृत भाषा को ही लें, जो एक अतिप्राचीन भाषा है, तो भारत की विकसित ज्ञान-परम्परा की विशदता और गहनता का पता सहज में लग सकता है और यह भी मालूम हो सकता है कि इस महान भाषा को किस षड्यंत्र से ज्ञान की औपचारिक या प्रामाणिक व्यवस्था से ही बहिष्कृत कर दिया गया। चूंकि भाषा में ही संस्कृति बसती है इसलिए संस्कृत को परे ढकेल कर भारतीय संस्कृति को नुकसान पहुंचाने की अंग्रेजों की योजना कामयाब हो गई। तब अपनी ही संस्कृति पराई लगने लगी और उसके जीवन-मूल्य संदेह के घेरे में आ गए। दूसरी ओर अंग्रेजी साम्राज्य ने अपने भारतीय उपनिवेश में अपनी प्रभु-सत्ता की विशिष्टता स्थापित करने के लिए अंग्रेजी भाषा को जिस तरह से भारतीय जीवन के हर क्षेत्र में स्थापित किया। इसके द्वारा अंग्रेजों ने सोच-विचार और व्यवहार को इस तरह अंग्रेजीमय बना दिया कि अंग्रेजी ही प्रामाणिक हो गई और शिक्षा, स्वास्थ्य, कानून अर्थात जीवन के हर क्षेत्र में उसका दबदबा स्थापित होता गया। दूसरी ओर भारतीय भाषाओं के साथ एक किस्म की हीनता की भावना जुड़ गई। चूंकि भाषा का आत्म-गौरव और अस्मिता के साथ गहरा संबंध होता है इसलिए इसका व्यापक असर देश के साथ जुड़ाव पर भी पड़ता रहा। अंग्रेजी भाषा के अभूतपूर्व प्रभुत्व ने भारतीय मानस में एक मूल्य और आदर्श का स्थान ले लिया। हमने यह नहीं देखा कि जर्मन, फ्रांसीसी, स्पैनी, चीनी, रूसी, जापानी, कोरियाई और हिब्रू आदि भाषाओं में पढ़-लिखकर भी अंतरराष्ट्रीय स्तर का वैज्ञानिक अध्ययन और अनुसंधान करने की क्षमता विकसित होती है। इन सब देशों में विश्व स्तर के विश्वविद्यालय भी स्थापित हैं।

हम लोगों के नेताओं के मन में यह भाव घर कर गया कि अंग्रेजी ही दुनिया के लिए, ज्ञान और प्रगति के लिए इकलौती राह है। हमने अंग्रेजी वाली विचार-दृष्टि को एक सार्वभौमिक सत्य मान लिया और उसी का गुणानुवाद करने में जुटे रहे। इस दुराग्रह के प्रभाव में अंग्रेजी भाषा भारतीय समाज को जड़ों से काटने, उसे मौलिक चिंतन से महरूम करने और पर निर्भर बने रहने के लिए अभिशप्त करती रही. हम निरुपाय हो गए और अंग्रेजी की जकड़ इतनी मजबूत होती गई कि स्वतंत्र होने के सत्तर साल बीतने के बाद भी आज देश में भाषाई और स्वराज का स्वप्न पूरा नहीं हो सका। फलतः मन और बुद्धि बंधक हो चली है और विचारों में भी स्वराज नहीं आ सका।

यह ध्यातव्य है कि ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में भी हम वहां नहीं पहुंच सके जो अभीष्ट था और जहां पहुंचना चाहिए था। आज भी कोई विश्वस्तरीय उच्च शिक्षा का संस्थान विकसित नहीं हो सका है और हमारी ज्ञान-दृष्टि अधिकांशतः यूरोप और अमेरिका की छाया मात्र ही बन सकी। हमारे मेधावी छात्र अध्यापक उन्हीं को संदर्भ बिंदु मानते हैं। इस पृष्ठभूमि में हम भारत को भारत की दृष्टि से देखने का कोई अभ्यास ही विकसित नहीं कर सके और उसकी उपादेयता के बारे में भी संशय बना रहा। अब जब वैश्वीकरण का दौर चला तो फिर ज्ञान और ज्ञान की पद्धति का पश्चिम से आयात कुछ और तीव्र हो गया। हम विशेषज्ञता के लिए पश्चिम की ओर मुंह किए रहते हैं। पूर्व और पश्चिम के बीच ज्ञान-विज्ञान का विनिमय पर यह सारा उपक्रम एकतरफा होकर रह गया। अल्पकालिक दृष्टि से इस युक्ति के कुछ लाभ हो सकते हैं परंतु दूरगामी दृष्टि से इसके नुकसान ही हैं। सामाजिक दृष्टि से देखें तो भाषा के उपयोग को लेकर भारत एक बहुभाषी समाज के रूप में उपस्थित होता है और अनेक भारतीय भाषाएं साहित्य की दृष्टि से अत्यन्त समृद्ध हैं। सामान्य जीवन के अनौपचरिक क्षेत्रों (यथा-बाजार, मनोरंजन , घर परिवार) में भाषाई विविधता दिखती है। जनसंचार माध्यमों में भी इसका संज्ञान लिया जा रहा है परंतु ज्ञान निर्माण और प्रशासन में अंग्रेजी ही हावी है। देश में भाषा को लेकर संजीदगी से विचार नहीं हो पा रहा है। अभी तक कोई भाषाई नीति नहीं बन सकी है और इसके कई दुष्परिणाम हो रहे हैं।

सरकारी कामकाज में अंग्रेजी के बाहुल्य और प्राबल्य के चलते, जो केवल दस-बारह प्रतिशत भारतीयों की समझ में आती है, अधिकांश जन-जीवन में क्षोभ और कठिनाई का अनुभव होता है। इससे अनपेक्षित रूप से कार्य-हानि, विभिन्न अवसरों पर भेद-भाव और गैर-अंग्रेजीदां भारतीयों की मानवीय गरिमा को हानि पहुंचती है। फलतः मानवाधिकार के हनन की सी स्थिति बनती है। शिक्षा के माध्यम के रूप में मातृभाषा का उपयोग सर्वत्र स्वीकृत है तथापि अंग्रेजी को थोपने का प्रयास चालू है। यह बच्चों और उनके अभिभावकों दोनों के लिए हानिकारक है। इस तथ्य की सतत अनदेखी की जाती रही है और अभी भी कोई स्पष्ट नीति उपयोग में नहीं आ रही है। विद्यालयों में भाषा-अध्ययन के स्वरूप को त्रिभाषा सूत्र के अंतर्गत व्यवस्थित किया गया ताकि पूरे देश में विभिन्न भाषाओं का प्रचार प्रसार हो। परंतु यह कार्य अभी तक समुचित रूप से नहीं हो सका है। भारतीय संविधान ने निर्विवाद रूप से हिंदी को राज भाषा के रूप में स्वीकार किया और अंग्रेजी के उपयोग को तब तक सशर्त अनुमति दी जब तक हिंदी के प्रयोग की तैयारी पूरी न हो जाय। यह विचार समस्त देश के लिए एक संपर्क भाषा की आवश्यकता को ध्यान में रखकर किया गया। व्यावहारिक स्तर पर इस कार्य के लिए कई उपाय भी शुरू हुए। राज-भाषा विभाग की स्थापना के साथ ही, शब्दकोश तथा पुस्तक आदि सामग्री का निर्माण, भाषा तकनीकी का विकास, भाषा-प्रशिक्षण तथा प्रोत्साहन आदि के प्रयास होते रहे परंतु राजनीतिक दांवपेंच और सरकारी कार्य शैली की शिथिलता के फलस्वरूप हिंदी की उपयुक्तता / पात्रता की तिथि निरंतर टलती ही गई और अब वह राजनेताओं की मर्जी पर टिकी हुई है। उपेक्षा के कारण भाषा के प्रति दृष्टिकोण में गंभीरता नहीं आ सकी और हिंदी को लेकर दिवस/ सप्ताह/ पखवाड़ा / मास की उत्सवधर्मिता से आगे बढ़कर स्थायी कार्य नहीं हो सका। ऐसे ही विभिन्न सरकारी संस्थान पूरी क्षमता से कार्य नहीं कर सके हैं। उल्लेखनीय है कि किसी भी देश की उपलब्धि केवल आर्थिक पैमानों पर नहीं आंकी जा सकती। यह दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि भाषा के रूप में प्राप्त विरासत को संभालने और उसे संबर्धित करते हुए स्वयं को सम्पन्न बनाने की ओर जितना ध्यान दिया जाना चाहिए उतना ध्यान नहीं दिया जा सका। इसका परिणाम नई पीढ़ी में भाषा और संस्कृति के संस्कारों के दुर्बल होने में दिख रही है। यह स्थिति सुधी जनों तथा समाज के हितैषियों के लिए समान रूप से चिंतनीय है। इस तरह के सरोकारों पर चिंतन और उपयोगी हस्तक्षेप के लिए गैर सरकारी संगठनों की विशेष भूमिका है। आज आवश्यक है कि लोकभाषा हिंदी ज्ञान की भाषा बने और हम उसके उपयोग में गौरव का बोध करें। राजभाषा की प्रतीकात्मक सत्ता को जन व्यवहार में स्थापित करना ही एकमात्र विकल्प है।

पंजाबी कब्जे तै लिकड़ धूम मचाता अपणा डीजे

अर्चना सुहासिनी

जड़ै दूध दही का खाणा अर खूब खेत कमाणा, इसा था म्हारा हरियाणा। कल्चर कै नाम पै सिर्फ एग्री कल्चर मान्या जाण आळा हरियाणा। ईब कल्चर का अपणा नया रंग-रूप लेता दिक्खै है। ताळी बजाकै लोकगीतां पै नाचती लुगाई ईब डीजे पै नाचै हैं। फॉक तै पॉप तक का सफर करता हरियाणा ईब अपणे गीत संगीत की लहरी लेके दिल्ली, यूपी, राजस्थान, पंजाब पार करके विदेश म्ह भी पोहंच लिया है। एक जमाना था जब हरियाणवी माणस सांग-रागणी सुण के अर नार गीतां पै ताळी बजाके नाच्या-गाया करदी। ईब रागणी घड़वा बैंजू के साथ-साथ नए साज-बाज गैल डीजे पै आके छोटे-बड्डे, नर-नारी सबनै झूमण नै मजबूर करदे है। चाहे पाणी आळी पाणी प्या दे हो या फेर लीलो जमाना ही चोर है, खूब पसंद करी जां हैं। रागणियां की ढाळ लोकगीत मेरी सास के पांच पुतर थे, ढोल कुए म्ह लटकै सै, मुच्छ्यां आळी नार भी सिर्फ तालियां के मोहताज नहीं रहे। पहलां खुद हरियाणा म्ह डी जे पै पंजाबी गीत-संगीत का कब्जा था। पर ईब नए म्यूजिक की चाशनी म्ह डूबी रागणी, हरियाणवी मैशप, चटक-मटक, गजबन, काजल, तागड़ी, म्यूजिक ट्रैक के साथ बजते लोकगीत, बड़े-बुढ्यां कै गैल-गैल जवानां नै भी अपणे रंग म्ह रंगती जाण लागरी है। पुराणे टेम म्ह सांग रागणी के दीवाने बैलगाड़ी, ट्रैक्टर-ट्रॉली म्ह भर-भर कै दूर-दराज जाकै रागणी का सारी-सारी रात आनंद लिया करते। सूर्यकवि दादा लखमीचन्द, मांगेराम, धनपत, मेहर सिंह जिसे महान सांगियां की कविताई डीवीडी, कैसेट, सीडी तै होते हुए डीजे तक पोहंचगी। सांग रागणी म्ह पहलां महिला गायिकाओं की कमी होया करदी। जनाना बोल पै भी मदार्ना कब्जा था। पर ईब महिला गायिकाओं की आवाज नै नई ऊर्जा भर दी। इब्बे तक हरयाणवी सिर्फ हरियाणा कै भीतर ही थी, पर नए लेखकों नै हट ज्या ताऊ पाच्छै नै, मेरी ज्यान बांगड़ो, पाणी आळी पानी प्या दे, देसी का पव्वा कै सहारे डीजे भी पास करवा दिया। डीजे पै बढ़ती हरियाणवी धमक का एक बड्डा कारण सोशल मीडिया भी है। इण कै कारण नए गाणे लोगां की जुबान पै जल्दी चढ़ै हैं। तकनीक कै कारण कम खरचे म्ह काम चाल ज्या है। नये लेखक अर कलाकारां की मेहनत भी हरियाणवी की तरफ रुझान बढाण म्ह योगदान दे हैं। छमक-छल्लों, गजबण, गुड़ की डळी, मोटो जिसे शब्द जुबान पै चढ़ते देर ना लगाते। बढ़िया गीत कै साथ तेज संगीत ब्याह-शादी, पार्टी की ज्यान बणा दे हैं। पहलां सिर्फ लिरिक्स पै ज्यादा जोर था, पर ईब म्यूजिक म्ह नए प्रयोग की वजह तै धूम-धड़ाका पसंद नौजवानां की पहली पसंद बणगे हैं। जळवा पूजन, भात, शादी-ब्याह, सत्संग हर जगहां कब्जा करता डीजे विवादां म्ह भी रह है। एक ओर तो डीजे पै गऊ माता अर बेटी/लाडो पै बढ़िया गाणे बाजै हैं तो दूसरी ओर लाडो शब्द के अनुचित प्रयोग पै लट्ठ भी बाजे हैं। तन्नै मारूंगा दारू पीके, मारूंगा सुसरी के रैपटे जैसे गाणे डीजे पै बाजै हैं, अर लुगाइयां उणका बिना मतलब समझे बस म्यूजिक गैल ठुमके मारती देही तोड़ डांस करै हैं। हरियाणा म्ह जन्म तै लेके मरण तक के लोकगीतां कै साथ-साथ, फागण, सामण, कातक, ब्याह म्ह पीळे चावळ करण तै लेके बान-तेल, भात, रातिजुगा, बंदड़ा, बंदड़ी, सीठणे गांवती लुगाई ईब बीते जमाने की बात होली। गीतां पै लुगाई एक-एक कर नाच्या करदी, बाकी देख्या करदी। पर ईब तो डीजे बाजण की देर अक बस माचण दयो छड़दम। लोगां नै नाचण पै मजबूर करता डीजे कई कांड भी करण लागरया है। दारू, हथियारां के गाणा का इसा नसा चढ़ै, के हवाई फायर का शिकार होते देर नहीं लागै। कड़ै गामां म्ह डीजे बैन पै पंचात होण लागरी है तो दूसरे गाम म्ह डीजे पै घूंघट बैन करादे हो पिया बाजण लागरया है। पर सबतै बेखबर आपणी मस्ती आपणी धुन म्ह नित नए प्रयोग करता देस-परदेस की सीमा पार करता बाजण लागरया है डीजे।

पहले टेस्ट के लिए कानपुर पहुंची भारत और न्यूजीलैंड की टीम

नईदिल्ली। कानपुर के ग्रीनपार्क मैदान पर 25 नवंबर से शुरू हो रही दो टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मैच खेलने के लिए भारत और न्यूजीलैंड की टीमें सोमवार को कानपुर पहुंच गईं। दोनों टीमें मंगलवार से नेट अभ्यास करेंगी। दोनों टीमें कोलकाता से चार्टर्ड प्लेन से कानपुर के चकेरी हवाई अड्डा

मंगलवार से करेंगी नेट अभ्यास

करीब ढाई बजे पहुंची, जहां से उनको बायो बबल में बस से लैंडमार्क होटल ले जाया गया। भारतीय टीम के 11 खिलाड़ी शुक्रवार को ही कानपुर पहुंच कर होटल की 17वीं मंजिल पर क्वारंटीन हो गए थे, जबकि टीम के कोच राहुल द्रविड़, लोकेश राहुल, श्रेयस अय्यर, शुभमन गिल, मोहम्मद सिराज और रविचंद्रन अश्विन आज शाम यहां पहुंचे। होटल में न्यूजीलैंड और भारतीय खिलाड़ियों एवं स्टाफ का स्वागत आरती उतार कर किया गया। भारतीय टीम को 14वें और न्यूजीलैंड टीम को 15वीं मंजिल पर ठहराया गया है। शाम को भारतीय कप्तान अजिंक्य रहाणे और कोच राहुल द्रविड़ आश्चर्यजनक तरीके से बायो बबल को दरकिनार करते हुए कार से ग्रीनपार्क मैदान पहुंचे और पिच एवं आउटफील्ड का मुआयना किया। कुछ देर रूकने के बाद दोनों होटल वापस लौट गए।यूपीसीए के मुताबिक मंगलवार और बुधवार को दोनो टीमें बारी बारी नेट अभ्यास करेंगी। मंगलवार को दोपहर दो से पांच बजे तक भारतीय टीम अभ्यास करेगी जबकि न्यूजीलैंड की टीम दस बजे से एक बजे के बीच अभ्यास करेंगी। इसी तरह बुधवार को भारतीय टीम सुबह के सत्र में अभ्यास करने मैदान पर आएगी। वहीं मेहमान टीम दोपहर दो बजे से अभ्यास करेगी।

वेस्ट इंडीज ने चोटिल सोलोजानो की जगह शाई होप को टीम में शामिल किया

नई दिल्ली। वेस्ट इंडीज ने श्रीलंका के खिलाफ जारी दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए जेरेमी सोलोजानो की जगह पर शाई होप को टीम में शामिल किया है। सोलोजानो रविवार को अपने डेब्यू टेस्ट मैच के पहले दिन गेंद लगने से चोटिल हो गए थे। वेस्ट इंडीज की ओर से मैच रेफरी रंजन मदुगले द्वारा अनुमति मिलने के बाद होप को टीम में शामिल किए जाने की पुष्टि की गई है। 26 साल के सोलोजोनो के हेलमेट में फील्डिंग के दौरान श्रीलंका के कप्तान दिमुथ करुणारत्ने का जबरदस्त शॉट लगा। सोलोजोनो को शॉर्ट लेग में फील्डिंग करने के दौरान हेलमेट में बॉल लगी। इसके बाद हेलमेट उतारते ही वो जमीन पर गिर पड़े। इसके बाद उन्हें स्ट्रेचर पर मैदान से बाहर ले जाना पड़ा। गेंद इतनी तेजी से आई कि हेलमेट का अगला हिस्सा अपनी जगह से निकल गया। सोलोजानो मैदान पर गिर गए और कुछ पलों के लिए सुध बुध खो बैठे। ऐसे में खिलाड़ियों ने उन्हें चारों तरफ से घेर लिया। फीजियो ने उन्हें मैदान में आकर देखा और फिर उन्हें स्ट्रेचर पर मैदान से बाहर ले जाया गया और बाद में उन्हें स्कैन के लिए एम्बुलेंस से अस्पताल भेज दिया गया।

घटना के बाद शाम को अपडेट आया था कि स्कैन में सोलोजानो को किसी प्रकार अंदरूनी चोट नहीं आई है, लेकिन उन्हें निगरानी में रखने की जरूरत है। सोलोजोनो के मैदान से बाहर जाने के बाद शाई होप उनकी जगह फील्डिंग करने मैदान में उतरे थे, लेकिन अब उन्हें पहले टेस्ट के लिए कनकशन के रूप में टीम में शामिल किया गया है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट स्क्वॉड में शामिल होगा टीम इंडिया का यह चमकता सितारा!

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप करने के बाद टीम इंडिया अब दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए तैयार है। दोनों टीमों के बीच पहला टेस्ट 25 से 29 नवंबर तक कानपुर में खेला जाएगा। इसके बाद दूसरा टेस्ट तीन से सात दिसंबर तक मुंबई में होगा। पहले टेस्ट में विराट कोहली और रोहित शर्मा नहीं खेल रहे हैं और ऐसे में सूर्यकुमार यादव को भारत के टेस्ट स्क्वॉड में शामिल किया जा सकता है। सूर्यकुमार को केवल टी20 सीरीज के लिए ही भारतीय टीम में चुना गया था। भारत के लिए वनडे और टी20 खेल चुके सूर्यकुमार को अभी टेस्ट डेब्यू का इंतजार है।

अजिंक्य रहाणे पहले टेस्ट में भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे। यह सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का हिस्सा है और न्यूजीलैंड की टीम मौजूदा चैंपियन है। मिड डे की रिपोर्ट के मुताबिक, सूर्यकुमार यादव को कानपुर में पहले टेस्ट के लिए टीम इंडिया से जुड़ने को कहा गया है। एक सूत्र ने कहा, सूर्यकुमार यादव टेस्ट टीम में वापसी कर रहे हैं। वह कोलकाता से कानपुर जाएंगे और भारत की टेस्ट टीम से जुड़ेंगे। 31 साल के सूर्यकुमार ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टी20 में शानदार 62 रन बनाए थे। लेकिन अगले 2 मैच में वे क्रमशः 1 और 0 पर ही आउट हो गए थे। सूर्यकुमार ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 77 मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 44 की औसत से 5,326 रन बनाए। इसमें 14 शतक और 26 अर्धशतक शामिल हैं। सूर्यकुमार को इससे पहले, इंग्लैंड दौरे पर भी भारतीय टीम के साथ जोड़ा गया था। श्रीलंका दौरे के बाद उन्हें और पृथ्वी शॉ को इंग्लैंड भेजा गया था। हालांकि सूर्यकुमार को प्लेइंग इलेवन में खेलने का मौका नहीं मिला था।

केकेआर और मुंबई इंडियंस के मालिकों ने खरीदीं टीमें!

अगले साल होगा टूर्नामेंट का आयोजन

नई दिल्ली। आईपीएल फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर), मुंबई इंडियंस (एमआई) और इंग्लिश फुटबॉल क्लब मैनचेस्टर यूनाइटेड के मालिक आगामी दिनों में संयुक्त अरब अमीरात आधारित नई प्रीमियर लीग टी-20 टूनार्मेंट में फ्रेंचाइजियों के मालिक बनने के लिए तैयार हैं। लीग की योजना में शामिल एक अधिकारी के अनुसार छह मालिकों के साथ अलग-अलग स्तर पर चर्चा हो रही है जो अब अंतिम चरण में है।

अगले हफ्ते फ्रेंचाइजी मालिकों की औपचारिक घोषणाएं होने लगेंगी। इसी तरह टूनार्मेंट के प्रसारक की घोषणा किए जाने की उम्मीद है। अधिकारी ने कहा कि इनमें से एक कोलकाता नाइट राइडर्स के मालिक हैं जो लाइन-अप में हैं, जबकि रिलायंस इंडस्ट्रीज, जिसके पास मुंबई इंडियंस का स्वामित्व है, अपनी ओर से औपचारिकता पूरी कर रहा है। उन्होंने कहा कि नियम और शर्तों को अंतिम रूप दे दिया गया है। अब केवल इसे अंतिम रूप देने के लिए मुंबई इंडियंस के मालिकों के साथ औपचारिक तौर पर हाथ मिलाने की जरूरत है। अधिकारी ने कहा, अन्य फ्रेंचाइजी मालिकों में कैपरी ग्लोबल शामिल हैं, जिन्होंने हाल ही में एक आईपीएल फ्रेंचाइजी के लिए बोली लगाई थी, लेकिन वह इसमें असफल रहे। इसके अलावा बिग बैश लीग फ्रेंचाइजी सिडनी सिक्सर्स और आईपीएल फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स के सह-मालिक किरण कुमार शामिल हैं। सभी छह फ्रेंचाइजी मालिकों के साथ अनुबंधों का आदान-प्रदान किया गया है और सफल चचाएं हुई हैं। वित्तिय शर्तों को अंतिम रूप दे दिया गया है। अधिकतर फ्रेंचाइजियों के वकील, सलाहकार और अन्य सदस्य ही अब विवरण देख रहे हैं।

मैनचेस्टर यूनाइटेड के स्वामित्व वाला ग्लेजर परिवार भी टी-20 लीग में फ्रेंचाइजी का मालिक बनने के लिए तैयार है। यह उसकी क्रिकेट में पहली एंट्री होगी। ग्लेजर परिवार भी दो नई आईपीएल फ्रेंचाइजियों में से एक के लिए असफल बोलीदाताओं में से एक था। समझा जाता है कि चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के मालिक भी लीग को लेकर कुछ साल पहले शुरू हुई चचाओं में शामिल थे। आईपीएल के पूर्व मुख्य परिचालन अधिकारी और वर्तमान में सीएसके के सलाहकार सुंदर रमन भी लीग की शुरूआती रणनीति का हिस्सा थे। छह टीमों वाली इस लीग को अमीरात क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) द्वारा मंजूरी दी गई है और वह जनवरी-फरवरी विंडो में इसके लिए जगह बनाना चाह रहा है, हालांकि इसका उद्घाटन सीजन 2022 में फरवरी-मार्च में खेले जाने की संभावना है। प्रीमियर लीग टी-20 की घोषणा इस साल अगस्त में की गई थी, हालांकि उस समय यह स्पष्ट नहीं हुआ था कि इसमें कौन-कौन शामिल हो सकता है।

जानकारी के मुताबिक लीग एक नॉकआउट चरण के साथ डबल राउंड-रॉबिन प्रारूप में होगी, जिसमें कुल 34 मैच खेले जाएंगे। इनमें चार क्वालीफायर, एक एलिमिनेटर और एक फाइनल होगा जो नॉकआउट चरण का हिस्सा होगा। फिलहाल इस पर कोई निर्णय नहीं किया गया है कि खिलाड़ियों को ड्राफ्ट सिस्ट से लाया जाएगा या नीलामी के माध्यम से, हालांकि एक बार घोषणा हो जाने और योजना को अंतिम रूप देने के बाद इस पर आम सहमति में अधिक समय लगने की उम्मीद नहीं है।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की मेजबानी पाकिस्तान को देने पर आईसीसी ने दिया बड़ा बयान, भारत की भागीदारी को लेकर कही यह बात

नई दिल्ली। पाकिस्तान को 2025 चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी सौंपने के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) को भरोसा है कि एक दशक से अधिक समय तक वहां खेलने को लेकर ऐतराज के बावजूद अब टीमों को इस वैश्विक टूनार्मेंट के लिए कोई परेशानी नहीं होगी। आईसीसी ने पिछले सप्ताह पाकिस्तान को 2025 चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी का अधिकार दिया था। इससे दो दशकों से अधिक समय के बाद पाकिस्तान में बड़े टूनार्मेंट की वापसी होगी। पिछली बार पाकिस्तान ने अपनी सरजमीं पर 1996 विश्व कप के रूप में आईसीसी टूनार्मेंट की मेजबानी की थी। उस विश्व कप में भारत और श्रीलंका भी सह-मेजबान थे।

श्रीलंका की टीम की बस पर 2009 में लाहौर में हुए आतंकवादी हमले के बाद से यह देश में कई अंतरराष्ट्रीय टीमों की मेजबानी नहीं कर पाया है। आईसीसी के अध्यक्ष ग्रेग बार्कले ने मीडिया राउंडटेबल के दौरान समाचार एजेंसी पीटीआई-भाषा के सवाल के जवाब में कहा, इसका जवाब हां है, हम अब तक जो देख रहे है उसके मुताबिक बिल्कुल हां (टीमें यात्रा करेंगी)। आईसीसी क्रिकेट आयोजन कई वर्षों के बाद पाकिस्तान में वापस आ रहा है। पिछले कुछ हफ्तों में जो हुआ उसे छोड़कर यह सब बिना किसी मुद्दे के आगे बढ़ा है।

इस साल सितंबर में, न्यूजीलैंड और इंग्लैंड सुरक्षा चिंताओं के कारण पाकिस्तान दौरे पर खेली जाने वाली द्विपक्षीय सीरीज से पीछे हट गए थे। बार्कले ने जोर देकर कहा कि अगर आईसीसी को लगता कि पाकिस्तान सफलतापूर्वक इसका आयोजन नहीं कर सकेगा तो उसे मेजबानी का अधिकार नहीं देता। उन्होंने कहा, अगर हमें पाकिस्तान की मेजबानी पर संदेह होता तो हम इस आयोजन का अधिकार उसे नहीं देते। टूनार्मेंट में भारत की भागीदारी एक संदेह बनी हुई है क्योंकि भारत में आतंकी हमलों के बाद राजनयिक तनाव के कारण दोनों पड़ोसी देशों के बीच 2012 के बाद से किसी द्विपक्षीय क्रिकेट का आयोजन नहीं हुआ है। खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने पिछले सप्ताह कहा था कि चैम्पियन्स ट्रॉफी में भारत की भागीदारी पर फैसला समय आने पर लिया जाएगा क्योंकि अंतरराष्ट्रीय टीमों के लिए पड़ोसी देश का दौरा करने के लिए अभी भी सुरक्षा मुद्दे हैं। बार्कले ने इसे चुनौतीपूर्ण मुद्दा करार देते उम्मीद जताई कि क्रिकेट के जरिए दोनों देशों के रिश्तों में सुधार हो सकती है।

श्रीलंका के स्पिनरों ने कसा शिकंजा, वेस्टइंडीज पर छाए संकट के बादल

नई दिल्ली। रमेश मेंडिस की अगुवाई में स्पिनरों के शानदार प्रदर्शन से मेजबान श्रीलंका ने दो टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट के दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक सोमवार को गॉल इंटरनेशनल स्टेडियम में वेस्टडंडीज के 113 रन पर छह विकेट चटका लिए। श्रीलंका ने पहली पारी में 386 रन बनाए हैं। वेस्टइंडीज दूसरे दिन के खेल के बाद उससे 273 रन पीछे है और उसके चार विकेट शेष है। दूसरे दिन स्टंप्स के समय कायल मायर्स (22) और जेसन होल्डर (1) क्रीज पर मौजूद थे। ऑफ स्पिनर मेंडिस ने 23 रन पर तीन विकेट लिए। प्रवीण जयविक्रमे ने 25 रन पर दो विकेट जबकि बाएं हाथ के उनके साथी स्पिनर लसिथ इम्बुलडेनिया ने 39 रन देकर एक विकेट लिया। इससे पहले, ऑफ स्पिनर चेज (83 रन पर पांच विकेट) की शानदार गेंदबाजी से वेस्टइंडीज ने श्रीलंका के बचे हुए सात विकेट 119 के अंदर निकाल कर शानदार वापसी की। इसमें बायें हाथ के स्पिनर जोमेल वार्रिकन ने 87 रन देकर तीन विकेट लेकर उनका बखूबी साथ दिया। श्रीलंका ने दिन की शुरूआत तीन विकेट पर 267 रन से की। उस समय कप्तान दिमुथ करुणारत्ने 132 और धनंजय डिसिल्वा 56 रन पर थे। डिसिल्वा हालांकि कल के अपने स्कोर में सिर्फ पांच रन जोड़कर शैनन गेब्रियल (69 रन पर दो विकेट) की गेंद पर हिट विकेट हो गए। उन्होंने करुणारत्ने के साथ चौथे विकेट के लिए 111 रन की साझेदारी की। इसके कुछ समय के बाद ही चेज ने करुणारत्ने को स्टंप आउट करवाकर उनकी 147 रन की पारी को खत्म किया। करुणारत्ने ने अपनी 300 गेंद की पारी में 15 चौके जड़े। अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश चांदीमल ने 83 गेंद में 45 रन की पारी खेलने के साथ पुछल्ले बल्लेबाजों के साथ साझेदारी कर स्कोर को 360 रन के के पार पहुंचाया।

संदिग्ध परिस्थितियों में मड़ई में लगी आग

अखंड भारत संदेश

गोपीगंज। कोतवाली क्षेत्र के सरई मिश्रानी के पसियांन बस्ती के एक मड़ई में संदिद्ध परिस्थितियों में आग लगने की सूचना मिली है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बताया जाता है की दिन के लगभग 11के आसपास विनोद कुमार पासी पुत्र बोड़ई पासी पसियान बस्ती के मड़ई से धुवां निकलना शुरू हुआ जिसे देखकर घर के अंदर की महिलाओं ने निकलकर देखा तो आग लगी थी जिसे बुझाने के लिए आग पर काबू पाने का प्रयास किया और पड़ोसियों की मदद से आग पर काबू पाया तब तक मड़ई में खड़ी मोटरसाइकिल जिसका नंबर यू पी 62 बी यू 9801 आंशिक रूप से जल गई व मड़ई में रखा गल्ला व चारपाई खेत में पानी भरने वाला पाइप जल चुका था। बताते चले की घर पर कोई आदमी घटना के समय मौजूद नहीं थे सभी काम से बाहर चले गए थे।

विक्षिप्त व्यक्ति को बचाने के प्रयास में बाईक सवार भाई बहन गंभीर रूप से घायल

अखंड भारत संदेश

गोपीगंज, भदोही। कोतवाली क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित चकपडौना के पास एक विक्षिप्त व्यक्ति को बचाने के प्रयास में प्रयागराज से एसआई की परीक्षा देकर लौट रहे भाई अरजीत गौड़ 23 पुत्र राजेंद्र प्रसाद गौड़ निवासी दांदूपुर चांदमारी थाना शिवपुर वाराणसी और सोनी कुमारी 28 पुत्री राजेंद्र प्रसाद निवासी उपरोक्त बहन गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हे स्थानीय लोगों की सूचना पर पीआरबी 2293 ने पहुंच कर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोपीगंज पहुंचाया। वही विक्षिप्त व्यक्ति को एम्बुलेंस से लाया गया। जहा भाई और विक्षिप्त की हालत नाजुक होने पर उन्हें ट्रामा सेंटर वाराणसी को रेफर किया गया। घायल के पास से मिले मोबाइल के आधार पर पुलिस ने परिजनों को सूचित कर दिया है।

भगवान पर पूर्ण भरोसा करने वाला ही सच्चा भक्त है : महराज शरद

अखंड भारत संदेश

गोपीगंज,भदोही। कोईरौना क्षेत्र के बेरवां पहाड़पुर में स्थित पंचवटीधाम आश्रम में मथुरा वृन्दावन से पधारे कथावाचक आचार्य शरद कृष्ण जी महराज ने अपने संगीतमय प्रवचन में कहा कि भागवत सभी कष्ट और रोगों को मिटाने में समर्थ है। भागवत की कथा चार जगह हुई जो अपने पर खास है। भागवत कथा श्रवण करने से कई गुना फल मिलता है। कहा कि भागवत कथा समेत समारोह में जाने से पुण्य मिलता है। महराज ने कहा कि भगवान का अवतार तभी होता है जब जब धर्म की हानि होने लगती है तब भगवान को गौ,भक्त,पृथ्वी की रक्षा के लिए अवतार लेना पड़ता है। संसार में सभी चीजों का निर्माण करने वाला और विनाश करने वाला परमात्मा ही है। महाराज ने बताया कि रामायण भगवान का घर है जबकि रामचरितमानस सरोवर है। कर्म के बारे बताया कहा कि कर्म तीन प्रकार का होता है। जिसमें कर्म, अकर्म और विकर्म प्रमुख रूप में होता है। कर्म अपने सनातन धर्म की रक्षा करे। अकर्म सनातन धर्म को नही मानता तथा विकर्म लोगो को सनातन कार्य होने से रोकता है। क्योकि इस तरह के आयोजन भगवान की कृपा से होती है। क्योकि भागवत जोडना सिखाती है न कि तोड़ना सिखाती है। कहा कि कही जाये या न जाये लेकिन वृंदावन जरूर जाये तथा कोई कथा सुने न सुने लेकिन भागवत कथा जरूर सुने। राम की कृपा से संतों की संगति होती है। इसलिए संतों की कृपा जरूरी है। इसलिए सभी को यह हमेशा सोचना चाहिए कि हर कार्य भगवान की कृपा से ही हो रहा है और भगवान किसी न किसी रूप में मेरे साथ है। इसलिए भगवान को कभी भी नही भूलना चाहिए। क्योकि सभी कार्य भगवान की कृपा से ही होता है। लेकिन यह ध्यान रहे कि भरोसा पूरी तरह से भगवान पर होना चाहिए। इस मौके पर सुकुरू पाण्डेय, तेजबली पाण्डेय, हर्षदेव पाण्डेय, शिवदीप पाण्डेय, विवेक मिश्रा, बबित ओझा, रवि प्रकाश पाण्डेय, इन्द्रनाथ पाण्डेय, भाष्कर पाण्डेय, अम्बरीष तिवारी, प्रदीप पाण्डेय, लवकुश तिवारी, अमित ओझा, रमेश यादव, संतोष तिवारी, मानिक चन्द पाण्डेय और आनंद पाण्डेय समेत काफी संख्या में क्षेत्र के लोग मौजूद रहे।

बगैर सूचना के नगर पालिका ने वार्ड में लगवाया वैक्सिनेशन कैंप

अखंड भारत संदेश

गोपीगंज। दिन सोमवार को नगर पालिका परिषद ने वार्ड नंबर 21 में कोविड वैक्सिनेशन कैंप का आयोजन किया परंतु इसकी जानकारी किसी पब्लिक या वार्ड सभासद को नही दी गई। जब वहा पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोपीगंज के डाक्टर और वैक्सीन लगाने वाले स्टाफ पहुंचे तो वहा पर व्याप्त गंदगी और दुर्व्यवस्था देखकर डाक्टर नाराज होकर वापस चले गए जब की ए एन एम सालसा ,सहित वर्कर

गंदगी देखकर नाराज होकर वापस हुए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक

ने वार्ड सभासद आनंद मोदनवाल को सूचना दिया तो पहुंच कर सभासद ने स्वास्थ्यकर्मियों को कुर्सी मेज का इंतजाम करवाकर किसी तरह बैठाया पर किसी को सूचना न होने के कारण नागरिकों को बुलाने पर इक्का दुक्का लोग ही पहुंच पाए इसी बात को लेकर नाराज सभासद आनंद मोदनवाल ने जब दुर्व्यावस्था के बारे में अधिशासी अधिकारी को फोन किया तो उन्होंने कहा की हमने ग्रुप में डाल कर मैसेज फारवर्ड कर दिया था। ब्यापत गंदगी को देखकर भड़के सभासद आनंद मोदनवाल,पूर्व सभासद वर्तमान सभासद पति जितेंद्र गुप्ता ने इसकी शिकायत उच्चाधिकारियों से करने की बात कही है। वही दोनो सभासद किसी तरह वैक्सिनेशन के लिए डोर टू डोर लोगो को इकट्ठा करने का प्रयास करते देखे गए।

भाजपा ने बंगाल से ली सीख

दूसरे दलों के नेताओं को यूपी में नहीं मिलेगी धड़ल्ले से एंट्री

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश में दूसरे दलों से आने वाले नेताओं को लेकर विशेष सावधानी बरत रही है। सामाजिक व राजनीतिक समीकरणों के साथ बाहरी नेताओं की प्रतिबद्धता को भी ध्यान में रखा जा रहा है। जिन नेताओं को दल में लिया जाएगा, उनकी 2024 की रणनीति में उपयोगिता को भी परखा जा रहा है। भाजपा ने उत्तर प्रदेश में चुनावी रणनीति को देखते हुए ज्वाइनिंग कमेटी गठित की है। जिसका अध्यक्ष पूर्व प्रदेश अध्यक्ष लक्ष्मीकांत वाजपेयी को बनाया गया है। इस हाई प्रोफाइल कमेटी में दोनों उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, दिनेश चंद्र शर्मा को रखा गया है। साथ ही दयाशंकर सिंह को भी शामिल किया गया है। चूंकि इस तरह की समिति बनाने का सुझाव पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व की तरफ से दिया गया था, इसलिए इसका रणनीतिक महत्व बहुत ज्यादा है।

दरअसल, हाल में प्रदेश में दूसरे दलों से आए कुछ ऐसे नेताओं को शामिल किया गया था, जिन पर पार्टी के ही नेताओं ने सवाल उठाए थे और केंद्रीय नेतृत्व तक शिकायत की गई थी। एक ऐसे ही नेता की सदस्यता बाद में निरस्त भी करनी पड़ी थी। इससे पार्टी की किरकिरी हुई थी।

चूंकि चुनाव के समय काफी नेताओं की आवाजाही होती है, इसलिए पार्टी ने सतर्कता बरतने के लिए ही इस तरह की कमेटी गठित की है। पश्चिम बंगाल में भी पार्टी ने अपनी ताकत बढ़ाने के लिए बड़ी संख्या में दूसरे दलों के नेताओं को शामिल किया था, लेकिन चुनाव नतीजे अनुकूल न आने पर कई नेता पार्टी छोड़कर चले गए। इससे भी पार्टी को असहज स्थिति का सामना करना पड़ा है। पार्टी के एक महासचिव ने कहा कि चूंकि उत्तर प्रदेश सबसे बड़ा राज्य है। उसका राजनीतिक प्रभाव ज्यादा होता है, इसलिए पार्टी वहां के चुनावों को लेकर अतिरिक्त सावधानी भी बरत रही है। बड़ा प्रदेश होने से कई जानकारी छूट जाती है, इसलिए पूरी जांच पड़ताल जरूरी है। हालांकि, अन्य राज्यों में भी दूसरे दलों से नेता आते रहते हैं।

सैफई से शिवपाल ने अखिलेश यादव को दिया एक सप्ताह का अल्टीमेटम, कहा- समझौता न हुआ तो उठाएंगे अगला कदम

सैफई। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव नजदीक हैं और समाजवादी परिवार में अब तक एकता पर फैसला नहीं हो सका है। सोमवार को समाजवादी पार्टी के संरक्षक मुलायम सिंह यादव के जन्मदिन पर भी एकता नहीं हो सकी, जिसे लेकर काफी समय से कयास लगे रहे हैं। एक तरफ अखिलेश यादव ने लखनऊ के पार्टी मुख्यालय में मुलायम सिंह यादव से केक कटवाकर आशीर्वाद लिया तो वहीं शिवपाल यादव पैतृक गांव में सभा करते दिखे। इस दौरान शिवपाल यादव ने भतीजे अखिलेश यादव को एकता के लिए एक सप्ताह का अल्टीमेटम दिया है। उन्होंने कहा कि यदि एक सप्ताह में ऐसा कोई फैसला नहीं हुआ तो फिर वह अगले कदम पर विचार करेंगे। शिवपाल यादव ने मुलायम सिंह यादव के जन्मदिन पर केक काटने के बाद लोगों को संबोधित किया। सैफई में शिवपाल यादव ने कहा, हमने अखिलेश से सिर्फ 100 सीटें मांगीं कि सर्वे करा लो और जो सीटें जीतने लायक लगें, उन्हें हमें दे दो। हमारा कहना है कि यदि गठबंधन नहीं कर सकते हो तो फिर विलय ही कर लो। एकता में जो ताकत है, वह बिखराव में नहीं है। हमारी बलिया, गोरखपुर और देवरिया में कितनी बड़ी रैली हुई है। लेकिन लोग एकता के पक्ष में हैं। इसलिए इस पर जल्दी ही कोई फैसला हो जाना चाहिए। यदि इस पर कोई फैसला नहीं होता है तो फिर हम एक सप्ताह के बाद फैसला लेंगे।

शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि यदि एक सप्ताह के अंदर फैसला नहीं होता है तो फिर लखनऊ में सम्मेलन बुलाएंगे और हर जगह पर रैलियां करेंगे। उन्होंने कहा, एक सप्ताह में गठबंधन नहीं हुआ तो फिर हम लखनऊ में सम्मेलन करेंगे। हम तो चाहते हैं कि एका हो जाए। हम अपने लोगों से राय लेंगे कि क्या करना है और फिर आप लोग जो फैसला देंगे, हम उस पर चलेंगे। हम चाहते हैं कि 2022 में प्रगतिशील समाजवादी पार्टी सत्ता में जरूर आए। शिवपाल यादव ने कहा कि फिलहाल देश में हालात ठीक नहीं हैं। भाजपा की वजह से देश में किसान, गरीब, नौजवान, मुसलमान और किसान परेशान हैं। महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार से लोग परेशान हैं।

आईआईटी में अतिरिक्त सीट सृजित कर दलित छात्र को दाखिला दें: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को देश के अति प्रतष्ठित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मुंबई में अतिरिक्त सीट सृजित कर एक दलित छात्र को दाखिला देने का आदेश दिया। आईआईटी मुंबई में जरूरी योग्यता के बावजूद याचिकाकर्ता 17 साल के प्रिंस जयवीर सिंह को ऑनलाइन भुगतान करने में तकनीकी खामियों की वजह से दाखिला देने से इनकार कर दिया था। न्यायमूर्ति डी. वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति ए. एस. बोपन्ना की पीठ ने नामांकन से संबंधित जॉइंट सीट एलॉटमेंट अथॉरिटी को आदेश दिया कि वह पहले दाखिला पा चुके वद्यिार्थियों को बिना नुकसान पहुंचाए एक अतिरिक्त सीट सृजित करे और याचिकाकर्ता को आईआईटी मुंबई में दाखिला दिया जाए। याचिकाकर्ता ने देशभर के इंजीनियरिंग कॉलेजों में दाखिले के लिए आयोजित संयुक्त प्रवेश (जेईई) 2021 में ऑल इंडिया स्तर पर 25,894 तथा अनुसूचित जाति कोटे के तहत 864 की रैंक हासिल कर सिविल इंजीनियरिंग नामांकन आवेदन किया था लेकिन तकनीकी खामियों की वजह से वह ऑनलाइन नामांकन शुल्क भुगतान करने में नाकाम हो गया था। प्रिंस जयवीर सिंह ने दाखिला देने से इनकार किए जाने के बाद नामांकन से संबंधित संस्थान के अधिकारियों से गुहार लगाई थी लेकिन सभी ने इस मामले में तकनीकी खामियों का हवाला देते हुए दाखिला देने में असमर्थता व्यक्त की थी।

लखनऊ पहुंचे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, चुनाव पर बीएल संतोष और धर्मेंद्र प्रधान के साथ गहन मंथन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव में जीत के लिए सटीक बिसात बिछाने के लिए भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश से लेकर राष्ट्रीय नेता लगातार सिर जोड़कर बैठ रहे हैं। दो दिवसीय प्रवास पर उत्तर प्रदेश आए पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा कोर कमेटी के साथ बैठक करने के लिए रविवार शाम को गोरखपुर से लखनऊ पहुंच गए। चुनाव पर गहन मंथन के लिए देर शाम राष्ट्रीय महामंत्री संगठन बीएल संतोष और प्रदेश चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान भी दिल्ली से आ गए। 2022 में भाजपा के विजय रथ को रोकने के लिए विपक्षी दल घेराबंदी बनाने में जुटे हैं। ऐसे में भाजपा के रणनीतिकार बार-बार समीक्षा कर चुनौतियों को चिन्हित कर उनके समाधान की रणनीति बनाने में जुटे हैं। पिछले दिनों गृहमंत्री अमित शाह यहां संगठन की बैठकें लेने के लिए पार्टी मुख्यालय पहुंचे तो क्षेत्रवार समीक्षा की। फिर वाराणसी में प्रदेशभर के क्षेत्र व जिला पदाधिकारियों के साथ बैठक कर फीडबैक लिया। चुनाव में जीत के टिप्स दिए। इधर, हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तीन कृषि कानूनों को वापस लेने की घोषणा कर दी है, जिनका असर पश्चिम और तराई क्षेत्र की लगभग सवा सौ सीटों पर पड़ने की आशंका थी।

फिर डीजीपी सम्मेलन में भाग लेने आए प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की राजभवन में दो दिन मुलाकात हुई। बताया जाता है कि योगी ने मोदी को फीडबैक दिया और मोदी ने उन्हें मार्गदर्शन। अब कृषि कानून वापस लेने की घोषणा के साथ ही परिस्थितियां कुछ बदलने की संभावना है। ऐसे में भाजपा कुछ सीटों के लिए नए सिरे से रणनीति पर मंथन में जुट गई है। बूथ अध्यक्षों के सम्मेलन को रविवार को संबोधित करने के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा लखनऊ स्थित पार्टी मुख्यालय पहुंचे। देर शाम राष्ट्रीय महामंत्री संगठन बीएल संतोष और प्रदेश चुनाव प्रभारी व केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान भी दिल्ली से आ गए। इसके बाद लगभग 9.30 बजे कोर कमेटी की बैठक शुरू हो गई। इसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रदेश प्रभारी राधा मोहन सिंह, प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, डा. दिनेश शर्मा, प्रदेश महामंत्री संगठन सुनील बंसल और सह महामंत्री संगठन कर्मवीर भी थे। माना जा रहा है कि राष्ट्रीय और प्रदेश स्तर के वरिष्ठ नेताओं के बीच विधान सभा चुनाव की अब तक हुई तैयारी, बूथ अध्यक्षों के सम्मेलन, सदस्यता अभियान से लेकर तमाम मुद्दों पर चर्चा हुई है।

राहुल गांधी को बॉम्बे एचसी से मिली राहत

निचली अदालत को मानहानि केस में सुनवाई टालने का निर्देश

मुंबई। हाईकोर्ट ने सोमवार को मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट की अदालत को निर्देश दिया कि वह कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी के एक कार्यकर्ता द्वारा दायर आपराधिक मानहानि के मुकदमे पर सुनवाई 20 दिसंबर से आगे बढ़ाए। राहुल गांधी ने 2018 में एक चुनावी रैली में कथित तौर पर दिए गए एक बयान के लिए उनके खिलाफ दायर आपराधिक शिकायत को रद्द करने के लिए बॉम्बे हाईकोर्ट का रुख किया था। जस्टिस एसके शिंदे की सिंगल बेंच कोर्ट ने दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 482 के तहत राहुल गांधी की याचिका में आदेश पारित किया।2019 में एक चुनावी रैली के दौरान, राहुल गांधी ने ₹चौकीदार चोर है₹ कहते हुए लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर चुटकी ली थी। इससे आहत होकर भाजपा के एक कथित सदस्य ने कांग्रेस नेता के खिलाफ मानहानि की शिकायत दर्ज की थी। शिकायत पर संज्ञान लेते हुए मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट की अदालत ने 2019 में राहुल गांधी के खिलाफ मामले में प्रक्रिया जारी की। श्रीश्रीमल ने राहुल गांधी की याचिका पर जवाब दाखिल करने के लिए अपने वकील से समय मांगा।

उद्धव ठाकरे ने भगवा छोड़कर अपना लिया हरा, हिंसा को लेकर भाजपा नेता ने कसा तंज

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के नेता किरीट सोमैया ने सोमवार को त्रिपुरा हिंसा के खिलाफ एक रैली के बाद महाराष्ट्र में हुई हिंसा के सिलसिले में पार्टी नेताओं की गिरफ्तारी पर उद्धव ठाकरे की खिंचाई की। सोमैया ने तंज कसते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ठाकरे ने ₹भगवा झंडा₹ छोड़ दिया है और ₹हरा₹ अपना लिया है। सोमवार को भाजपा नेता किरीट सोमैया ने कहा, ₹मुख्यमंत्री पद के लिए उद्धव ठाकरे ने भगवा झंडा पीछे छोड़ दिया है और पूरी तरह से हरे हो गए हैं। अब कांग्रेस, राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी और शिवसेना अधिक से अधिक मुस्लिम वोट बैंक हासिल करने की होड़ में हैं।₹ उन्होंने कहा, ₹रजा अकादमी और उससे जुड़े लोगों के खिलाफ कोई जांच नहीं की गई है, जिन्होंने तीन शहरों में दंगा भड़काया। लेकिन जब भारतीय जनता पार्टी या बजरंग दल के कार्यकर्ता सड़क पर आए तो उनके खिलाफ कार्रवाई की गई। यह स्वीकार्य नहीं है।

उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के दोस्तों के खिलाफ कथित मामलों के बारे में बोलते हुए भाजपा नेता ने कहा, ₹पवार के दोस्त बेनामी संपत्ति की जांच में प्रवर्तन निदेशालय के साथ सहयोग नहीं कर रहे हैं। अजीत पवार समूह द्वारा हजारों करोड़ गैर-हस्तांतरणीय लेनदेन से आ रहे हैं। अब तक कुल 21 सौ करोड़ की धोखाधड़ी सामने आई है।₹ इससे पहले पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस उद्धव ठाकरे सरकार को महाराष्ट्र में रजा अकादमी पर प्रतिबंध लगाने की चुनौती दे चुके हैं। एएनआई से बातचीत में सोमैया ने कहा, ₹रजा अकादमी केवल कांग्रेस सरकार के तहत पुलिस पर हमला क्यों करती है? इससे पहले मुंबई में दंगे और पुलिस पर हमले इसी संगठन द्वारा किए गए थे। हर कोई जानता है कि रजा अकादमी के पीछे कौन है। मैं रजा पर प्रतिबंध लगाने की मांग करता हूं। क्या कांग्रेस ऐसा करेगी? उन्होंने कहा कि जिस तरह से एकतरफा जांच चल रही है, उसकी हम निंदा करते हैं, हिंदुत्व समूहों और भाजपा से जुड़े लोगों की एक सूची को केवल इस तथ्य के बावजूद गिरफ्तार किया जा रहा है कि वे मौके पर मौजूद थे या नहीं। अगर यह जांच नहीं रुकी तो भाजपा के स्वयंसेवक एक साथ जाएंगे और जेलों में भरेंगे। बता दें कि 27 अक्टूबर को त्रिपुरा के पानीसागर में हुई हिंसा के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों में महाराष्ट्र के नांदेड़, मालेगांव और अमरावती में 12 नवंबर को पथराव की घटनाएं हुई थी। त्रिपुरा के महानिरीक्षक (आईजी) कानून और व्यवस्था प्रभारी सौरभ त्रिपाठी ने कहा था कि त्रिपुरा के पानीसागर में हुई हिंसा को दशार्ने वाली फेक तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित किए जा रहे थे। उन्होंने कहा था कि त्रिपुरा में किसी भी मस्जिद में आग की कोई घटना नहीं हुई। पुलिस ने हिंसा फैलाने वालों के खिलाफ शिकायतें दर्ज की हैं और जो कुछ भी हुआ था उस पर जांच शुरू कर दी है।

सीएए-एनआरसी रद्द करने की मांग पर भड़के टिकैत, ओवैसी-बीजेपी को बताया चाचा-भतीजा गठबंधन

नईदिल्ली। किसान नेता राकेश टिकैत ने एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी और भारतीय जनता पार्टी को चाचा-भतीजा का एक गठबंधन बताया है। भारतीय किसान संघ के नेता राकेश टिकैत ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी की नागरिकता अधिनियम, 2019 और नागरिकों के राष्ट्रीय रजिस्टर को निरस्त करने की मांग पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। उन्होंने कहा, ओवैसी और भाजपा चाचा-भतीजा का एक बंधन साझा करते हैं। उन्हें इस बारे में टीवी पर बात नहीं करनी चाहिए। वह सीधे पूछ सकते हैं। असदुद्दीन ओवैसी ने रविवार को सीएए और एनआरसी को निरस्त करने की मांग की थी और चेतावनी दी थी कि अगर दोनों कानूनों को खत्म नहीं किया गया तो प्रदर्शनकारी ₹सड़कों को शाहीन बाग में बदल देंगे। ओवैसी ने रविवार को यूपी के बाराबंकी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, ₹सीएए संविधान के खिलाफ है। अगर भाजपा सरकार इस कानून को वापस नहीं लेती है, तो हम सड़कों पर उतरेंगे और यहां एक और शाहीन बाग बन जाएगा। दिल्ली का शाहीनबाग सीएए और एनआरसी के विरोध का केंद्र रहा। विरोध स्थल, जहां सीएए के खिलाफ आंदोलन के लिए सैकड़ों महिलाओं ने कई महीनों तक डेरा डाला था। दिल्ली पुलिस ने 2020 की शुरूआत में कोविड -19 महामारी के कारण लॉकडाउन के इस जगह को खाली करा दिया था।

वैक्सीनेशन की धीमी रफ्तार पर बढ़ी चिंता, सरकार की चेतावनी- ठीक होना है या चाहिए मौत

नई दिल्ली। कोरोना वैक्सीनेशन के बाद भी संक्रमण दुनिया के कई देशों में कहर बरपा रहा है। इन्हीं देशों में से एक जर्मनी का भी यही हाल है। आम लोगों में वैक्सीनेशन को लेकर सुस्ताई सरकार की मुश्किलें बढ़ा रही है। स्वास्थ्य मंत्री जेन्स स्पैन ने सोमवार को चेतावनी दी कि टीकाकरण से ठीक होना है या संक्रमण से मौत चाहिए। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों से बड़ी संख्या में टीकाकरण करने की अपील की है। जर्मनी में इन दिनों कोरोना का डेल्टा संक्रमण कहर बरपा रहा है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक देश पिछले 24 घंटों में 62 लोगों की मौत हो चुकी है। मौत का आंकड़ा बढ़कर एक लाख पार कर गया है। सोमवार को जर्मनी के स्वास्थ्य मंत्री जेन्स स्पैन ने जनता से अधिक से अधिक संख्या में कोरोना टीकाकरण करने की अपील की। उन्होंने हालांकि उम्मीद जताई है कि इस साल के अंत तक बड़ी आबादी टीकाकरण कर लेगी। रिपोर्ट के मुताबिक, जेन्स स्पैन ने चिंता जाहिर की कि देश में कोरोना के डेल्टा वैरियंट के कई नए केस सामने आए हैं। इस वजह से अस्पतालों में भी मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है। उन्होंने कहा कि देश में निशुल्क कोरोना टीकाकरण के बावजूद अभी तक सिर्फ 68 फीसदी आबादी को ही टीकाकरण दिया गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि महामारी को नियंत्रण में रखने के लिए टीकाकरण बेहद अहम है।

जर्मनी यूरोपीय संघ का सबसे अधिक आबादी वाला देश है। रॉबर्ट कोच इंस्टीट्यूट स्वास्थ्य एजेंसी के अनुसार सोमवार को देश में 30,643 नए कोरोना संक्रमित केस दर्ज किए गए। इस तरह संक्रमितों की कुल संख्या 53 लाख पार कर गई है। स्पैन ने कहा कि इस वक्त अस्पताल में कोरोना मरीजों की संख्या बढ़ गई है। बता दें कि जर्मनी ने पिछले हफ्ते कोरोना के बढ़ते मामलों को रोकने के लिए कई प्रतिबंध लगा दिए थे।

अब्दुल रसूल सय्यफ देगा अफगानिस्तान में तालिबान को चुनौती, भारत से भी है कनेक्शन

नई दिल्ली। अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद से सबसे बड़ा सवाल उठने लगा है कि वहां की सत्ता को अब कौन चुनौती दे सकता है। इस बीच मुजाहिदीन के पूर्व कमांडर और संसद अब्दुल रसूल सय्यफ के नाम चर्चा में आया है। अब्दुल रसूल सय्यफ को एक संभावित नेता के रूप में देखा जा रहा है जो तालिबान विरोधी ताकतों का नेतृत्व कर सकता है। सय्यफ का भारत के साथ कनेक्शन रहा है, खासकर राजनयिकों और सुरक्षा अधिकारियों के बीच में। 70 के दशक के जाने माने नेता अब्दुल रसूल सय्यफ की गिनती इस्लामी विद्वान के साथ-साथ एक पश्तून नेता के तौर पर होती रही है। घटनाक्रम से परिचित लोगों ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि सय्यफ अफगानिस्तान में तालिबान विरोधी ताकतों को एक साथ ला सकते हैं। ऐसा माना जा रहा है कि अफगानिस्तान में अशरफ गनी सरकार के पतन और अगस्त के मध्य में तालिबानियों की ओर से काबुल पर कब्जा जमाने के बाद से वह भारत में रह रहे हैं।

लोगों ने कहा कि तालिबान विरोधी ताकतों के नेतृत्व के लिए सय्यफ का नाम आगे बढ़ाया गया है क्योंकि कमांडर अहमद शाह मसूद के बेटे और अफगानिस्तान के राष्ट्रीय प्रतिरोध मोर्चा के संस्थापक अहमद मसूद को तालिबान विरोधी ताकतों को एकजुट करने में ज्यादा सफलता नहीं मिल पाई है।

शुरूआत के समय में अफगानी सरकार में खुफिया विभाग के मुखिया रहे मसूद और पूर्व उपराष्ट्रपति अमरुल्लाह सालेह को प्रतिरोध बलों के संभावित प्रमुखों के रूप में देखा गया था, लेकिन सितंबर महीने में पंजशीर घाटी की स्थिति बदलने के बाद से इनके नामों की चर्चा अब कम हो गई है। माना जा रहा है कि अहमद मसूद पेरिस और दुशाम्बे में डेरा जमाए हुए हैं जबकि सालेह को ताजिकिस्तान की राजधानी में देखा गया है। अहमद मसूद के पास एक कमांडर के रूप में अपने पिता के जैसा अनुभव नहीं है। दूसरी ओर, सालेह की गिनती एक अच्छे रणनीतिकार में होती है, लेकिन लोकप्रियता के मामले में उसका कोई आधार नहीं है। घटना से परिचित व्यक्ति ने कहा कि यदि दोनों ने साथ मिलकर काम किया होता तो वे तालिबान विरोधी ताकतों को एक साथ लाने में सक्षम होते। तालिबान के कब्जे के बाद सालेह ने खुद को अफगानी राष्ट्रपति होने का दावा किया था, लेकिन लोगों का मानना है कि उनके पास समर्थकों की कमी है।

दूसरी ओर मुजाहिदीन के पूर्व कमांडर होने की वजह से उस्ताद सय्यफ काफी मशहूर है। पश्तून हलकों के भीतर सय्यफ की गिनती एक इस्लामी विद्वानों के तौर पर होती है। हालांकि, अभी तक यह साफ नहीं हुआ है कि सय्यफ तालिबान विरोधी ताकतों को एक साथ लाने के लिए एक बड़ी जिम्मेदारी निभाने के लिए सहमत है या नहीं।

अंखड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं.
UPHIN 2001/9025